महिला के रोने मात्र से दहेज उत्पीड़न का मामला नहीं बनता : दिल्ली हाईकोर्ट - 12

पेट्रोल पंप पर भूमिगत टैंक पूरी तरह हों सील - 12

वाशिंगटन में जेलेंस्की के साथ ट्रंप की बैठक में यूरोपीय नेता भी होंगे शामिल - 13

अपने अंतिम समय में भी मैक्सवेल जीत सकते हैं एक और विश्व कप- 14

आज का मौसम

30.0⁰ अधिकतम तापमान

24.0⁰ न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 05.42

सूर्यास्त 06.49

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

हल्द्वानी

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

भाद्रपद कृष्ण पक्ष दशमी 05:22 उपरांत एकादशी विक्रम संवत 2082

सोमवार, 18 अगस्त 2025, वर्ष 5, अंक 177, पृष्ठ 14 मूल्य 6 रुपये

वतन वापसी पर शुभांशु को ग्रैंड वेलकम, प्रधानमंत्री से करेंगे मुलाकात

दिल्ली एयरपोर्ट पर शुभांशु शुक्ला का स्वागत करते केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता व अन्य।

नई दिल्ली, एजेंसी

- केंद्रीय मंत्री, दिल्ली की मुख्यमंत्री और इसरो चीफ ने अंतरिक्ष यात्री का किया स्वागत
- एयरपोर्ट पर पत्नी और बेटा भी रहे मौजूद, भारत माता के जयकारों से गूंजा परिसर

अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला का अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) की अपनी ऐतिहासिक यात्रा के बाद रविवार तड़के भारत लौटने पर जोरदार स्वागत किया गया। यहां हवाई अड्डे पर बड़ी संख्या में लोगों ने तिरंगा लहराते हुए और ढोल बजाते हुए शुक्ला का भव्य स्वागत किया। भारत माता के जयकारों से हवाई अड्डा परिसर गूंज उठा। शुक्ला का केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और इसरो के अध्यक्ष वी. नारायणन ने स्वागत किया।

शुक्ला ने सिंह द्वारा हवाई अड्डे पर स्वागत करने के बाद पोस्ट किए गए एक संदेश के जवाब में एक्स पर लिखा, धन्यवाद महोदय। घर वापस आकर निश्चित रूप से अच्छा लग रहा है। शुक्ला की पत्नी कामना और बेटा कियाश भी अंतरिक्ष उड़ान के लिए अमेरिका में लगभग एक वर्ष तक प्रशिक्षण लेने के बाद उनके घर लौटने पर स्वागत करने के लिए हवाई अड्डे पर मौजूद थे। ढोल-नगाड़ों की गूंज के साथ शुक्ला का स्वागत करने के लिए इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर तिरंगा लहराते हुए भारी भीड़ जमा हुई थी। सरकार ने शुक्ला की भारत वापसी के उपलक्ष्य में सोमवार को लोकसभा में अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर भारत के पहले अंतरिक्ष यात्री - 2047 तक विकसित भारत के लिए अंतरिक्ष कार्यक्रम की महत्वपूर्ण भूमिका विषय पर विशेष चर्चा का प्रस्ताव रखा है। शुभांशु शुक्ला 25 जून 2025 को एक्सिओम-4 मिशन के तहत अंतरिक्ष में गए थे। वह अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर 18 दिन रहे और 15 जुलाई को लौटे। तीन अन्य अंतरिक्ष यात्रियों - पैगी व्हिटसन (अमेरिका), स्लावोज उज्नान्स्की-विस्नीवस्की (पोलैंड) और टिबोर कापू (हंगरी) के साथ शुक्ला ने कई प्रयोग किए।

राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस समारोह में करेंगे शिरकत

शुक्ला के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मिलने और उसके बाद अपने गृहनगर लखनऊ जाने की उम्मीद है। वह 22-23 अगस्त को राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस समारोह में भाग लेने के लिए राजधानी लौटेंगे। केंद्रीय मंत्री सिंह ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, भारत का अंतरिक्ष गौरव भारतीय धरती को छू रहा है। मां भारती के प्रतिष्ठित सपूत, गगनयात्री शुभांशु शुक्ला रविवार तड़के दिल्ली पहुंचे। उनके साथ ग्रुप कैप्टन प्रशांत बालकृष्णन नायर भी हैं, जो भारत के पहले मानव मिशन गगनयान के लिए चुने गए अंतरिक्ष यात्रियों में से एक हैं और आईएसएस के मिशन के लिए भारत के नामित अंतरिक्ष यात्री थे। शुक्ला और उनके न जा पाने की स्थिति में (यात्रा के लिए) प्रशांत नायर आरक्षित अंतरिक्ष यात्री थे।

ब्रीफ न्यूज

नोएडा की राज्यकर अधिकारी निलंबित

लखनऊ। शासन ने रविवार को पांच लाख के घूसखोरी के वीडियो सामने आने के मामले में नोएडा की राज्यकर अधिकारी रेनू पांडेय को निलंबित कर दिया है। उक्त महिला अधिकारी का वीडियो और पत्र सामने आने के बाद विभाग में तरह-तरह की चर्चाएं फैलीं हैं। मामला घूसखोरी के साथ राज्य कर में तैनात महिला अफसर को निलंबन का भय दिखाकर शोषण करने के आरोप से भी जुड़ा है। मामले की जांच की अपील की गई है।

चार इनामी नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

गरियाबंद। छत्तीसगढ़ में नक्सल मोर्चे पर गरियाबंद में सुरक्षा बलों को एक और बड़ी सफलता मिली है। जिले में दो महिला और दो पुरुष नक्सलियों ने आत्मसमर्पण कर मुख्यधारा में लौटने का ऐलान किया। इन चारों नक्सलियों पर कुल 19 लाख रुपये का इनाम घोषित था। आईजी अमरेश मिश्रा ने रविवार को यहां जानकारी दी। आत्मसमर्पण करने वालों में विनोद उर्फ भीमा मंडावी शामिल है, जो डीवीएस रैंक का सक्रिय सदस्य था। कैलाश, रनिता और सुजीता नक्सली पोलित ब्यूरो सदस्य बालकृष्ण के प्रोटेक्शन टीम में थे।

विंग कमांडर को साइबर ठगों ने बनाया शिकार

श्रीगंगानगर। राजस्थान में भारतीय वायुसेना के सूरतगढ़ वायुसेना के हवाई अड्डे पर तैनात एक विंग कमांडर से साइबर ठगों ने झांसा देकर एक करोड़ 11 लाख 82 हजार 500 रुपये ठग लिये। पुलिस सूत्रों ने बताया कि जैसे ही इस धोखाधड़ी का पता चला, विंग कमांडर ने तुरंत राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई। श्रीगंगानगर की साइबर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए विभिन्न बैंक खातों में करीब सात लाख रुपये होल्ड करवा दिए।

डॉ. धीमन को एम्स पटना का भी प्रभार

लखनऊ। संजय गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान (एसजीपीजीआई) के निदेशक प्रो डॉ. राधा कृष्ण धीमन को पटना एम्स का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। धीमन को एम्स, पटना की इन्स्टीट्यूट बॉडी का सदस्य भी नियुक्त किया गया है। देश भर में पंजाब मॉडल को लागू कराने वाले डॉ. धीमन ने पंजाब में सार्वजनिक स्वास्थ्य स्तर पर हेपेटाइटिस सी के उपचार के लिए एक लागत-प्रभावी एल्गोरिदम तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

राज्य में गठित होगा उत्तराखंड अल्पसंख्यक शिक्षा प्राधिकरण

सिख, जैन, ईसाई, बौद्ध समुदाय के बच्चों का होगा शैक्षिक विकास

- कैबिनेट ने दी अल्पसंख्यक शिक्षा विधेयक-2025 को मंजूरी

मुख्य संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की अध्यक्षता में रविवार को कैबिनेट की बैठक में अल्पसंख्यक शिक्षा विधेयक 2025 को मंजूरी दी गई। उत्तराखंड राज्य अल्पसंख्यक शिक्षा प्राधिकरण का गठन करने के साथ ही विभिन्न विभागों से संबंधित विधेयकों को अनुमोदित किया गया, जिनको 19 अगस्त से शुरू हो रहे विधानसभा सत्र में पेश किया जाएगा।

अल्पसंख्यक शिक्षा विधेयक 2025 के अंतर्गत अल्पसंख्यक कल्याण को ध्यान में रखते हुए अल्पसंख्यक शिक्षा अधिनियम बनाना महत्वपूर्ण है। इस अधिनियम के तहत, एक ऐसे प्राधिकरण का गठन होगा, जिसके पास अल्पसंख्यक समुदायों द्वारा स्थापित शैक्षणिक संस्थानों को मान्यता देने

और ऐसे संस्थानों में शैक्षिक उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के लिए शक्तियां और कार्य होंगे। इस विधेयक द्वारा मुस्लिम समुदाय के साथ सिख, जैन, इसाई और पारसी समुदाय के शैक्षिक संस्थानों को भी अल्पसंख्यक दर्जा प्राप्त होगा।

इसके माध्यम से प्राधिकरण द्वारा अल्पसंख्यक शैक्षणिक संस्थान की मान्यता तभी प्रदान की जाएगी, जब आवेदक द्वारा कुछ शर्तें पूरी की जाएंगी। यदि प्राधिकरण पाता है कि किसी शर्त का उल्लंघन हुआ हो तो किसी भी समय सुनवाई का उचित अवसर प्रदान करने के पश्चात ऐसी मान्यता समाप्त कर सकता है।

ये खास विधेयक भी होंगे पेश

कैबिनेट में तय हुआ कि समान नागरिक संहिता उत्तराखंड (संशोधन) विधेयक 2025 और उत्तराखंड साक्षी संरक्षण (निरसन) विधेयक 2025 को भी आगामी विस सत्र में अनुमोदन हेतु प्रस्तुत किया जाएगा। इनमें यूसीसी संशोधन विधेयक के अंतर्गत विवाह पंजीकरण की समयावधि बढ़ाने हेतु मूल संहिता में विवाह पंजीकरण हेतु छह माह की निर्धारित समयसीमा को एक वर्ष करने के उद्देश्य से पूर्व में अध्यादेश अधिसूचित किया गया, जो अब प्रतिस्थानी संशोधन विधेयक के रूप में प्रतिस्थापित होगा। यूसीसी समिति द्वारा की गयी संस्तुति/अनुशंसाओं के आधार पर तथा संहिता के कतिपय प्रावधानों में उत्पन्न व्यावहारिक कठिनाइयों एवं लिपिकीय त्रुटियों के समाधान हेतु मूल संहिता में आवश्यक संशोधन करने के दृष्टिगत यूसीसी उत्तराखंड (संशोधन) विधेयक, 2025 को अधिनियम के रूप में अधिसूचित किया जा रहा है।

उत्तराखंड साक्षी संरक्षण विधेयक

उत्तराखंड साक्षी संरक्षण (निरसन) विधेयक, 2025 के तहत राज्य के अन्तर्गत भारतीय दंड संहिता के अधीन उत्तराखंड साक्षी संरक्षण अधिनियम, 2020 प्रभावी है। दंड प्रक्रिया संहिता के स्थान पर देश में एक जुलाई 2023 से भारतीय न्याय संहिता लागू हो चुकी है। तत्क्रम में भारतीय न्याय संहिता की धारा 398 के प्रावधानों के क्रियान्वयन हेतु उत्तराखंड साक्षी संरक्षण योजना, 2025 को प्रख्यापित किया जाना है। पूर्व में भारतीय दंड संहिता के अधीन उत्तराखंड साक्षी संरक्षण अधिनियम, 2020 को निरसित करने के लिए उत्तराखंड साक्षी संरक्षण (निरसन) विधेयक, 2025 को अधिनियम के रूप में अधिसूचित किया जाएगा। लोकतंत्र सेनानियों को पेंशन व अन्य सुविधाओं संबंधी शासनादेश के स्थान पर अधिनियम लाने और पेयजल निगम के वार्षिक प्रतिवेदन को सदन के पटल पर रखने के प्रस्तावों पर भी मंजूरी दी गई।

कठुआ में बादल फटने और भूस्खलन से 7 लोगों की मौत

कई घायल, मलबा आने से रास्ते बंद, कई कच्चे घर धराशायी

जम्मू, एजेंसी

जम्मू-कश्मीर के कठुआ जिले में रविवार तड़के बादल फटने और भूस्खलन की दो अलग-अलग घटनाओं में पांच बच्चों समेत चार परिवारों के सात सदस्यों की मौत हो गई। जबकि कई लोग घायल हैं। जिले में रात भर हुई भारी बारिश के बीच राजबाग के जोध घाटी गांव और और जंगलोट में यह आपदा आई जिससे जलाशयों का जलस्तर बढ़ गया और कई निचले इलाकों में जलभराव हो गया है।

कठुआ में बादल फटने की घटना जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले के चिशोती गांव में 14 अगस्त को बादल फटने से आई अचानक बाढ़ के तीन दिन बाद हुई है। चिशोती में आई आपदा में 60 लोगों की जान चली गई थी और 100 से अधिक घायल हुए थे। बादल फटने से प्रभावित जोध घाटी में एक व्यक्ति और उसके दो बेटों समेत पांच लोगों की मौत हो गई और गांव तक पहुंचने का रास्ता बंद हो गया व कई कच्चे घरों को नुकसान पहुंचा। वहीं, जंगलोट के बागरा गांव में बारिश के कारण हुए भूस्खलन में मां-बेटी की भी मौत हो गई। सेना ने जोध घाटी से छह घायलों को हेलीकॉप्टर से एयर लिफ्ट कर अस्पताल पहुंचाया। भारी बारिश के कारण अधिकांश जलाशयों का जलस्तर तेजी से बढ़ गया है और उझ नदी खतरे के निशान के पास बह रही है। बाढ़ का पानी घरों व दुकानों में घुस गया है। जम्मू-पठानकोट रेल मार्ग पर यातायात बाधित हो गया है।

कठुआ में बादल फटने और भूस्खलन होने से क्षतिग्रस्त सड़क।

मुख्यमंत्री ने की सहायता राशि देने की घोषणा

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने जानमाल की हानि पर चिंता व्यक्त करते हुए अनुग्रह राशि देने की घोषणा की है। मृतकों के परिजनों दो-दो लाख रुपये, गंभीर घायलों को एक लाख रुपये और मामूली घायलों को 50,000 रुपये दिए जाएंगे। पूरी तरह क्षतिग्रस्त घरों के लिए एक लाख रुपये, अत्यंत क्षतिग्रस्त घरों के लिए 50 हजार और आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त घरों के लिए 25 हजार रुपये की सहायता राशि भी स्वीकृत की।

राहुल गांधी के वोट चोरी के दावों का चुनाव आयुक्त ने दिया जवाब

अपने आरोपों पर सात दिन में दें शपथपत्र या देश से मांगें माफी

नई दिल्ली, एजेंसी

मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार ने रविवार को कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी को मतदाता सूची में अनियमितताओं के अपने आरोपों पर सात दिन के भीतर शपथपत्र देना चाहिए, अन्यथा उनके वोट चोरी के दावे निराधार और अमान्य माने जाएंगे। उन्होंने कहा कि निराधार आरोप लगाने वालों को देश से माफी भी मांगनी चाहिए। मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि यदि कोई व्यक्ति किसी निर्वाचन क्षेत्र का मतदाता नहीं है और शिकायत दर्ज कराना चाहता है तो वह केवल शपथ लेकर गवाह के रूप में ही ऐसा कर सकता है।

वोट चोरी का आरोप लगाते हुए लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने 31 जुलाई को एक संवाददाता सम्मेलन में 2024 के लोकसभा चुनाव के आंकड़ों का हवाला देते हुए दावा किया था कि कर्नाटक के महादेवपुरा विधानसभा क्षेत्र में एक लाख से अधिक वोट चोरी हुए थे। गांधी ने अन्य राज्यों में भी अनियमितताओं

का आरोप लगाया था। कई राज्यों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों ने गांधी से अपने दावों पर शपथपत्र दाखिल करने को कहा था, लेकिन गांधी ने ऐसा करने से इनकार कर दिया।

मुख्य निर्वाचन आयुक्त कुमार ने रविवार को गांधी के आरोपों पर पूछे गए सवालों के जवाब में कहा कि क्या निर्वाचन आयोग को शिकायतकर्ता द्वारा शपथपत्र दिए बिना 1.5 लाख मतदाताओं को नोटिस जारी करना चाहिए? उन्होंने कहा कि निराधार आरोप लगाने वालों को देश से माफी मांगनी चाहिए। इस बात पर जोर दिया कि न तो आयोग और न ही मतदाता दोहरे मतदान तथा वोट चोरी के निराधार आरोपों से डरते हैं।

गलत सूचना फैला रहे हैं कुछ दल

मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने कहा कि कुछ दल एसआईआर के बारे में गलत सूचना फैला रहे हैं। आयोग के कंधे पर रखकर बंदूक चला रहे हैं। दोहरे मतदान और वोट चोरी के आरोपों को निराधार करार देते हुए कहा कि आयोग राजनीतिक दलों के बीच भेदभाव नहीं कर सकता। कहा कि अगर चुनाव याचिकाएं 45 दिन में दायर नहीं की जातीं, लेकिन वोट चोरी के आरोप लगाए जाते हैं, तो यह संविधान का अपमान है।

बिहार में वोट चोरी नहीं होंगे देंगे : राहुल

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने रविवार को आरोप लगाया कि बिहार में एसआईआर के जरिए चुनाव चोरी करने की साजिश की जा रही है, लेकिन विपक्ष ऐसा नहीं होने देगा। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने बिहार के सासाराम से वोटर अधिकार यात्रा की शुरुआत से पहले आयोजित सभा में यह दावा भी किया कि अब सबको पता चल गया है कि चुनाव आयोग भाजपा के साथ मिलकर पूरे देश में वोट की चोरी कर रहा है।

सीओ भवाली पर विभागीय कार्यवाही और एसओ बेतालघाट को करें सस्पेंड

- चुनाव आयोग की शासन को संस्तुति, जिपं अध्यक्ष मामले में आज हाईकोर्ट में सुनवाई

देहरादून। नैनीताल के बेतालघाट में बीती 14 अगस्त को क्षेत्र पंचायत चुनाव के दौरान हुए गोलीकांड में राज्य चुनाव आयोग ने सीओ भवाली और थानाध्यक्ष बेतालघाट के प्रति सख्त रुख अपनाया है।

राज्य चुनाव आयोग के संयुक्त सचिव कमलेश मेहता द्वारा शासन को भेजे गए पत्र में कहा गया है कि विकास खंड बेतालघाट में तैनात प्रेक्षक की रिपोर्ट में क्षेत्र पंचायत बेतालघाट में प्रमुख एवं उप प्रमुखों के निर्वाचन के दौरान हुई फायरिंग की घटना में सीओ भवाली प्रमोद साह के विरुद्ध विभागीय कार्यवाही व थानाध्यक्ष बेतालघाट अनीश अहमद को निलंबित करते हुए विभागीय कार्यवाही की जाए। 14 अगस्त को बेतालघाट में चुनाव के दौरान फायरिंग में एक ग्रामीण घायल हो गया था। पुलिस ने इस प्रकरण में छह आरोपी गिरफ्तार किए थे। वहीं, जिला पंचायत अध्यक्ष, नैनीताल के निर्वाचन को लेकर हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश जी. नरेंद्र की खंडपीठ में सोमवार दोपहर करीब 12 बजे सुनवाई प्रस्तावित है।

एनडीए ने सीपी राधाकृष्णन को बनाया उपराष्ट्रपति उम्मीदवार

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई भाजपा संसदीय बोर्ड की बैठक में महाराष्ट्र के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन को राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की ओर से उपराष्ट्रपति पद का उम्मीदवार नामित किया गया।

भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष जेपी नड्डा ने यह घोषणा करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की अध्यक्षता में रविवार को हुई बैठक में व्यापक विचार-विमर्श के बाद राधाकृष्णन के नाम पर फैसला किया गया। नड्डा ने उम्मीद जताई कि विपक्षी दल राजग उम्मीदवार का समर्थन करेंगे।

- प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में हुई भाजपा संसदीय बोर्ड की बैठक में लिया फैसला

यातायात में बेहतरी

प्रधानमंत्री ने दिल्ली में किया 11 हजार करोड़ की लागत वाले दो राजमार्गों का लोकार्पण

पहले सिर्फ फाइलों में, अब जमीन पर होता है काम : मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को राष्ट्रीय राजधानी और उसके आसपास के इलाकों में यातायात की भीड़भाड़ कम करने के उद्देश्य से लगभग 11,000 करोड़ रुपये की लागत से बने द्वारका एक्सप्रेसवे के दिल्ली खंड और शहरी विस्तार मार्ग-दो (यूईआर-दो) का उद्घाटन किया।

ये दोनों मार्ग राजधानी में यातायात की भीड़ कम करने की सरकार की व्यापक योजना के तहत बनाए गए हैं। इसका उद्देश्य दिल्ली व उसके आसपास के इलाकों में कनेक्टिविटी में सुधार, यात्रा समय में कटौती और यातायात के दबाव को कम करना है।

राजमार्गों के लोकार्पण के दौरान श्रमयोगियों से बात करते प्रधानमंत्री मोदी।

इन मार्गों के पूरी तरह से चालू होने पर सोनीपत, रोहतक, बहादुरगढ़ और गुरुग्राम से आईजीआई हवाई अड्डे तक यात्रा के समय में उल्लेखनीय कमी आने की उम्मीद है। इस मौके पर मोदी ने दिल्ली की रेखा गुप्ता सरकार की सराहना करते हुए कहा कि पहले काम केवल फाइलों में होता था अब जमीन पर होता है। मोदी ने उद्घाटन करने के बाद कहा कि द्वारका एक्सप्रेसवे और यूईआर-दो से दिल्ली-एनसीआर के लोगों को लाभ होगा...सरकार दिल्ली के लोगों की सभी परेशानियों को दूर करने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि द्वारका एक्सप्रेसवे और शहरी विस्तार मार्ग का निर्माण असाधारण रूप से अच्छा हुआ है। पेरिफेरल एक्सप्रेसवे के विकास के बाद, शहरी विस्तार मार्ग अब दिल्ली को महत्वपूर्ण लाभ पहुंचाने के लिए तैयार है। मोदी ने बताया कि शहरी विस्तार मार्ग की ख़ासियत यह है कि इसने शहर में कचरे की बढ़ती समस्या के समाधान में अद्वितीय योगदान दिया है।

जीएसटी सुधारों को लागू करें सभी राज्य

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि केंद्र ने अगली पीढ़ी के जीएसटी सुधारों का मसौदा राज्यों को दे दिया है और दिवाली से पहले प्रस्ताव को लागू करने के लिए उनका सहयोग मांगा गया है। उन्होंने कहा कि माल एवं सेवा कर (जीएसटी) में सुधार से गरीब और मध्यम वर्ग के लोगों के साथ ही छोटे और बड़े व्यवसायों को भी लाभ होगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि केंद्र जीएसटी कानून को सरल बनाने और कर दरों में संशोधन करने का इरादा रखता है। उन्होंने कहा कि हमारे लिए सुधार का अर्थ सुशासन को आगे बढ़ाना है। आने वाले महीनों में हम कई बड़े सुधार करने जा रहे हैं, ताकि लोगों का जीवन और व्यवसाय करना आसान हो जाए। उन्होंने कहा कि इस दिवाली लोगों को जीएसटी सुधार से दोहरा बोनस मिलेगा।

अमृत विचार

हल्द्वानी, सोमवार, 18 अगस्त 2025

स्टेट ब्रीफ

हरिद्वार पुलिस ने तीन जिंदगी बचा लीं

हरिद्वार : पुलिस ने तीन जिंदगियों को बचा लिया। एसएसपी प्रमेंद्र सिंह डोबाल के अनुसार, शनिवार आधी रात कंट्रोल रूम से सिटी कोतवाली को सूचना मिली कि एक महिला अपने पति से विवाद के चलते देहरादून से अपनी दो बच्चियों सहित हरकी पैड़ी आ गई है और पति को फोन कर आत्महत्या करने की धमकी दे रही है। तुरंत ही छह टीमें बनाई गईं और लगातार अथक प्रयासों के बाद टीमों ने महिला व उसकी बच्चियों को अपर रोड से घाट की ओर जाते देखा और समय रहते मौके पर पहुंचकर तीनों को सुरक्षित रेस्क्यू कर लिया। काउंसलिंग के बाद उन्हें परिजनों के सुपुर्द किया गया।

वाहन पर पेड़ गिरा सात लोग घायल

उत्तरकाशी : जिले की तहसील डुंडा के अंतर्गत धनारी के पिपली में रविवार सुबह एक मैक्स वाहन पर अचानक पेड़ गिर गया। इस हादसे में वाहन में सवार 7 लोग घायल हो गए, जिन्हें एसडीआरएफ ने रेस्क्यू कर सीएचसी डुंडा में भर्ती कराया। वहीं, चिन्यालीसौड़ के गांव टिपरी में अतिवृष्टि से भूस्खलन से एक गौशाला क्षतिग्रस्त होने से एक दर्जन से ज्यादा बकरियां मर गईं।

बेहतर इलाज के साथ रखें मधुर व्यवहार

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने 220 चिकित्सा अधिकारियों को नियुक्ति पत्रों के साथ दिया मूल मंत्र

मुख्य संवाददाता, देहरादून

मुख्य सेवक सदन में आयोजित कार्यक्रम में नवनियुक्त चिकित्सकों के साथ मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और कैबिनेट मंत्री।

अमृत विचार: मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने रविवार को मुख्य सेवक सदन में स्वास्थ्य विभाग द्वारा आयोजित उत्तराखंड चिकित्सा स्वास्थ्य सशक्तिकरण अभियान के तहत 220 नवनियुक्त चिकित्सा अधिकारियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए।

मुख्यमंत्री ने नवनियुक्त चिकित्सकों को बेहतर इलाज के साथ-साथ मधुर व्यवहार, सेवाभाव और समर्पण का मूल मंत्र देते हुए कवि गुमानी पंत की पंक्तियों को कोट करते हुए (प्रथम देह को जतन कर लो फिर साधना होगी, के अनुरूप) चिकित्सकों को अपने ज्ञान और कौशल से लोगों के स्वास्थ्य को ठीक करने की अपील की। कहा कि, आप मात्र चिकित्सक नहीं बल्कि देवभूमि के आरोग्य प्रहरी भी हैं इसीलिए आप सभी को प्रदेश की चिकित्सा को सस्ती, जनसुलभ और नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए पूर्ण समर्पण और सेवाभाव से कार्य करना होगा।

मुख्यमंत्री ने जानकारी दी कि, प्रदेश के 11 लाख से अधिक मरीजों को 21 करोड़ से अधिक की कैशलेस इलाज की सुविधा प्राप्त हो चुकी है। श्रीनगर में कार्डियो और न्यूरोलॉजी तथा हल्द्वानी में कैंसर से संबंधित विशेष चिकित्सा सुविधा प्रदान की जा रही है। आपात स्थिति में सुदूरवर्ती क्षेत्रों से हेली के माध्यम से भी स्वास्थ्य सेवाएं जीवनदायिनी का काम कर रही हैं। धराली में आई आपदा के दौरान भी इसको देखा गया। निःशुल्क स्वास्थ्य जांच, स्वास्थ्य केंद्रों के आधुनिकीकरण, पैरामेडिकल स्टाफ की नियुक्ति और टेलीमेडिसिन सेवा के विस्तार से राज्य में चिकित्सा सेवाओं को नया आयाम मिला है। कहा कि हम प्रत्येक जनपद में एक-एक मेडिकल कॉलेज स्थापित करने का प्रयास कर रहे हैं ताकि लोगों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाएं स्थानीय स्तर पर ही उपलब्ध हो सके।

प्रत्येक क्षेत्र में नए कीर्तिमान

सीएम धामी ने कहा कि आज उत्तराखंड प्रत्येक क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है और विकसित भारत के संकल्प को साकार करने का एक तरह से उत्तराखंड नेतृत्व कर रहा है। विकसित भारत का संकल्प उत्तराखंड के विकसित होने से और उत्तराखंड के विकसित होने का संकल्प यहां के समाज, नागरिकों और प्रत्येक क्षेत्र के विकसित होने से ही साकार होगा।

दूरस्थ क्षेत्रों में होगी तैनाती

स्वास्थ्य मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने कहा कि 220 चिकित्सकों में दिव्यांग कोटे के चार चिकित्सकों को छोड़कर शेष सभी चिकित्सक दूरस्थ क्षेत्रों में तैनाती देंगे। विभाग शीघ्र ही और चिकित्सकों, नर्सेज और सपोर्टिंग स्टाफ की भी भर्ती करने जा रहा है। प्रधानमंत्री मोदी के जन्म दिवस 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक राज्य के 220 स्थानों पर बड़े अभियान के तौर पर रक्तदान शिविर लगाए जाएंगे तथा प्रत्येक गांव में स्वास्थ्य शिविर लगाकर 25 लाख से अधिक लोगों को इससे लाभान्वित किया जाएगा। कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी, सचिव स्वास्थ्य डॉ. आर राजेश कुमार, महानिदेशक स्वास्थ्य सुनीता टम्टा सहित संबंधित चिकित्सक व अधिकारी मौजूद रहे।

श्रमिकों और उद्योगों के बीच बने बेहतर समन्वय

मुख्य संवाददाता, देहरादून

- मुख्यमंत्री ने श्रमिकों के खातों में ट्रांसफर किए 25 करोड़ रुपये

अमृत विचार: मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने निर्देश दिए हैं कि श्रम विभाग को जहां श्रमिकों की समस्याओं का निस्तारण तत्परता से करना होगा। वहीं, उद्योगों एवं श्रमिकों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना होगा ताकि श्रमिकों को निरंतर सुलभता रोजगार प्राप्त होता रहे और उनकी छोटी-छोटी समस्याओं का निस्तारण तत्काल किया जा सके।

उत्तराखंड भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड ने विशेष अभियान में श्रमिक एवं श्रमिकों के आश्रितों के पुत्री विवाह सहायता योजना, मृत्यु अनुदान योजना, प्रसूति सहायता योजना एवं शिक्षा सहायता योजना अंतर्गत 8,299 आवेदनों का ऑनलाइन निस्तारण किया है। रविवार को कैंप कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) के तहत संबंधित श्रमिकों एवं उनके आश्रितों के बैंक खातों में करीब 25 करोड़ रुपये की धनराशि ट्रांसफर की।

सचिव श्रम श्रीधर बाबू अददांकी व श्रमायुक्त प्रकाश चंद्र दुमका ने इस दौरान अवगत कराया कि कर्मकार बोर्ड द्वारा विगत एक माह में विशेष अभियान चलाकर इन 8,299 आवेदनों का निस्तारण किया गया। बोर्ड स्तर पर प्रथम बार इस प्रकार का प्रयास किया गया है। भविष्य में प्राप्त होने वाले सभी आवेदनों को भी ससमय अभियान चलाकर समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाएगा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने श्रम विभाग के लेबर सेस मैनेजमेंट पोर्टल और ई-श्रम पोर्टल पर राज्य की उत्कृष्ट प्रगति को देखते हुए श्रम विभाग के अधिकारियों को बधाई दी। कार्यक्रम में राज्य मंत्री गीता रावत, उप श्रमायुक्त मधु नेगी चौहान सहित समस्त सहायक श्रम आयुक्त तथा अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

फुटबॉल का रोमांचः दून ने नैनीताल को रौंदा

संवाददाता, हल्द्वानी

विजेता टीम को ट्रॉफी प्रदान करते कुमाऊं आयुक्त दीपक रावत। ● अमृत विचार

अमृत विचार: मिनी स्टेडियम में आयोजित प्रथम वेटरन्स क्लब फुटबॉल प्रतियोगिता का समापन रविवार को फाइनल मुकाबले के साथ हुआ। तीन दिवसीय इस प्रतियोगिता का आयोजन जिला खेल विभाग व वेटरन्स स्टेट फुटबॉल क्लब हल्द्वानी की ओर से किया गया। फाइनल मुकाबले का शुभारंभ कुमाऊं आयुक्त दीपक रावत ने किया।

निर्णायक मुकाबले में देहरादून की टीम ने नैनीताल को 2-0 से पराजित कर ट्रॉफी अपने नाम की। फाइनल मैच में कमल और किशन को सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी घोषित किया गया। आयुक्त रावत ने विजेता व उपविजेता टीमों को शील्ड प्रदान की और श्रेष्ठ खिलाड़ियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए आयुक्त ने कहा कि हल्द्वानी मिनी स्टेडियम में फुटबॉल कोर्ट की स्थापना मुख्यमंत्री की घोषणा के तहत की गई थी, जो अब स्थानीय खिलाड़ियों को बेहतर अवसर प्रदान कर रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार खेलों को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न नीतियां लागू कर रही है, जिससे खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ा है और वे राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए तैयार हो रहे हैं। आयुक्त ने कहा कि लंबे समय बाद अनुभवी खिलाड़ियों का प्रदर्शन देखने को मिला है, जिससे नई पीढ़ी निश्चित रूप से प्रेरणा लेगी और खेल के क्षेत्र में अपनी प्रतिभा को निखार सकेगी। इस अवसर पर शरद अग्रवाल, मदन अधिकारी, विजय विष्ट, दुर्गा सिंह सिजवाली, हरीश मर्तोलिया, किशोर पाल, प्रकाश सिंह सहित तहसीलदार मनीषा बिष्ट मौजूद रहे।

कांग्रेस का आयोग व सरकार पर निशाना

मुख्य संवाददाता, देहरादून

राजभवन में राज्यपाल गुरमीत सिंह को ज्ञापन सौंपते उत्तराखंड कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल के सदस्य।

अमृत विचार: उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस के प्रतिनिधिमंडल ने रविवार को राज्यपाल गुरमीत सिंह को ज्ञापन सौंपकर राज्य चुनाव आयुक्त को पद से हटाने तथा राज्य सरकार को कानून व्यवस्था पर निर्देश देने की मांग की।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष करण माहरा के नेतृत्व में पहुंचे नेताओं ने राज्यपाल से की शिकायत में आरोप लगाया कि, हाल में संपन्न त्रिस्तरीय पंचायत चुनावों में व्यापक धांधली हुई और सरकारी संरक्षण में सत्ताधारी दल द्वारा गुंडागर्दी, गोलीबारी तथा अपहरण की घटना हुई। आरोप लगाया कि विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य और कांग्रेस विधायकों के खिलाफ अभियोग पंजीकृत किए गए तथा राज्य के अधिकारियों द्वारा असंवैधानिक कार्य किए गए।

माहरा ने राज्यपाल के समक्ष आरोप लगाया कि प्रदेश में भाजपा सरकार ने जंगलराज कायम किया हुआ है और जान बूझकर पंचायत चुनाव समय पर न कराकर, सात माह की देरी की गई जिससे इनके वे लोग, जो निकाय चुनावों में मतदाता थे, ग्रामीण क्षेत्रों में भी चुनावों में प्रतिभाग कर सकें। यह भी आरोप लगाया कि, सरकार ने जिला पंचायत व क्षेत्र पंचायत सदस्य के आरक्षण में नियमों की धज्जियां उड़ाकर नियम विरुद्ध आरक्षण किया।

माहरा ने आरोप लगाया कि, नैनीताल, बेतालघाट व रुद्रप्रयाग में प्रशासनिक तंत्र सारे तमाशे में मूकदर्शक बना रहा। अपराधी खुलेआम जिला पंचायत सदस्यों का अपहरण करते रहे। बेतालघाट में दिनदहाड़े गोलियां चलाते रहे। पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने आरोप लगाया कि, राज्य निर्वाचन आयोग एक स्वायत्तशासी संवैधानिक संस्था है, जिसे निष्पक्षता के साथ अपनी भूमिका ईमानदारी से निभानी चाहिए, किंतु उसने ठीक इसके विपरीत काम किया।

प्रतिनिधिमंडल में कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष प्रीतम सिंह, प्रदेश सह प्रभारी सुरेंद्र शर्मा, विधायक काजी निजामुद्दीन, ममता राकेश, विक्रम सिंह, फुरकान अहमद, रवि बहादुर, अनुपमा रावत, पूर्व विधायक राजकुमार, वरिष्ठ उपाध्यक्ष संगठन सूर्यकांत धस्माना, जिपं उपाध्यक्ष, अभिषेक सिंह, महिला कांग्रेस अध्यक्ष ज्योति रौतेला, मदन लाल, सरदार अमरजीत सिंह व डॉ. जसविंदर सिंह गोगी शामिल रहे।

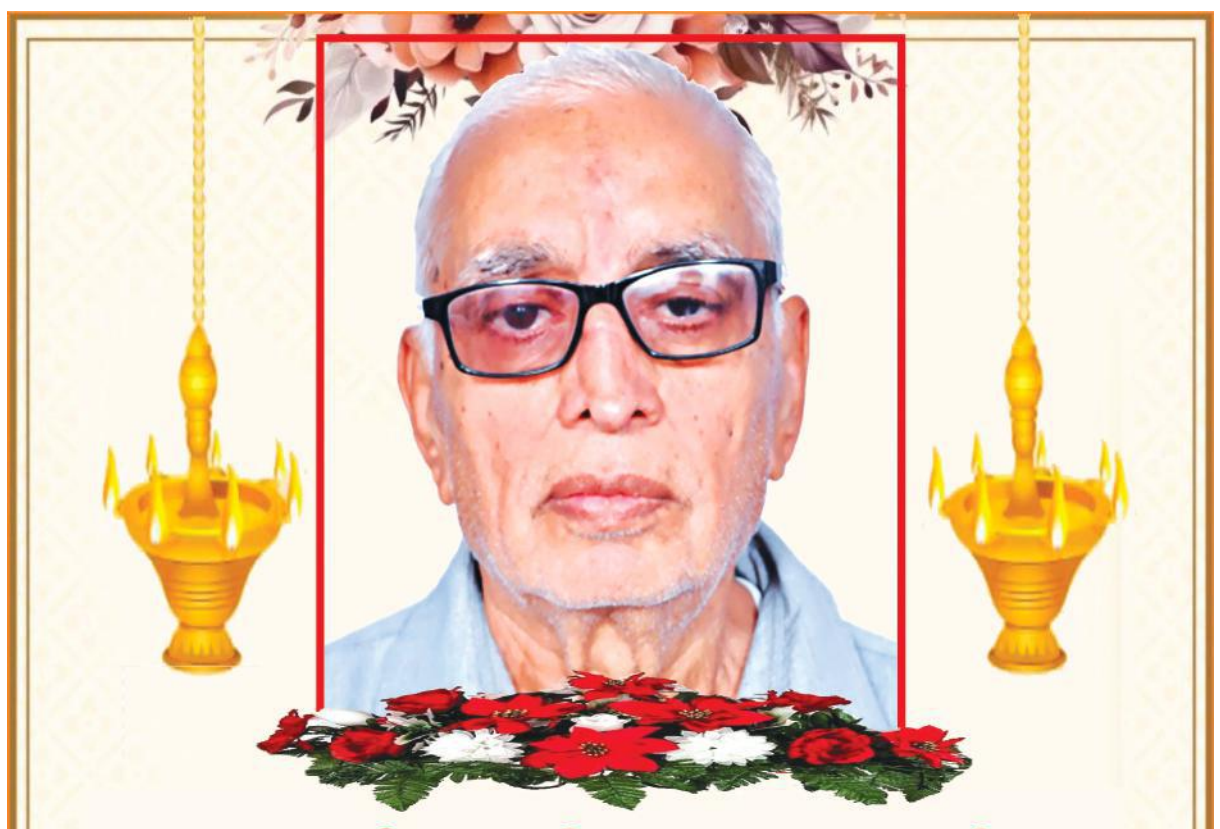

स्व0 श्री पुरुषोत्तम लाल अरोरा

बड़े दुःखी हृदय से सूचित किया जाता है कि मेरे पूजनीय पति स्व0 श्री पुरुषोत्तम लाल अरोरा जी का स्वर्गवास दिनांक 09 अगस्त 2025 दिन शनिवार को हो गया है

उनकी आत्मिक शांति हेतु

भोग एवं रस्म पगड़ी

18 अगस्त 2025 दिन सोमवार को दोपहर 12:00 बजे से 2:00 बजे तक

स्थान: दि ग्रैंड हेरिटेज, रुद्रपुर रोड- किच्छा में सम्पन्न होगी।

शोकाकुल परिवार

उमा अरोरा (पत्नी)

पूनम-विजय अरोरा (पुत्र व पुत्रवधू)

शालू-अजय अरोरा (पुत्र व पुत्रवधू)

रीना-मनीष निगम (पुत्री-दामाद)

समस्त अरोरा परिवार

विजय अरोरा

(अध्यक्ष)

देवभूमि व्यापार मण्डल, किच्छा

मो0 9897073021

9149385365

प्रतिष्ठान- अजय प्रोविजन स्टोर, मेन मार्केट, किच्छा

दि रे-सोलर पॉवर, ब्रिस्बेन (ऑस्ट्रेलिया)

हर्षिल में बनी झील का जलस्तर कम हुआ

उत्तरकाशी, अमृत विचार: धराली में आपदा के साथ आए मलबे और पत्थरों के कारण भागीरथी नदी का जलप्रवाह रुकने से हर्षिल में बनी अस्थायी झील से पानी की निकासी हो गई है जिससे उसका जलस्तर कम होने लगा है। रविवार को एक सरकारी बयान में कहा गया है कि बादल फटने के बाद धराली में बनी अस्थायी झील के बीच में रेत दिखने लगा है जिससे ज्ञात होता है कि अब झील का जल स्तर कम हो रहा है। हर्षिल में नदी में बनी 12-15 फीट गहरी अस्थायी झील प्रशासन के लिए करीब 10 दिन से एक चुनौती बनी हुई थी जिसे 'पंक्चर' करने में शनिवार को सफलता मिली। झील से धीरे-धीरे पानी की निकासी हो रही थी।

विस का मानसून सत्र 19 से 22 अगस्त तक

संवाददाता, चमोली

अमृत विचार: उत्तराखंड की ग्रीष्मकालीन राजधानी गैरसैंण स्थित भराड़ीसैंण विधानसभा में 19 से 22 अगस्त तक आयोजित होने वाले मानसून सत्र की सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं।

डीएम डॉ. संदीप तिवारी ने रविवार को विधानसभा परिसर एवं आसपास के क्षेत्रों का स्थलीय निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। कहा कि मानसून सत्र के सफल एवं सुचारू संचालन के लिए सभी विभागों को जिम्मेदारी सौंपने के साथ समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश दिए गए हैं। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर विशेष सतर्कता बरती गई है। विधानसभा परिसर एवं मार्गों पर जगह-जगह बैरिकेडिंग लगाई गई है। पुलिस बल के साथ-साथ पीएसी के जवान भी चप्पे-चप्पे पर तैनात किए जायेंगे। साथ ही, संवेदनशील स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं, ताकि सुरक्षा व्यवस्था और सुदृढ़ हो सके। यातायात व्यवस्था को देखते हुए सड़कों की मरम्मत के कार्य पूरे कर लिए गए हैं। आने-जाने वाले जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों के लिए पार्किंग और अन्य व्यवस्थाएं सुनिश्चित कर दी गई हैं। हेलीपैड को भी पूर्ण रूप से दुरुस्त कर लिया गया है।

आपदा प्रभावित गांव में पहुंचे डीएम

बागेश्वर: बागेश्वर के डीएम आशीष भटगाईं ने रविवार को आपदा प्रभावित हरबाड़ गांव पहुंचकर राहत एवं पुनर्वास कार्यों का जायजा लिया। उन्होंने आपदा प्रभावितों से बात कर राहत एवं पुनर्वास कार्यों में तेजी लाने हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। हरबाड़ में शुक्रवार रात भारी वर्षा व भूस्खलन के चलते सात मकान खतरे की जद में आ गए। भूस्खलन के चलते एक आटा चक्की और एक दुकान भी क्षतिग्रस्त हो गयी है। सुरक्षा की दृष्टि से पीड़ित परिवारों को प्राथमिक विद्यालय, आंगनबाड़ी एवं पंचायत घर में ठहराया गया है। जिलाधिकारी ने आश्वस्त किया कि जिला प्रशासन स्थिति पर पूरी तरह नजर रखे हैं।

बयानबाजी

भाजपा संगठन ने सराहा, कांग्रेस के पूर्व मुख्यमंत्री ने उठाए सवाल

अल्पसंख्यक शिक्षा विधेयक पर सियासत शुरू

मुख्य संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार: कैबिनेट ने अल्पसंख्यक शिक्षा विधेयक 2025 को मंजूरी दे दी है। इस विधेयक को गैरसैंण में मंगलवार से शुरू हो रहे राज्य विधानसभा के आगामी मानसून सत्र में पेश किया जाएगा। माना जा रहा है कि इस विधेयक के आने के बाद प्रदेश में लागू उत्तराखंड मदरसा शिक्षा बोर्ड अधिनियम, 2016 को निरस्त कर दिया जाएगा, जिसके बाद से इस विधेयक को लेकर राजनीति शुरू हो गई है।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और राज्यसभा सदस्य महेंद्र भट्ट ने धामी कैबिनेट द्वारा मंजूर उत्तराखंड अल्पसंख्यक शैक्षिक संस्थान विधेयक को विधानसभा के पटल पर लाने के निर्णय का स्वागत करते हुए कहा कि भाजपा का मूल मंत्र सबका साथ सबका विकास है इसलिए इस अधिनियम में सभी अल्पसंख्यक वर्गों को प्रतिनिधित्व दिया गया है। अभी तक अल्पसंख्यक शैक्षिक संस्थान का दर्जा केवल मुस्लिम समुदाय को मिलता था।

अब अन्य अल्पसंख्यक समुदायों सिख, जैन, ईसाई, बौद्ध एवं पारसी को भी यह सुविधा मिलेगी। कहा कि, इससे अब अन्य अल्पसंख्यक समुदाय को भी मान्यता से गुरुमुखी और पाली भाषा का अध्ययन आसान होगा। गुणवत्तापरक शिक्षा के लिए यह अधिनियम मील का पत्थर साबित होगा।

फैसले का स्वागत, खासकर मुस्लिम वर्ग को फायदा होगा

उत्तराखंड मदरसा बोर्ड के अध्यक्ष मुफ्ती शमून कासमी ने इस फैसले का स्वागत करते हुए कहा कि, इससे आने वाले समय में सभी समुदायों विशेषकर मुसलमानों को बहुत फायदा होगा। उन्हें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिलेगी। उन्होंने जोर देकर कहा कि इससे धार्मिक शिक्षा पर कोई असर नहीं पड़ेगा और वह जारी रखी जाएगी।

भाजपा को मदरसा जैसे उर्दू शब्दों से परहेज क्यों

इस विधेयक को कैबिनेट से मंजूरी मिलने पर पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने प्रतिक्रिया जताते हुए भाजपा से पूछा कि उन्हें 'मदरसा' जैसे उर्दू शब्दों से परहेज क्यों है? संवाददाताओं से वार्ता में रावत ने कहा कि भाजपाई 'कूप मंडूक' सोच के लोग हैं। मदरसा उर्दू का शब्द है और उर्दू गंगा-जमुनी संस्कृति की पैदाइश है। मदरसों का अपना इतिहास है जो देश के स्वतंत्रता संग्राम के साथ जुड़ा हुआ है। आपको उर्दू शब्द से क्यों परहेज है। एक सवाल पर रावत ने कहा कि, सरकार का मदरसों को समाप्त का इरादा है लेकिन ये ऐसा कर नहीं पाएंगे।

सिटी ब्रीफ

गोरापड़ाव से किशोरी लापता, तलाश शुरू

हल्द्वानी : कोतवाली क्षेत्र में रहने वाली एक किशोरी संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गई। मूलरूप से संदरपूर पीलीभीत निवासी पंचम लाल वर्मा ने बताया कि वह वर्तमान में परिवार के साथ धौलाखेड़ा गोरापड़ाव में किराए पर रहते हैं। पेशे से मजदूर पंचन ने बताया कि बीती 16 अगस्त को उनकी 13 वर्षीय बेटी संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गई। उन्होंने तलाश की काफी कोशिश की, लेकिन उसका कहीं पता नहीं चला। कोतवाल राजेश कुमार यादव ने बताया कि गुमशुदगी दर्ज कर किशोरी की तलाश शुरू कर दी गई है।

अलग-अलग सड़क हादसों में दो घायल

कालाढूंगी : अलग-अलग सड़क दुर्घटना में दो लोग घायल हो गए। कालाढूंगी नगर पालिका में वरिष्ठ सहायक मोहम्मद इस्लाम शनिवार रात को करीब 10 बजे बाइक से बाजपुर से कालाढूंगी घर आ रहे थे। नया गांव के पास पीछे से अज्ञात वाहन बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में मो. इस्लाम गंभीर रूप से घायल हो गए। प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें एसटीएच हल्द्वानी रेफर किया गया। नाजुक हालत देख उन्हें श्रीराम मूर्ति अस्पताल बरेली रेफर किया गया। दूसरी घटना में बाइक सवार कमलेश सिंह मेहता निवासी किमीखेत मुनस्यारी जिला पिथौरागढ़ हाल निवासी सितारगंज (उधम सिंह नगर) रामनगर से कालाढूंगी की ओर आ रहे थे। गैबुआ के पास उन्हें भी अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। कमलेश को हल्द्वानी के लिए रेफर किया गया। कमलेश रामनगर में एनसीसी में कार्यरत हैं। प्रभारी निरीक्षक विजय मेहता ने बताया कि पुलिस मामले की जांच कर रही है।

एमबीपीजी कॉलेज में आज से शुरू होगा शिक्षण कार्य

हल्द्वानी : एमबीपीजी कॉलेज में आज (सोमवार) से शिक्षण कार्य शुरू होगा। साथ ही प्रवेश प्रक्रिया भी जारी रहेगी। जिसके तहत पीजी और यूजी कक्षाओं में प्रवेश होंगे। पीजी की मेरिट सूची जारी होने के बाद कॉलेज में प्रवेश प्रक्रिया शुरू हो गई थी। लेकिन पिछले तीन दिन से सार्वजनिक अवकाश होने के कारण कॉलेज बंद होने से प्रवेश प्रक्रिया सुचारू नहीं हो पाई। आज कॉलेज खुलने पर प्रवेश प्रक्रिया जारी रहेगी। जिसमें पीजी और यूजी कक्षाओं में प्रवेशार्थियों के शैक्षणिक दस्तावेजों के सत्यापन के बाद प्रवेश दिया जाएगा। जिसके बाद प्रवेशार्थी समर्थ पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन प्रवेश शुल्क जमा कर सकेंगे। प्राचार्य डॉ. एनएस बनकोटी ने बताया कि आज से कॉलेज में शिक्षण कार्य शुरू होगा।

नैनीताल जिला पंचायत अध्यक्ष के मामले में हाईकोर्ट में आज सुनवाई

कांग्रेस और भाजपा कार्यकर्ताओं की भीड़ के मद्देनजर अलर्ट पर नैनीताल पुलिस

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: जिला पंचायत अध्यक्ष नैनीताल के निर्वाचन को लेकर आज हाईकोर्ट में अहम सुनवाई होगी। मुख्य न्यायाधीश जी. नरेंद्र की खंडपीठ में सोमवार दोपहर करीब 12 बजे सुनवाई होनी प्रस्तावित है।

गौरतलब है कि विगत 14 अगस्त को जिला पंचायत अध्यक्ष और उपाध्यक्ष पद के लिए मतदान को लेकर नैनीताल में सड़क से लेकर हाई कोर्ट तक हाई वोल्टेज ड्रामा चला था। कांग्रेस से जिला पंचायत अध्यक्ष पद की प्रत्याशी पुष्पा नेगी, नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य, हल्द्वानी विधायक सुमित हृदयेश सहित कांग्रेस नेता मतदान स्थल से कांग्रेस समर्थित जिला पंचायत के पांच सदस्यों का अपहरण करने का आरोप लगाते हुए हाईकोर्ट पहुंचे थे। हाईकोर्ट ने पुलिस-प्रशासन को अपहृत बताए गए सदस्यों को ढूंढकर मतदान कराने और उपस्थित सदस्यों को सुरक्षा मुहैया कराने के आदेश दिए थे। मुख्य न्यायाधीश की खंडपीठ ने अगली सुनवाई के लिए 18 अगस्त नियत की थी। वहीं, मतगणना प्रक्रिया भी आधी रात तक पूरी होने के बाद परिणाम रिजर्व रख दिया गया था, जिसे हाईकोर्ट के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा। इसके बाद ही आगे की तस्वीर साफ होगी।

सबसे हॉट सीट, सबकी निगाहें

जिला पंचायत अध्यक्ष नैनीताल की सीट इस समय उत्तराखंड में सबसे चर्चित और हॉट सीट बन गई है। भाजपा और कांग्रेस के सियासी वजूद के लिए भी यह सीट अहम बन गई है। नैनीताल के जिला पंचायत अध्यक्ष की कुर्सी पर कौन बैठेगा, भाजपा और कांग्रेस के लिए यह साख की बात बन गई है।

कांग्रेस नेता चुनाव में हार की डर से लगातार विवाद उत्पन्न कर रहे हैं। भाजपा नैनीताल जिला पंचायत सीट जीतने जा रही है। मुझे न्यायालय से पूरी उम्मीद है कि आज होने वाला फैसला मेरे पक्ष में आएगा। -**दीपा दरम्वाल,** भाजपा प्रत्याशी

हमें न्यायालय से न्याय अवश्य मिलेगा। सत्ताधारी भाजपा ने हमारा उत्पीड़न किया है। चुनाव से पूर्व और चुनाव के बाद भी विवाद उत्पन्न किया जा रहा है। चुनाव मैदान में उतरने के बाद से लगातार उनका और उनके पति का मानसिक उत्पीड़न किया जा रहा है। बेवजह उनकी वैध जमीनों को अवैध बताकर कार्रवाई की जा रही है। हाईकोर्ट में होने वाली सुनवाई से उन्हें काफी उम्मीद है। -**पुष्पा नेगी,** कांग्रेस प्रत्याशी

नैनीताल पुलिस अलर्ट, अब सतर्क

जिला पंचायत अध्यक्ष पद के लिए मतदान के दौरान हुई अराजकता और अपहरण की घटनाओं को लेकर खासी फजीहत करा चुकी नैनीताल पुलिस अब पूरी तरह से सतर्क है। कांग्रेस प्रत्याशी पुष्पा नेगी के पति लाखन सिंह नेगी ने न्याय न मिलने पर समर्थकों के साथ प्रदर्शन की चेतावनी दी है। इसको देखते हुए पुलिस ने नैनीताल शहर की सीमाओं पर विशेष निगरानी बढ़ा दी है और शहर में अतिरिक्त फोर्स तैनात की गई है। एसपी क्राइम डॉ. जगदीश चंद्र ने बताया कि हाईकोर्ट में आज होने वाली सुनवाई को देखते हुए नैनीताल में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं।

आज से शिक्षकों की चाकडाउन हड़ताल

हल्द्वानी: राजकीय शिक्षक संघ ने सरकार और विभाग की वादाखिलाफी के खिलाफ बड़ा कदम उठाते हुए आज (सोमवार) से चॉकडाउन हड़ताल शुरू करने का ऐलान किया है।

संगठन का कहना है कि एलटी से प्रवक्ता, प्रवक्ता से प्रधानाध्यापक सहित अन्य रिक्त पदों पर शत-प्रतिशत पदोन्नति, प्रधानाचार्य विभागीय भर्ती नियमावली की समाप्ति और 2025 के वार्षिक स्थानांतरण की मांगों को लेकर सरकार बार-बार आश्वासन दे रही है, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। संघ का कहना है कि पिछले 2-3 महीनों में शासन को पूरा समय दिया गया, लेकिन निराशाजनक रवैये के चलते अब शिक्षकों के पास हड़ताल के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा। संघ ने आंदोलन को पूरी तरह सफल बनाने के लिए सभी कार्यकारिणी सदस्यों, पूर्व पदाधिकारियों और शिक्षकों से एकजुट होकर संघर्ष में भाग लेने की अपील की है। संघ का कहना है कि आंदोलन की सफलता हमारी एकता, सकारात्मक सोच और अनुशासित संघर्ष पर निर्भर करती है। आंदोलन की सफलता पर जोर भी दिया गया।

कोसी में युवक को तलाशती एसडीआरफ की टीम। ● अमृत विचार

मछली पकड़ते समय नदी में बहा युवक, मौत

संवाददाता, रामनगर

अमृत विचार: रविवार को कोसी बैराज के पास स्थित लट्ठा महादेव देव क्षेत्र में मछली पकड़ते समय एक युवक नदी के तेज बहाव में बह गया। पुलिस, एसडीआरएफ और फायर सर्विस की टीम ने संयुक्त अभियान चलाकर कई घंटे की मशक्कत के बाद युवक का शव बरामद किया।

25 वर्षीय मदन कश्यप पुत्र भगवान दास कश्यप निवासी बम्बाघेर रामनगर रविवार को अपने कुछ साथियों के साथ कोसी बैराज के पास मछली पकड़ने गया था। इस दौरान अचानक उसका पैर फिसल गया और वह कोसी नदी के तेज बहाव में बह गया। उसके साथ मौजूद अन्य लोगों ने बचाने का प्रयास किया, लेकिन वे सफल नहीं हो पाए। परिवार और ग्रामीणों ने युवक की तलाश की, लेकिन जब कोई सुराग नहीं मिला, तो कोतवाली पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने तुरंत एसडीआरएफ और फायर सर्विस की टीम को मौके पर बुलाया। टीमों ने सर्च अभियान शुरू किया। पांच घंटे की मशक्कत के बाद शाम लगभग 5 बजे युवक का शव हनुमान धाम के पीछे कोसी नदी से बरामद हुआ। कोतवाली के एसएसआई मनोज नयाल ने बताया कि पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचायतनामा और पोस्टमार्टम की कार्रवाई शुरू कर दी है।

महिला से दुष्कर्म, इवेंट मैनेजर पर मुकदमा दर्ज

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

- पीड़िता को दिया था शादी का झांसा, पुलिस ने नहीं की कार्रवाई
- कोर्ट के आदेश पर मुकदमा दर्ज, कोतवाली पुलिस ने जांच शुरू की

अमृत विचार: शादी का झांसा देकर एक महिला से दुष्कर्म किया गया। आरोपी इवेंट मैनेजर है और शादीशुदा है। पहले शादी का वादा और फिर दुष्कर्म करने के बाद वह शादी की बात से मुकर गया।

पीड़िता फरियाद लेकर पुलिस के पास पहुंची, लेकिन पुलिस ने भी कार्रवाई नहीं की। मजबूरन महिला को कोर्ट की शरण लेनी पड़ी और अब पुलिस को मुकदमा दर्ज करना पड़ा।

पुलिस के अनुसार, दुष्कर्म का आरोप लगाने वाली पीड़िता मुखानी थाना क्षेत्र की रहने वाली 40 वर्षीय महिला है। नामजद आरोपी रितेश जोशी कोतवाली क्षेत्र के आवास विकास में किराए के मकान में रहता है। आरोप है कि यह महिला किसी तरह रितेश के संपर्क में आई।

रितेश ने उसे अपने जाल में फंसाया और उससे शादी का वादा किया। रितेश उसे बहाने से अपने किराए के मकान में ले गया, जहां उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए। महिला का आरोप है कि इसके बाद आरोपी ने शादी से इंकार कर दिया। मजबूरी में उसे कोतवाली पुलिस के पास जाना पड़ा।

पुलिस ने तहरीर तो ले ली, लेकिन कार्रवाई नहीं की। बाद में महिला कोर्ट की शरण में पहुंची। कोर्ट ने कोतवाली पुलिस को मामले में मुकदमा दर्ज कर जांच के आदेश दिए। कोतवाल राजेश कुमार यादव ने इस संबंध में बताया कि आरोपी पर दुष्कर्म की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

ऐसी अराजकता प्रदेश की राजनीति में पहले नहीं देखी

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: नैनीताल जिला पंचायत अध्यक्ष चुनाव के दौरान हुए बवाल के बाद राज्य की राजनीति काफी गरमाई हुई है। पक्ष-विपक्ष एक दूसरे के ऊपर आरोप लगा रहे हैं। नेता प्रतिपक्ष ने बयान जारी करके घटना की घोर निंदा की है।

जारी बयान में कहा कि पिछले दिनों नैनीताल के जिला पंचायत चुनाव के दौरान जो कुछ घटा है ऐसी अराजकता राज्य की राजनीति में पहले कभी किसी ने नहीं देखी। दिनदहाड़े पुलिस की नजरों के सामने खुलेआम जिला पंचायत सदस्यों का अपहरण हो गया। इससे मैं अत्यंत आहत हूं। निश्चित रूप से यह हमारी पहचान, हमारी संस्कृति और संस्कारों पर किया गया एक अभूतपूर्व आघात है। यह न्याय के देवता गोल्ज्यू की भूमि है, जो हर आंसू, हर याचना का प्रतिकार करते हैं। अन्याय से जन्मे हर घाव पर मरहम लगाते हैं। मुझे विश्वास

है गोल्ज्यू जरूर न्याय करेंगे। उनके प्रतिनिधि के रूप में नैनीताल स्थित उच्च न्यायालय के न्यायाधीश, इस प्रकरण को अनदेखा नहीं करेंगे। कहा कि हमारे मुख्यमंत्री स्वयं चम्पावत से हैं, जो गोल्ज्यू की जन्म और कर्म भूमि रही है।

पूर्व जिला पंचायत उपाध्यक्ष कांग्रेस से निष्कासित : प्रदेश कांग्रेस अनुशासन समिति के सदस्य सचिव धनीलाल शाह ने नैनीताल जिले के पूर्व जिला पंचायत उपाध्यक्ष तारा सिंह नेगी को पार्टी से निष्कासित कर दिया है। उन्होंने जारी पत्र में कहा कि पंचायत चुनाव के दौरान उन्होंने पार्टी विरोधी गतिविधियों में हिस्सा लिया है। इसलिए वह पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से छह साल के लिए निष्कासित कर दिए गए हैं।

लोकतंत्र में काला अध्याय है नैनीताल अपहरण कांड

हल्द्वानी : कांग्रेस के वरिष्ठ नेता हरीश पनेरू ने कहा कि 14 जुलाई को पंचायत जिला अध्यक्ष चुनाव के दिन नवनिर्वाचित पांच जिला पंचायत सदस्यों को अपहरण करके वोट से वंचित करना घोर निंदनीय है। कहा कि लोकतंत्र प्रहरियों का मूकदर्शक बने रहने से देवभूमि उत्तराखंड कलंकित हुई है। नैनीताल जनपद में रहने वाले लोग शर्मसार हुए हैं। उच्च न्यायालय के आदेश से जहां चुनाव परिणाम में रोक लगी है वहीं सत्ताधारी लोग ऐसे कुकृत्य करने के बाद भी अपनी जीत का जश्न मना रहे हैं। कहा कि अपहरण किए हुए जिला पंचायत सदस्यों में से चार सदस्य विधानसभा भीमताल के हैं लेकिन दुर्भाग्य है भीमताल के विधायक ने इन सदस्यों के लिए एक शब्द इतने दिनों में नहीं बोला है।

इन्फ्लुएंसर बना रहे रील

हल्द्वानी : सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर 14 अगस्त को जिला पंचायत सदस्यों के कथित अपहरण कांड पर जमकर वीडियो बना रहे हैं। जिसमें काफी व्यूज, लाइक व शेयर मिल रहे हैं। एक वीडियो जो एआई से बनाया गया है वह भी काफी वायरल हो रहा है। लोग इस प्रकरण को राजनीति के लिए अच्छा नहीं बता रहे हैं।

फेसबुक वार : कैड़ा ने उठाए सवाल, नेगी ने किया तीखा पलटवार

हल्द्वानी : सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक पर भीमताल विधायक राम सिंह कैड़ा और कांग्रेस की जिला पंचायत अध्यक्ष उम्मीदवार पुषा नेगी के पति लाखन सिंह नेगी आमने-सामने आ गए हैं। दोनों नेताओं ने एक-दूसरे के खिलाफ जमकर आरोप-प्रत्यारोप लगाए, जिससे समर्थकों के बीच भी गर्मागर्मी का माहौल बन गया। जानकारी के अनुसार, विधायक राम सिंह कैड़ा ने अपने फेसबुक पेज पर एक पोस्ट डाली, जिसमें उन्होंने लाखन सिंह नेगी के कामकाज और राजनीतिक शैली पर सवाल खड़े किए। विधायक कैड़ा ने 14 अगस्त के बाद पहली बार इस मामले पर अपनी चुप्पी तोड़ी है। इसके तुरंत बाद लाखन नेगी ने भी फेसबुक लाइव के जरिए पलटवार करते हुए कैड़ा पर तीखे हमले बोले। दोनों नेताओं के बीच हुई इस फेसबुक वार को लेकर लोगों में खूब चर्चा रही। सोशल मीडिया पर बड़ी संख्या में यूजर्स ने प्रतिक्रियाएं दीं। समर्थकों ने अपने-अपने नेताओं का बचाव करते हुए तीखी टिप्पणियां भी की। स्थानीय राजनीतिक हलकों में इसे साल 2027 के चुनावी मुकाबले की शुरुआती जंग के रूप में देखा जा रहा है। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि सार्वजनिक मंच पर इस तरह की बयानबाजी से पार्टी की छवि पर असर पड़ सकता है, जबकि दूसरी ओर जनता अब नेताओं की ऑनलाइन जंग को लेकर अधिक सक्रिय और उत्सुक दिखाई दे रही है।

पौधरोपण के दौरान मौजूद संत निरंकारी मिशन के सेवादार। ● अमृत विचार

सेवादारों ने रोपित किए तीन सौ पौधे

रामनगर: संत निरकारी मिशन की हरित चेतना और पर्यावरण संरक्षण कार्यक्रम के तहत सेवादारों ने ब्रांच मुखी वृक्षा राम के निर्देशन में पौधरोपण किया। अभियान के तहत कोसी नदी के किनारे शीशम, इमली, कचनार, जकरेंडा, कनेर, बहेड़ा, नीम, आंवला, अमरुद, जामुन, बांस, गूलर व अमलतास के तीन सौ से अधिक पौधों का रोपण किया। इस दौरान वृक्षाराम ने कहा कि पौध लगाना बड़ा काम नहीं है। उससे बड़ा काम इनका संरक्षण करना है। सभी को इनके संरक्षण की दिशा में गंभीरता से मनन करने की जरूरत है। मुख्य अतिथि इंद्रलाल डिप्टी रेंजर वन प्रभाग रामनगर ने वन संरक्षण के प्रति संकल्प भी दोहराया। इस दौरान प्रमोद कुमार, विनोद कुमार , सौरभ कुमार, संतोष कुमार, पवन कुमार, शोभा, तनुजा, पदमा बिष्ट आदि मौजूद रहे।

वाहन से टकराया ई-रिक्शा, युवक की मौत

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

- ई-रिक्शा से पंतनगर से लालकुआं जा रहा था फेरी लगाने
- घटना को अंजाम देने वाले वाहन की तलाश में जुटी पुलिस

अमृत विचार : ई-रिक्शा से फेरी लगाने निकला युवक हादसे का शिकार हो गया। ई-रिक्शा एक तेज रफ्तार वाहन की चपेट में आ गया। हादसे में ई-रिक्शा सवार फेरी वाले की मौत हो गई। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया है।

पुलिस के मुताबिक, जवाहरनगर नगला पंतनगर निवासी सुकुम सिंह (20 वर्ष) पुत्र शंकर सिंह फेरी लगाकर जीवन यापन करता था। अकसर वह अपने चाचा के साथ फेरी पर निकलता था। बताया जाता है कि शनिवार को ई-रिक्शा में सवार होकर फेरी लगाने निकला था। वह लालकुआं की ओर जा रहा था। तभी सुभाषनगर के पास ई-रिक्शा तेज रफ्तार अज्ञात वाहन की चपेट में आ गया। वाहन चालक घटना के बाद मौके से फरार होने में कामयाब रहा।

हादसे में सुकुम गंभीर रूप से घायल हो गया। आनन-फानन में उसे नजदीकी अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया। पुलिस का कहना है कि घटना स्थल पर लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं, ताकि घटना के कारण सामने आ सकें।

हादसे में ट्रक के क्लीनर की मौत, दो हुए घायल

संवाददाता, लालकुआं

अमृत विचार: खराब हालत में खड़े 16 टायरा ट्रक से भिड़ंत के बाद मधुसूदन दुग्ध वाहन पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे में क्लीनर की मौत हो गई, जबकि गंभीर रूप से घायल वाहन चालक एवं अन्य व्यक्ति को गंभीर हालत में एसटीएच में भर्ती कराया गया।

शनिवार देर रात्रि करीब डेढ़ बजे पुराने सुभाष नगर पुलिस चेक पोस्ट (शैतान चौकी) के समीप नगला की ओर से आए मधुसूदन दुग्ध वाहन एक बाइक सवार को बचाने के चक्कर में सड़क में खराब हालत में खड़े 16 टायरा ट्रक से भिड़ गया। वाहन में सवार ड्राइवर राजू कश्यप पुत्र रामकुमार निवासी किला छावनी बरेली उत्तर प्रदेश उम्र 45 वर्ष, क्लीनर राहुल मौर्य पुत्र नन्हेलाल मौर्य निवासी किला छावनी बरेली उत्तर प्रदेश उम्र 23 वर्ष व अनीश निवासी बहेड़ी जिला बरेली अंदर ही फंस गए। प्रत्यक्षदर्शियों एवं पुलिस कर्मियों ने ड्राइवर एवं उसके साथी को बाहर निकालकर उन्हें अस्पताल पहुंचाया। क्लीनर राहुल की वाहन में फंसने के दौरान ही मृत्यु हो गई।

सदमे में आई महिला ने फांसी लगाकर जान दी

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : हंसता-खेलता परिवार था, लेकिन एक साल पहले अचानक बिखर गया। एक महिला के पति और बेटे की मौत हो गई। दो-दो मौतों से उसे सदमा लग गया और वह उबर नहीं पाई। शुक्रवार रात महिला ने फांसी लगाकर जान दे दी। सुबह बेटी ने मां का शव फंदे से लटका देखा तो उसकी चीख निकल गई।

वार्ड-2 गांधीनगर लालकुआं निवासी सुधा (42 वर्ष) पत्नी स्व. राजीव यहां अपनी बेटी के साथ रहती थी। शुक्रवार रात वह रोज की तरह सो गईं। बेटी भी घर में ही सोई थी, लेकिन अगली सुबह बेटी सो कर उठी तो वह चीख पड़ी। सामने मां का शव फंदे से लटक रहा था। घटना की सूचना पुलिस को दी और आनन-फानन में महिला को फंदे से उतार कर एसटीएच पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया। सुधा के परिजनों के मुताबिक, एक साल पहले सुधा के पति व बेटे की मौत हो गई थी। जिसके बाद से वह परेशान रहने लगीं। आशंका जताई जा रही है कि इसी वजह से उन्होंने जान दी। हालांकि पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है। दूसरी ओर परिवार में अकेली बची बेटी के सामने अकेला जीना चुनौती बन गई है।

आंदोलन | हत्याकांड के 19 दिन बाद भी हाथ नहीं लगे हत्यारोपी, धरना-प्रदर्शन जारी

ज्योति हत्याकांड : खुलेआम घूम रहे हत्यारे, आक्रोश बरकरार

- लोग बोले, एसएसपी को पद पर बने रहने का अधिकार नहीं

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

बुद्धपार्क में धरने के दौरान नारेबाजी करते लोग। ● अमृत विचार

अमृत विचार: ज्योति हत्याकांड को लेकर जनता का गुस्सा थमने का नाम नहीं ले रहा है। घटना के 19 दिन बीत जाने के बाद भी मुख्य आरोपी पुलिस की गिरफ्त से बाहर हैं और इसी वजह से बुद्धपार्क में लगातार धरना-प्रदर्शन जारी है। हालांकि पुलिस ने लोगों से सोमवार तक का समय मांगा है।

धरना स्थल पर मौजूद लोगों ने कहा, जिस तरह से पुलिस इस पूरे मामले को दबाने की कोशिश कर रही है, उससे साफ हो गया कि कहीं न कहीं कोई वीआईपी चेहरा अपराधियों को संरक्षण दे रहा है। आशंका जताई कि यह मामला अंकिता भंडारी हत्याकांड जैसा दूसरा रूप ले रहा है।

उन्होंने कहा कि यदि जिले के कप्तान अपराध रोकने में अक्षम हैं, तो उन्हें पद पर बने रहने का कोई अधिकार नहीं। घटना को 19 दिन हो चुके हैं और हत्यारे खुलेआम घूम रहे हैं। यह आंदोलन अब केवल न्याय की मांग नहीं, बल्कि सामाजिक जागृति का प्रतीक बन चुका है। जब तक आरोपी गिरफ्त में नहीं आते, आंदोलन किसी भी कीमत पर रोका नहीं जाएगा। इस दौरान गौलापार में हुए हत्याकांड का मुद्दा भी उठाया गया।

धरना में पहाड़ी आर्मी के नगर अध्यक्ष फौजी भुवन पांडे, जिला महामंत्री फौजी राजेंद्र कांडपाल, फौजी कमलेश जेठी, राजेंद्र कांडपाल, कविता जीना, हेमा कबड़वाल, आयेंद्र शर्मा, विनोद नेगी, दीप चंद पांडे, कमल पंत, तारादत्त पांडे, सूरज कुमार, बलवत सिंह, धरम राम, कमलेश सिंह, नानक चंद, रवींद्र, दीपक आदि थे।

रानीबाग से काठगोदाम तक लगा जाम

- बारिश की वजह से नैनीताल रोड पर हुए गड्ढे बने समस्या
- आधा घंटे तक जाम में फंसे रहे पर्यटक और शहरवासी

कार्यालय संवावदाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : पहले बारिश की वजह से यातायात की रफ्तार मंद हुई और अब बारिश की वजह से सड़क हुए गड्ढों ने रफ्तार पर लगाम लगा दी। गड्ढे और रविवार या बढ़े यातायात के बोझ की वजह से नैनीताल रोड पर जाम लगा गया। जिसके चलते भारी वाहनों को गौलापार रोड पर रोकना पड़ा। चार पहिया वाहनों में सवार लोगों को आधे घंटे से अधिक समय तक जाम में फंसे रहना पड़ा।

बता दें कि पिछले कुछ दिनों से पहाड़ से लेकर मैदान तक झमाझम

गौलापार में काठगोदाम थाने के पास लगा जाम। ● अमृत विचार

बारिश हुई। इस बारिश की वजह से सड़कों पर जगह-जगह गड्ढे हो गए। रविवार को जब पर्यटक अपने गंतव्य की ओर लौटे तो सड़क पर वाहनों का बोझ बढ़ने लगा। इस पर सड़क पर हुए गड्ढों ने रफ्तार पर ब्रेक लगा दिया। एक के बाद एक वाहनों की घटती रफ्तार से नैनीताल रोड जाम होने लगा। मजबूरन पुलिस को गौलापार से पहाड़ी मार्गों की ओर जाने वाले वाहनों को रोकना पड़ा। बड़े वाहन एक ही जगह फंसे रहे। जबकि छोटे चार पहिया वाहनों को भी इससे दो चार होना। काठगोदाम थानाध्यक्ष पंकज जोशी ने बताया कि सड़क के गड्ढों की वजह से यातायात की रफ्तार धीमी रही।

अमृत विचार

हल्द्वानी , सोमवार, 18 अगस्त 2025

नैनीताल

भूस्खलन की चपेट में मोटर मार्ग व भटेलिया तोक

छोटा कैलाश मोटर मार्ग व भटेलिया में आई दरार, सुरक्षा की दृष्टि से दो परिवार अन्यत्र शिफ्ट किए, कई आवासों को भी खतरा

संवाददाता, भीमताल

अमृत विचार: विकासखंड भीमताल के अंतर्गत छोटा कैलाश मोटर मार्ग और ग्राम सभा पिनरौ के तोक भटेलिया में कई मीटर लंबी दरारें आने से मोटर मार्ग और भाटेलिया गांव को खतरा उत्पन्न हो गया है। छोटा कैलाश में इन दिनों सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। अब मोटर मार्ग में दरारें आने के कारण श्रद्धालुओं को करीब 14 किमी पैदल चलना पड़ रहा है।

स्थानीय जनता ने बताया कि करीब 1 किलोमीटर क्षेत्र बुरी तरह से प्रभावित हो गया है। मालूम हो कि यह मार्ग प्रांतीय खंड लोक निर्माण विभाग नैनीताल के अंतर्गत है। वहीं, पिंनरौ ग्राम सभा के अंतर्गत भटेलिया तोक में भी कई मीटर लंबी और कई फुट चौड़ी दरारें आने से खतरा बन गया है। ज्येष्ठ ब्लॉक प्रमुख उमेश पलडिया और ग्राम प्रधान लीला पलडिया ने प्रभावित क्षेत्र का निरीक्षण किया। दोनों जनप्रतिनिधियों ने बताया कि नारायण दत्त पुत्र त्रिलोचन और भैरव दत्त पुत्र त्रिलोचन के परिवारों को सुरक्षा की दृष्टि से ग्राम सभा में दूसरी जगह स्थापित किया गया है। बाला दत्त पुत्र तारा दत्त, पूरन चंद्र पुत्र आनंद दत्त, सुरेश चंद्र पुत्र गौरी दत्त और रमेश चंद्र पुत्र जय दत्त के आवासों पर भी खतरा मंडरा रहा है। जनप्रतिनिधियों ने डीएम से ग्राम सभा में ही मौजूद सरकारी जमीन पर इन लोगों को विस्थापित करने की मांग की है।

छोटा कैलाश मार्ग में आई दरार। ● अमृत विचार

भटेलिया तोक में आई दरार।

राप्रावि चांफी की सुरक्षा दीवार ढही

भीमताल : ग्राम सभा चांफी के एकमात्र राजकीय प्राथमिक विद्यालय की सुरक्षा दीवार ढहने के कारण विद्यालय भवन को भी क्षति होने की पूर्ण संभावना है। विद्यालय के प्रधानाध्यापक हेम भट्ट ने बताया कि 15 अगस्त की प्रात: विद्यालय पहुंचने पर देखा गया कि विद्यालय की सुरक्षा दीवार पूर्णत: क्षतिग्रस्त हो गई है। अब विद्यालय भवन को खतरा बना हुआ है। आपदा प्रबंधन के तहत विद्यालय की सुरक्षा दीवार यदि शीघ्र नहीं बनी तो छात्र-छात्राओं के पठन-पाठन पर भी इसका गहरा असर पड़ेगा।

आधे शहर में हुई बारिश

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : शहर में बारिश से कुछ राहत रही। आधे हल्द्वानी में बारिश हुई तो बाकी में सूखा रहा। राहत की बात है कि शाम के समय पूरे शहर में धूप निकल आई।

हल्द्वानी में सुबह से ही बादल छाए थे। दोपहर के समय आईटीआई, डहरिया, देवलचौड़, पंचायतघर, मंगलपड़ाव, तीनपानी आदि इलाकों में करीब डेढ़ घंटा तक बारिश होती रही। इन इलाकों में बारिश की वजह से मौसम पूरी तरह से सुहावना हो गया। बाकी शहर जैसे काठगोदाम, बमौरी, सुभाषनगर, पॉलीशीट में बारिश नहीं हुई। शाम के समय धूप निकली। अधिकतम तापमान 34.6 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 26.6 डिग्री सेल्सियस रहा। मौसम विज्ञान केंद्र देहरादून के अनुसार नैनीताल जिले में बारिश का दौर अगले चार दिनों तक जारी रहेगा। अगस्त में मानसून ने बहुत मजबूती पकड़ी है। इसका असर अभी बरकरार रहेगा। 21 अगस्त तक पूरे राज्य में कहीं भी बारिश से राहत नहीं है।

हरीशताल मार्ग पर आपदा बरकरार

हल्द्वानी : नैनीताल जिले में भारी बारिश, मलबा आने और भूस्लखन की वजह से मोटर मार्ग बंद हैं। इनमें हरीशताल मोटर मार्ग भी शामिल है। यह मोटर मार्ग पिछली बारिश में भी लंबे समय के लिए बंद हो गया था। जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के अनुसार भौर्सा-पिनरो मोटर मार्ग, बीचखाली-पाथरी मोटर मार्ग, अमजड़-भिडार मोटर मार्ग, पदमपुरी-सुवाकोट मोटर मार्ग, चमड़िया-लोहाली मार्ग बंद हैं। इनके अलावा हरीशताल मोटर मार्ग भी बंद हैं। यह 14 अगस्त से बंद है और इसे शीघ्र ही खोले जाने की उम्मीद है। उल्लेखनीय है कि यह मार्ग पिछली बारिश के समय में भी लंबे समय के लिए बंद रहा था। मार्ग के बंद होने की वजह से ग्रामीण बार-बार परेशान हो रहे हैं।

पंचायत प्रतिनिधियों का स्वागत, संकल्प दोहराया

अमृतपुर में स्वागत कार्यक्रम के दौरान मौजूद नवनिर्वाचित पंचायत प्रतिनिधि।

संवाददाता, भीमताल

अमृत विचार : विकासखंड भीमताल के अमृतपुर से बानना तक स्थानीय लोगों ने नवनिर्वाचित पंचायत प्रतिनिधियों का ढोल-नगाड़ों के साथ स्वागत किया। इस दौरान नवनिर्वाचित सदस्यों ने क्षेत्र के विकास के लिए किए गए संकल्प को दोहराया।

नवनिर्वाचित प्रतिनिधियों ने कहा कि क्षेत्र के विकास के लिए हरसंभव कार्य किए जाएंगे। उन्होंने ग्रामीणों को समस्याओं के समाधान का भरोसा दिलाया। इस मौके पर क्षेत्र के कारोबारी रणवीर मेहरा, क्षेत्र पंचायत सदस्य पिनरौ उमेश पलडिया, प्रधान अमृतपुर प्रेमा शर्मा, डेहरा प्रधान मनोज चनौतिया, पूर्व प्रधान डीके शर्मा, पूर्व प्रधान सतीश शर्मा, बीडीसी मेंबर अमिया डहरा हरीश पलडिया, भौंर्सा पस्तोला बीडीसी सावित्री शर्मा, बानना बीडीसी संतोष शर्मा, प्रधान बानना दीपा पलडिया, प्रधान पस्तोला खष्टी राघव, प्रधान पिनरौ लीला पलडिया, पूर्व प्रधान पिनरौ शांति पलडिया, दर्जा राज्य मंत्री केदार पलडिया, खीमा शर्मा व सचिन साह आदि मौजूद थे।

कुमाऊनी भोजन सिर्फ स्वाद नहीं बल्कि स्वास्थ्य का खजाना: सेठी

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: मशहूर सेलेब्रिटी शेफ राकेश सेठी का कहना है कि कुमाऊनी भोजन सिर्फ खाना नहीं, बल्कि बेहतर स्वास्थ्य का खजाना है। उन्होंने कहा कि कुमाऊं की जलवायु और यहां के खाद्य पदार्थ स्वास्थ्य की दृष्टि से अद्वितीय हैं। जिनका नियमित सेवन कई बीमारियों से दूर रखता है।

रविवार को रेडिसन ग्रुप के होटल नमः नैनीताल में आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने यह विचार साझा किए। इस दौरान उन्होंने बताया कि वह वर्तमान में रेडिसन होटल ग्रुप साउथ एशिया के कॉर्पोरेट एग्जीक्यूटिव शेफ के पद पर कार्यरत हैं और इन दिनों कुमाऊनी व्यंजनों के प्रमोशन में जुटे हुए हैं। शेफ सेठी ने अपनी थ्योरी फ्रेश, लोकल, ऑर्गेनिक, सीजनल और सस्टेनेबल की चर्चा करते हुए कहा कि भोजन सिर्फ स्वादिष्ट ही नहीं, बल्कि स्वास्थ्यवर्धक भी होना चाहिए। इसी अवधारणा को ध्यान में रखते हुए रेडिसन होटल ग्रुप ने अपने मेन्यू में बदलाव किए हैं, जोकि देश-विदेश से आने वाले मेहमानों को काफी पसंद आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि फाइव स्टार होटलों में दुनिया भर के व्यंजन तो मिलते हैं, लेकिन अब वक्त है कि भारतीय होटलों में स्थानीय भोजन को प्राथमिकता दी जाए। इसी कड़ी में नमः नैनीताल ने कुमाऊनी थाली परोसनी शुरू की है।

एक होटल में आयोजित कार्यक्रम में मौजूद शेफ राकेश सेठी व अन्य।

महिला एकता मंच का मालधन बंद आज

रामनग र, अमृत विचार: नशा नहीं इलाज दो की मांग को लेकर महिला एकता मंच सोमवार को मालधन बंद के निर्णय पर अडिग है। महिलाओं ने रविवार को व्यापक जनसंपर्क भी किया।

मालधन के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से फिजिशियन प्रशांत कौशिक व प्रसूति रोग विशेषज्ञ डॉ. अर्चना कौशिक के ट्रांसफर रद्द करने, अस्पताल में मानकों के अनुरूप चिकित्सकों की मांग समेत अन्य मांगों को लेकर आज होने वाले बंद की सफलता के लिए जनसंपर्क किया गया। महिलाओं ने सुबह दस 10 बजे मालधन चौड़ नंबर 2 पुलिस चौकी के पास से जुलूस निकालने का भी ऐलान किया गया है। भगवती आर्य, विनीता टम्टा, देवी आर्य, ममता, सोनी, कौशल्या, सरला, सरिता, रंजनी, सरस्वती जोशी व ममता आर्य मौजूद रहीं।

सरकारी योजनाओं को धरातल पर उतारना पंचायतों का काम : भगत

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : विधायक बंशीधर भगत ने कालाढूंगी विधानसभा को भाजपा का मजबूत किला बताते हुए कार्यकर्ताओं का हौसला बढ़ाया है।

रविवार को अपने आवास पर आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने हल्द्वानी ब्लॉक प्रमुख मंजू गौड़, कोटाबाग ब्लॉक प्रमुख मनीषा जंतवाल और भीमताल ब्लॉक प्रमुख डॉ. हरीश बिष्ट समेत ग्राम प्रधान, क्षेत्र पंचायत सदस्य के पद पर विजयी हुए जनप्रतिनिधियों का स्वागत और अभिनंदन किया।

विधायक भगत ने प्रत्याशियों की जीत को कार्यकर्ताओं की मेहनत और जनता के विश्वास का परिणाम बताया। उन्होंने कहा कि कालाढूंगी विधानसभा क्षेत्र भाजपा का मजबूत किला है। हल्द्वानी और कोटाबाग में ब्लॉक प्रमुख पदों पर मिली जीत इस बात का प्रमाण है कि जनता का भरोसा भाजपा के साथ है।

विधायक ने कहा कि, राज्य सरकार की योजनाओं को धरातल पर अमलीजामा पहनाना पंचायत की सरकारों का काम है। इस अवसर पर पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष बेला तोलिया ने कहा कि कालाढूंगी विधानसभा विधायक भगत के नेतृत्व में भाजपा का एक अभेद्य किला है। इस अवसर पर सुमित्रा प्रसाद, ज्येष्ठ प्रमुख वीरेंद्र सिंह मेहरा, विकास भगत, कंचन आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

ब्लॉक प्रमुखों के स्वागत के दौरान मौजूद विधायक बंशीधर भगत व निर्वाचित प्रतिनिधि।

86 परिवारों को दिए सहायता राशि के चेक

रामनगर, अमृत विचार: विधायक दीवान सिंह बिष्ट ने मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से स्वीकृत 86 पात्र परिवारों को पुत्रियों के विवाह एवं उपचारार्थ 12.70 लाख की सहायता राशि के चेक राजस्व उपनिरीक्षकों की उपस्थिति में वितरित किए।

विधायक बिष्ट ने कहा कि प्राप्त धनराशि प्राप्त धन राशि का उपयोग सही रूप से करें। उन्होंने कहा कि पात्र परिवारों को सरकार की जनकल्याकारी योजनाओं का लाभ प्रदान करने के लिए दृढ़ संकल्पित है। इस दौरान पीरूमदारा मंडल अध्यक्ष बलदेव रावत, नगर मंडल अध्यक्ष भूपेंद्र खाती, ग्रामीण मंडल अध्यक्ष घनश्याम शर्मा, मालधन मंडल अध्यक्ष प्रेम कुमार, किशोरी लाल, ग्राम प्रधान इंदर लाल, क्षेत्र पंचायत प्रतिनिधि पृथ्वी रावत, धनेशवरी आदि मौजूद रहे।

गोधाम से निकाली गई शोभायात्रा में शामिल श्रद्धालु। ● अमृत विचार

गोधाम से निकाली गई शोभायात्रा, उमड़ा सैलाब

हल्दूचौड़, अमृत विचार : गोधाम हल्दूचौड़ से निकला श्रद्धा का सैलाब अद्भुत नजारा प्रस्तुत कर रहा था। हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं का सैलाब हरे कृष्ण महामंत्र की गूंज के साथ श्रद्धा और उल्लास से सराबोर होते हुए जब भव्य शोभायात्रा का हिस्सा बना तो माहौल भक्ति रस से गुंजायमान हो गया। महिला श्रद्धालुओं के द्वारा धारण किया गया तुलसी दल से सुसज्जित मंगल कलश शोभायात्रा की अनुपम छठा बिखेर रहा था। सुंदर झांकियां में कृष्ण भक्ति से गूंजते गीतों की प्रस्तुति ने सभी का मनमोह लिया।

बंदरों से बचने को दौड़ी महिला घायल

गरमपानी, अमृत विचार : बंदरों के हमले से बचने को दौड़ी महिला सीढ़ियों से अंसतुलित होकर गिरने से गंभीर रूप से घायल हो गई। गरमपानी खैरना बाजार क्षेत्र में बंदरों का आतंक लगातार बढ़ता ही जा रहा है।

गरमपानी निवासी कमला त्रिपाठी घर की छत पर किसी कार्य के लिए पहुंची, तभी छत पर पहले से मौजूद बंदरों के झुंड ने कमला पर हमला कर दिया। बंदरों से बचने को वापस दौड़ी, तभी वह असंतुलित होकर सीढ़ियों में गिर गई। घायल को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गरमपानी ले जाया गया। जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार कर महिला को हायर सेंटर हल्द्वानी रेफर कर दिया। महिला के सिर पर गंभीर चोट लगी है। स्थानीय लोगों ने क्षेत्र में लगातार बढ़ रहे बंदरों के आतंक पर चिंता जताई है।

सांसद अजय भट्ट को ज्ञापन देते नागरिक। ● अमृत विचार

शंटिंग प्वाइंट में बदलाव को सांसद को दिया ज्ञापन

लालकुआं, अमृत विचार : गौला रोड़ स्थित रेलवे फाटक के अक्सर बंद रहने से आहत नगरवासियों ने लालकुआं रेलवे स्टेशन का शंटिंग प्वाइंट इंडियन ऑयल हल्दूचौड़ की ओर किए जाने के संदर्भ में सांसद अजय भट्ट को ज्ञापन दिया। भाजपा मंडल अध्यक्ष अरुण जोशी के नेतृत्व में शिष्टमंडल ने सांसद अजय भट्ट से उनके कार्यालय पर मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा। कहा कि रेलवे प्रशासन की ओर से रेलवे क्रासिंग को 30 से 50 मिनट तक बंद कर ट्रेनों की शंटिंग कराई जाती है। इस वजह से लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। साथ ही जाम की स्थिति बन जाती है। जनहित की समस्या को देखते हुए ट्रेनों का शंटिंग प्वाइंट को इंडियन ऑयल डिपो की तरफ किया जाए। पूर्व में राजीव नगर बंगाली कॉलोनी से एसबीआई बैंक के निकट पैदल पुल की मांग को लेकर भी सांसद के समक्ष समस्या रखी। ज्ञापन देने वालों में सांसद प्रतिनिधि लक्ष्मण खाती, संजीव शर्मा, जीवन कबड़वाल, उमेश तिवारी, हरीश नैनवाल, मुन्ना अंसारी, विनोद आदि रहे।

गंदगी डालने वालों पर होगी कार्रवाई

गरमपानी, अमृत विचार: मोक्ष धाम को जाने वाले रास्ते पर बार-बार गंदगी डालने पर अब प्रशासन ने सख्त रुख अपना लिया है। जीवनदायिनी कोसी व पवित्र शिप्रा नदी के संगम पर स्थित मोक्ष धाम में आसपास के तमाम गांवों से लोग शवदाह को पहुंचते हैं। दोनों नदियों के संगम का ऐतिहासिक महत्व होने से कई धार्मिक अनुष्ठान भी यहां होते हैं। रास्ते में धड़ल्ले से गंदगी डालने से आवाजाही करने वाले लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। श्री कैंची धाम तहसील की एसडीएम मोनिका ने जिला पंचायत नैनीताल को व्यवस्था में सुधार के निर्देश दिए। जिला पंचायत ने कूड़ा वाहन के जरिए मोक्ष धाम को जाने वाले रास्ते पर डाली गई गंदगी का निस्तारण कर दिया। अब रास्ते पर कूडा डालने वालों को चिह्नित कर उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

डेमोग्राफी चेंज समेत कई बिंदुओं पर जांच हुई शुरू

संवाददाता, गरमपानी

अमृत विचार: बेतालघाट ब्लॉक के सिरोडी गांव को प्रशासन ने रडार पर ले लिया है। गांव में डेमोग्राफी चेंज, जमीनों की खरीद फरोख्त, वन भूमि पर रोड निर्माण, बगैर भूमि हस्तांतरण के भवन निर्माण समेत कई अन्य बिंदुओं पर जांच शुरू कर दी गई है। नियमों की धज्जियां उड़ाकर वन भूमि पर रोड निर्माण का मामला भी तूल पकड़ गया है।

भू कानून लागू होने के बावजूद बेतालघाट ब्लॉक के सिरोडी गांव के आसपास निर्माण कार्यों में तेजी बनी हुई है। वन विभाग के लगातार कार्रवाई के बावजूद वन भूमि पर बार-बार सड़क निर्माण का प्रयास किया जाना इसका जीता जागता उदाहरण है। एक के बाद एक मामले सामने आने के बाद अब श्री कैंची धाम तहसील प्रशासन हरकत में आ गया है। मामला कुमाऊं आयुक्त तक पहुंचने व कमिश्नर से आदेश मिलने के साथ ही प्रशासन ने विभिन्न बिंदुओं पर जांच शुरू कर दी है। जमीन के अभिलेखों में बगैर नाम बदलाव के एक बिल्डर के भवन निर्माण किए जाने की चर्चा सामने आने से भी प्रशासनिक अधिकारी सख्ते में आ गए हैं। श्री कैंची धाम तहसील के राजस्व निरीक्षक नरेश असवाल के अनुसार बताया कि संज्ञान में आया है कि एक समुदाय विशेष का व्यक्ति, जिस भूमि पर निर्माण कर रहा है, उसके नाम पर वह भूमि अभिलेखों में दर्ज नहीं है। नियमों का उल्लघंन कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

आस्था श्रीकृष्ण जन्मोत्सव कार्यक्रम के दौरान हुई विभिन्न प्रतियोगिताएं, मटकी फोड़ कार्यक्रम रहा आकर्षण का केंद्र

फैंसी ड्रेस में दिशानी अव्वल, तन्मय और राध्या भी चमके

नैनीताल में जन्माष्टमी कार्यक्रम के तहत मटकी फोड़ते गोविंदा। ● अमृत विचार

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: यो पहाड़ फाउंडेशन के तत्वावधान में नैनीताल में श्रीकृष्ण जन्मोत्सव का भव्य आयोजन हुआ।

कार्यक्रम को मास्कबीन स्टूडियो और अमर उदय ट्रस्ट नैनीताल का विशेष सहयोग प्राप्त रहा। वहीं, श्री राम सेवक सभा मल्लीताल के कलाकारों ने प्रस्तुतियों दीं। फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता में दिशानी साह ने प्रथम, तन्मय कुमार ने द्वितीय और राध्या ने तृतीय स्थान हासिल किया। निर्णायक मंडल में चारु तिवारी और रश्मि आर्या शामिल रहीं। जूनियर व सब-जूनियर नृत्य प्रतियोगिताओं में बच्चों ने श्रीकृष्ण के जीवन प्रसंगों पर आधारित नृत्यों से सभी का मन मोह लिया। जूनियर वर्ग में सेंट जॉन्स पब्लिक स्कूल प्रथम, उमा पब्लिक लवली स्कूल द्वितीय और निशांत स्कूल तृतीय रहा। सब-जूनियर वर्ग में अमेरिकन किड्स (सी.आर.एस.टी जूनियर विंग) ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। दही हांडी प्रतियोगिता में राष्ट्रीय शहीद सैनिक विद्यालय ने बाजी मारी। टाइक्वांडो क्लब नैनीताल द्वितीय, 79 यूके एनसीसी तृतीय और सी.आर.एस.टी को सांत्वना पुरस्कार मिला। किशन नेगी, दीपा बिष्ट, ईशा साह और आलोक ने विजेताओं को सम्मानित किया।

लेक्स इंटरनेशनल स्कूल में प्रस्तुति देते बच्चे। ● अमृत विचार

कार्यक्रम में भजनों की प्रस्तुतियों से बांधा समां

भीमताल : लेक्स इंटरनेशनल स्कूल भीमताल में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी धूमधाम के साथ मनाई गई। विद्यार्थियों और शिक्षकों ने सुंदर झांकी का निर्माण और सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। कक्षा आठ की छात्रा आकांक्षा बालियान ने भगवान श्रीकृष्ण के बारे में जानकारी दी। कक्षा 12वीं के विद्यार्थी हर्षित कुमार और यश कुमार द्वारा गोविंद गोपाल, कक्षा पांचवीं से बारहवीं के विद्यार्थियों ने फूलों में सज रहे हैं भजन और जय कृष्ण हरे आरती की प्रस्तुति दी। शिक्षक वर्ग की ओर से कंप्यूटर शिक्षिका उर्वशी पांडे ने श्रीकृष्ण पर कुमाऊंनी भजन खर मोर पंख हाथ में मुरुली, शिक्षकों ने अरे द्वार पालो कन्हैया से कह दो, विज्ञान शिक्षिका किरन रौतेला ने बरसाने से आई हूं, संगीत शिक्षक अजय कुमार ने राधा बृज की कहानी हो गई भजन प्रस्तुत कर समां बांध दिया। प्रधानाचार्य एसएसनेगी ने विद्यार्थियों और शिक्षकों को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी की शुभकामनाएं दीं। वहीं, ओखलकांडा ब्लॉक की ग्राम सभा गलनी चौगड़ क्षेत्र स्थित श्री सिद्ध देवानी मंदिर में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर दो दिवसीय मेले का आयोजन किया गया। 15 अगसत रात्रि कृष्ण जन्मोत्सव के बाद 16 को कुमाऊनी लोक गायक राकेश पनेरू और रागनी कला केंद्र हल्द्वानी के कलाकारों ने मनमोहक प्रस्तुतियां दीं। स्थानीय कलाकारों की प्रस्तुति के साथ पारंपरिक झोड़ा, चाचरी और हुड़के की थाप पर ग्रामीणों ने आनंद लिया। इस दौरान अध्यक्ष ललित बर्गली, संचालक राजू बर्गली, प्रधान भवानी बर्गली, क्षेत्र पंचायत सदस्य पान सिंग बर्गली, गजेंद्र बर्गली, चंदन, हरीश सिंह व उमेश आदि मौजूद रहे।

सृजन स्पास्टिक सोसायटी में कृष्ण और राधा के रूप में बच्चे। ● अमृत विचार

सृजन सोसायटी में रही जन्माष्टमी पर्व की धूम

हल्द्वानी : पीलीकोठी स्थित सृजन स्पास्टिक सोसायटी में कृष्ण जन्माष्टमी और स्वतंत्रता दिवस को लेकर कार्यक्रम हुए। बच्चों ने कार्यक्रम अनुसार परिधान पहने। कृष्ण जन्माष्टमी के लिए बच्चों ने कृष्ण और राधा का रूप धरा। हाथ में बांसुरी ली और मटकी भी फोड़ी। इसके अलावा स्वतंत्रता दिवस पर भी कार्यक्रम हुए। प्राचार्य श्रद्धा कांडपाल ने बताया कि बच्चों ने बढ़चढ़ कर कार्यक्रमों में हिस्सा लिया। यहां स्पेशल बच्चों के शिक्षण की व्यवस्था की जाती है। इस दौरान दया जोशी, दीपा लोहनी, ममता पांडे आदि रहे। इधर, श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पावन पर्व पर सोमवार रात 12 बजे लटूरिया महाराज आश्रम पूरी तरह कृष्णमय हो गया। राधा-कृष्ण के प्रमुख मंदिर में सुबह से ही श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। रात बारह बजे जैसे ही भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव मनाया गया, पूरा लटूरिया महाराज आश्रम नंद के आनंद भयो, जय कन्हैया लाल की जयकारों से गूंज उठा। मंदिरों में सजाई गई सुंदर झांकियां श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र रहीं।

सिटी ब्रीफ

स्थानांतरण न होने पर पार्षद ने जताई नाराजगी

हल्द्वानी : शहर के वार्ड 20 हिमालय फार्म में सफाई कर्मचारी की ओर से सही ढंग से कार्य नहीं किए जाने पर पार्षद ने नगर आयुक्त ऋचा सिंह से शिकायत कर उसके ट्रांसफर की मांग की थी। जिस पर नगर आयुक्त ने सफाई कर्मचारी के ट्रांसफर का आदेश जारी किया। वार्ड के पार्षद हेमंत शर्मा ने बताया कि नगर आयुक्त के आदेश के बावजूद उक्त कर्मचारी का ट्रांसफर नहीं किया गया है। बताया कि सफाई कर्मचारी वार्ड में सफाई कार्य नहीं कर रहा था, जिस पर उसके ट्रांसफर की मांग की थी। उन्होंने ट्रांसफर नहीं होने पर नाराजगी जताई है।

20 अगस्त से बुद्ध पार्क में होगा मौन उपवास

हल्द्वानी : सेवानिवृत्त कार्मिक समन्वय समिति की संघ भवन में हुई बैठक में 30 जून और 31 दिसंबर को सेवानिवृत्त हुए कर्मचारियों को केंद्र सरकार की तर्ज पर जनवरी 2006 से नोशनल इंक्रीमेंट देने की मांग दोहराई। साथ ही सेवानिवृत्त सहायक लेखा परीक्षा अधिकारी रमेश चन्द्र पाण्डे ने 20 अगस्त से बुद्ध पार्क में 48 घंटे के मौन उपवास के निर्णय को समिति का पूर्ण समर्थन मिला। समिति के मुख्य संयोजक नवीन काण्डपाल की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में पीसी जोशी, रमेश चन्द्र पाण्डे, लीलाधर पाण्डे, विजय तिवारी, यतीश पन्त, जेसी पन्तोला व भुवन आदि थे।

मंडी की सड़कों में गड्ढों की भरमार, चलना दुश्वार

लंबे समय से मरम्मत का इंतजार कर रही मंडी परिसर की सड़कें, रोजाना 4 से 5 हजार लोगों की यहां रहती है आवाजाही

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: रामपुर रोड स्थित कुमाऊं की सबसे बड़ी फल व सब्जी मंडी, जहां रोजाना 4 से 5 हजार किसान, व्यापारी और आम लोग आते-जाते हैं। आज बदहाल सड़कों की मार झेल रही हैं। मंडी में नासिक, रामपुर, बरेली, दिल्ली समेत कई राज्यों और पर्वतीय इलाकों से फल-सब्जियों की बड़ी आवक होती है, लेकिन यहां की सड़कों की हालत देखकर कोई नहीं कह सकता कि यह एक कुमाऊं का एक प्रमुख व्यावसायिक केंद्र है।

पूरे मंडी परिसर में सड़कें जगह-जगह उखड़ी हुई हैं और इनमें गड्ढों की भरमार है। हालात ऐसे हैं कि यह समझना मुश्किल हो गया है कि सड़क में गड्ढे हैं या गड्ढों में सड़क। लगभग हर दुकान और आढ़त के आगे सड़कें जर्जर हैं और बारिश के मौसम में ये गड्ढे जानलेवा साबित हो रहे हैं। स्थानीय आढ़तियों के अनुसार 300 से अधिक दुकानों और 2 हजार से अधिक कामगारों वाली इस मंडी में 7-8 वर्षों से सड़क मरम्मत का कोई कार्य नहीं हुआ है। परिसर में मंडी समिति कार्यालय के सामने और बैंक ऑफ बड़ौदा के सामने वाली सड़क की हालत सबसे बुरी है। सड़क पूरी तरह उखड़ चुकी है, जिसमें जगह-जगह गड्ढे हो चुके हैं।

इसी तरह टीपीनगर की तरफ से मंडी के प्रवेश द्वार से लेकर बरेली रोड निकासी द्वार तक सड़क पर गड्ढे ही गड्ढे हैं। भारी ट्रकों की आवाजाही और आम लोगों की खरीदारी के लिए इस तरह के हालात खतरे का सबब बन चुके हैं। खस्ताहाल सड़कों में बरसात के मौसम में कई दोपहिया वाहन चालक इन गड्ढों में गिरने के कारण चोटिल हो चुके हैं, वहीं स्थानीय आढ़ती और व्यापारी भी लंबे समय से समस्याओं का सामना कर रहे हैं।

नवीन मंडी की सड़कों में हुए गड्ढे। ● अमृत विचार

मंडी परिसर में खस्ताहाल सड़क। ● अमृत विचार

अपनी ही सड़कें नहीं बना पा रही मंडी समिति

मंडी परिसर में मंडी समिति की ओर से सड़कें बनाई जाती हैं। बड़ी हैरानी की बात है कि मंडी समिति अपनी ही सड़कों का निर्माण नहीं कर पा रही है। कुमाऊं की सबसे बड़ी मंडी में लंबे समय से सड़कों का खस्ताहाल होना सभी के लिए आश्चर्य का विषय बना हुआ है। आढ़तियों का कहना है कि वे सड़क, पेयजल व शौचालय जैसी मूलभूत आवश्यकताओं के लिए कई बार मंडी परिषद के अध्यक्ष को भी अवगत करा चुके हैं, लेकिन अभी तक समस्या का समाधान नहीं हुआ है।

बारिश के बाद सड़कों का निर्माण शुरू किया जाएगा। इसके लिए प्रस्ताव तैयार किया गया है। बजट मिलते ही खराब सड़कों का पुर्ननिर्माण शुरू किया जाएगा। साथ ही अन्य समस्याएं भी दूर होंगी। **-डॉ. अनिल कपूर डब्बू,** अध्यक्ष, मंडी परिषद

एक समय था जब मंडी की सड़कों का उदाहरण दिया जाता था। लेकिन लंबे समय से सड़कें दुर्दशा का शिकार हैं। मंडी परिषद के अध्यक्ष को अवगत कराने के बावजूद सड़क नहीं बन पाई है। **- कैलाश जोशी** अध्यक्ष, आलू-फल आढ़ती एसोसिएशन

नवीन मंडी में रोजाना कृषि उत्पाद छोटे-बड़े वाहनों में पर्वतीय और मैदानी क्षेत्रों से पहुंचते हैं, लेकिन सड़कों की दुर्दशा ने सभी के लिए दुश्वारियां पैदा कर दी हैं। शीघ्र नई सड़कें बनाई जानी चाहिए। **-चरणजीत सिंह चड्ढा** आढ़ती

सड़कों में गड्ढों की भरमार है। पता नहीं चल रहा है कि सड़क में गड्ढे हैं या गड्ढों में सड़कें। खस्ताहाल सड़कें सभी के लिए खतरनाक बनी हुई हैं। मंडी प्रशासन को अवगत कराने के बाद भी सड़कों का निर्माण नहीं किया गया है। **-सज्जाद अली,** आढ़ती

सड़कों में बने गड्ढे जानलेवा बने हुए हैं। आए दिन इन गड्ढों में लोग चोटिल हो रहे हैं। खासकर बरसात के दौरान गड्ढे खतरनाक साबित हो रहे हैं। कुमाऊं की सबसे बड़ी मंडी में अव्यवस्थाएं जनता के लिए मुसीबत बन चुकी है। **-दीपक पाठक,** आढ़ती

प्रत्येक जिले में खुलेंगे यूओयू के विशेष केंद्र

हल्द्वानी, अमृत विचार : राज्य के प्रत्येक जिले में उच्च एवं रोजगारपरक शिक्षा के समग्र विकास के लिए उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय (यूओयू) के विशेष केंद्र खोले जाएंगे। जिनका समन्वय विवि करेगा। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने स्वतंत्रता दिवस के मौके पर इसकी घोषणा की।

विवि के कुलपति प्रो. नवीन चंद्र लोहनी ने कहा कि यह पहल राज्य की महिलाओं, बालिकाओं और उन युवाओं के लिए वरदान साबित होगी, जोकि आर्थिक या भौगोलिक कारणों से उच्च शिक्षा से वंचित रह जाते हैं। इससे दूरस्थ क्षेत्रों तक गुणवत्तापूर्ण व रोजगारपरक शिक्षा पहुंचाई जा सकेगी। प्रो. लोहनी ने बताया कि विश्वविद्यालय पर्यटन, डिजिटल मार्केटिंग, हिमालयी अध्ययन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, आपदा प्रबंधन, हस्तकला और सांस्कृतिक विरासत संरक्षण जैसे विषयों में नए पाठ्यक्रम विकसित करेगा, जिससे राज्य का युवा वर्तमान समय की मांगों के अनुसार दक्ष बन सके। उन्होंने बताया कि इसी माह भारतीय सेना की बंगाल इंजीनियर्स रेजिमेंट के साथ विशेष अध्ययन केंद्र स्थापित करने के लिए एमओयू पर हस्ताक्षर होने जा रहा है, जिससे सैनिकों को भी उच्च शिक्षा से जोड़ा जा सकेगा।

वेतन नहीं तो एक से फिर आंदोलन

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: उत्तराखंड उपनल संविदा कर्मचारी संघ की प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक ऑनलाइन माध्यम से संपन्न हुई। बैठक का मुख्य मुद्दा डॉ. सुशीला तिवारी राजकीय चिकित्सालय एवं मेडिकल कॉलेज, हल्द्वानी में उपनल के माध्यम से कार्यरत 659 कार्मिकों को विगत पांच माह से वेतन न मिलना रहा।

सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि यदि आगामी 15 दिनों के भीतर इन कर्मचारियों का वेतन नहीं दिया गया तो संघ एक सितंबर से फिर से आंदोलन करेगा। संघ ने स्पष्ट किया कि कर्मचारियों और उनके परिवारजन अत्यधिक आर्थिक संकट से गुजर रहे हैं। प्रदेश उपाध्यक्ष पूरन चन्द्र भट्ट ने कहा कि मेडिकल कॉलेज प्रशासन को बार-बार निवेदन किए जाने के बावजूद पद सृजन न होने का हवाला देकर कर्मचारियों को वेतन नहीं दिया जा रहा है, जबकि ये कर्मचारी पिछले 15-20 वर्षों से अत्यंत न्यून वेतन में सेवाएं दे रहे हैं। कोविड-19 जैसी महामारी में भी इन कर्मचारियों ने अपनी सेवाएं बिना रुके दीं। कर्मचारी इस समय अपने बच्चों की स्कूल फीस, बिजली-पानी के बिल तक नहीं चुका पा रहे हैं। महामंत्री प्रमोद गुसाईं ने बताया कि हाईकोर्ट ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि उपनल कर्मचारियों को चरणबद्ध रूप से नियमित किया जाए और उन्हें समान कार्य के लिए समान वेतन प्रदान किया जाए। बैठक में रमेश शर्मा, नितिन कुमार, मनोज जोशी, गणेश गोस्वामी, तेजा बिष्ट, पूरन भट्ट, मनोज गड़कोटी, अचल वर्मा, त्रिभुवन बसेड़ा, कमल गाड़िया, संदीप कुमार और योगेश भाटिया मौजूद रहे। प्रदेश अध्यक्ष रमेश शर्मा के नेतृत्व में लालकुआं विधायक मोहन सिंह बिष्ट व कालाढूंगी विधायक बंशीधर भगत को ज्ञापन भी सौंपा।

लालकुआं विधायक को ज्ञापन देते उपनल कर्मचारी। ● अमृत विचार

प्रदेश की टीम को बी पूल में द्वितीय स्थान मिला

हल्द्वानी, अमृत विचार: जालंधर में चल रही 15वीं हाकी इंडिया जूनियर राष्ट्रीय स्पर्धा में उत्तराखंड को पश्चिम बंगाल की टीम से हार का सामना करना पड़ा है। पश्चिम बंगाल ने उत्तराखंड को 4-1 के स्कोर से पूल गेम में हरा दिया। उत्तराखंड टीम बी पूल में द्वितीय स्थान पर रही।

हाकी उत्तराखंड की मानें तो उत्तराखंड टीम के पूल ए में आने की संभावनाएं हैं। इससे पूर्व उत्तराखंड बिहार व असम की टीम से जीत चुकी है। पूल ए के मैच अब 16वीं हाकी इंडिया राष्ट्रीय जूनियर स्पर्धा में खेले जाएंगे। उत्तराखंड हाकी के महासचिव नरेन्द्र बाफिला ने बताया कि उत्तराखंड ने अपने पूल मैच के लीग मुकाबले में दो टीमों को हराया और दो टीमों से हार का सामना करना पड़ा है। टीम में गौरव, विरेंद्र कोरंगा, महिंद्र बिष्ट, सूरज कुमार, रोहित ऐरी आदि शामिल हैं।

आखिर क्यों छीने जा रहे हमारे अधिकार

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: गौलापार के बागजाला गांव में रह रहे अधिकांश ग्रामीण आजादी से भी पहले से इस क्षेत्र में निवास कर रहे हैं। खेती-किसानी, पशुपालन और स्वरोजगार के बल पर अपनी आजीविका चलाने वाले इन परिवारों की आज जमीन और अधिकार पर संकट मंडरा रहा है। बच्चों की शिक्षा के लिए गांव में चार आंगनबाड़ी केंद्र और तीन प्राथमिक विद्यालय संचालित हैं। ग्रामीणों के अनुसार, 1978 में उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा उन्हें 90 वर्षों के लिए भूमि के पट्टे दिए गए थे, जिनका हर 30 वर्ष में नवीनीकरण होना था।

2008 में भूमि का नवीनीकरण नहीं किया गया और न ही गांव को राजस्व ग्राम घोषित किया गया। अब इन्हीं ग्रामीणों को अतिक्रमणकारी बताकर हटाने की कोशिश की जा रही है। जिसके लिए वन विभाग ने घर खाली करने के नोटिस दिए हैं। आरोप लगाया है कि सर्वे होने के बावजूद पट्टों का नवीनीकरण नहीं किया गया और उन्हें कानूनी अधिकारों से वंचित रखा गया है। बागजाला गांव को 2014 तक देवला तल्ला पंजाया ग्राम पंचायत का हिस्सा माना गया था। ग्रामीणों ने तब तक पंचायत चुनावों में भी मतदान किया। लेकिन अब न तो पंचायत अधिकार है, न ही विकास योजनाओं का लाभ। रविवार को अखिल भारतीय किसान महासभा की बैठक संपन्न हुई, जिसमें आज से शुरू होने वाले अनिश्चितकालीन धरने की तैयारी की समीक्षा की गई। आंदोलन पेयजल, सड़क, विकास कार्यों पर लगी रोक हटाने, जल जीवन मिशन योजना लागू करने, पंचायत चुनाव अधिकार बहाल करने और दशकों से वन एवं नजूल भूमि पर बसे लोगों को मालिकाना अधिकार देने जैसी मूलभूत मांगों को लेकर किया जा रहा है।

प्रदेश अध्यक्ष आनंद सिंह नेगी ने सरकार पर गरीबों को उजाड़ने का आरोप लगाया। सचिव वेद प्रकाश ने इसे न्याय की लड़ाई बताया। भाकपा माले के जिला सचिव डॉ. कैलाश पांडे ने सरकार की नीतियों को जनविरोधी बताया। निर्णय लिया गया कि जसबू मंदिर के पास अनिश्चितकालीन धरना तब तक जारी रहेगा, जब तक समस्याओं का समाधान नहीं हो जाता।

बागजाला में बैठक करते अखिल भारतीय किसान महासभा के पदाधिकारी ● अमृत विचार

महोत्सव के दौरान प्रस्तुति देतीं कलाकार। ● अमृत विचार

महोत्सव में भजनों की प्रस्तुतियां देकर बांधा समां

हल्द्वानी, अमृत विचार : हीरानगर स्थित पर्वतीय उत्थान मंच में रविवार को सामाजिक संगठन नारायणी सेना की ओर से नारायणी महोत्सव का आयोजन किया गया। महोत्सव में लोक गायक जगदीश कांडपाल, कुंवर पाल शर्मा और नीलम गंगोला ने भजनों की मनमोहक प्रस्तुति दी। वहीं, नटराज एकेडमी ग्रुप सहित अन्य कलाकारों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति से दर्शकों का मन मोह लिया। नारायणी सेना की ओर से महिला सशक्तिकरण, युवाओं का मार्गदर्शन, योग शिविर, सफाई अभियान, पर्यावरण संरक्षण और जरूरतमंदों की मदद जैसे कई सामाजिक कार्य नियमित रूप से किए जाते हैं। संगठन अध्यक्ष रुद्राक्ष सिंह बिष्ट, उपाध्यक्ष युवराज सिंह संधू, सचिव लता बिष्ट, उपसचिव अनिकेत चौहान, चीफ एडवाइजर चंचल दिनेश फुलारा, प्रत्यूष पाठक, प्रेस प्रबंधक प्रथम साहू, प्रचारक महक चावला और एंकर जय भट्ट व आशीष मौजूद रहे।

वेद प्रचार समारोह यज्ञ के साथ संपन्न

हल्द्वानी, अमृत विचार: आर्य समाज की ओर से आयोजित वेद प्रचार समारोह का समापन रविवार को यज्ञ व भजनोपदेशों के साथ संपन्न हुआ। राजकीय महाविद्यालय बेतालघाट के प्राचार्य प्रो. विनय विद्यालंकार ने कहा कि यदि भारत को पुनः विश्वगुरु बनाना है, तो हमें ऋषियों की विचारधारा और भगवान श्रीकृष्ण के गीता संदेश को वैश्विक मंचों तक पहुंचाना होगा। यज्ञ में नगर के दर्जनों दंपतियों ने यजमान के रूप में भाग लिया। यज्ञ के ब्रह्मा के रूप में प्रो. विद्यालंकार ने वैदिक विधियों से यज्ञ संपन्न कराया। यज्ञ बिजनौर के आचार्य मोहित शास्त्री ने किया। इस अवसर पर डॉ. विनय खुल्लर, ममता खुल्लर, अविनाश सेठी, उपमा सेठी, अनुजकांत खंडेलवाल आदि मौजूद थे।

धूमधाम से मनाया गया घी संक्रांति का त्योहार

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: राज्य के लोकपर्व घी संक्रांति की धूम रही। रविवार को यह पर्व लोगों ने मनाया। घर में पकवान बनाए गए और विधि विधान से मंदिर में पूजा अर्चना की गई। परंपरा के तौर पर घी का सेवन भी किया गया।

यह पर्व पशुपालन, खेती-किसानी और प्रकृति को समर्पित है। इस लोकपर्व में पितरों और देव मंदिरों में फल और मौसमी सब्जियां चढ़ाई जाती हैं। इसमें अरबी के पत्तों की अहम भूमिका होती है। बारिश के दिनों में जो सब्जियां खेतों में होती हैं, उन्हें चढ़ाया जाता है। भादो के आगमन पर खेती और पशुपालन से यह घी त्यार विशेष पर्व माना जाता है। लोगों ने अपने घरों में दूब और घी से सिर का पूजन किया। भोजन में घी का इस्तेमाल किया गया।

माना जाता है कि इस दिन लोगों को घी का सेवन जरूर करना चाहिए। बच्चों के सिर में ताजा घी मला जाता है और घर के बुजुर्ग उनके दीर्घायु होने की कामना करते हैं। यह पर्व पहाड़ की संस्कृति की धरोहर है। जो लोग अब पहाड़ नहीं बल्कि मैदानी इलाकों में रहते हैं वह भी इसे धूमधाम से मनाते हैं। पं. नवीन चंद्र जोशी ने बताया कि घी संक्रांति हमारा लोकपर्व है और यह अच्छी बात है कि लोग अपनी परंपराओं को अच्छे से निभा रहे हैं।

दमुवाढूंगा से लेकर राजपुरा तक पेयजल संकट गहराया, परेशानी

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: गौला नदी में सिल्ट जमा होने की वजह से शहर के कई इलाकों में जलापूर्ति प्रभावित हो गई है। दमुवाढूंगा, हीरानगर, गौजाजाली, इंदिरा नगर, तिकौनिया, राजपुरा और ग्रामीण क्षेत्र बजुनियाहल्दू के लोगों को बूंद-बूंद पानी के लिए तरसना पड़ रहा है। पाइप लाइन में प्रेशर न होने से नलों में पानी नाम मात्र का आ रहा है। लोग निजी टैंकरों का सहारा लेने को मजबूर हैं। इससे आमजन की जेब पर अतिरिक्त बोझ भी पड़ रहा है।

लोगों का कहना है कि सुबह-शाम की जलापूर्ति प्रभावित हो चुकी है। रसोई से लेकर रोजमर्रा के कामकाज तक सब पर असर पड़ा है। सिंचाई विभाग के सहायक अभियंता चंद्रशेखर आर्य का कहना है कि बारिश की वजह से सिल्ट जमा हो गई थी। जिसे अब हटा दिया गया है। आज से जल संस्थान को समान्य रूप से पानी की आपूर्ति की जाएगी।

> तीन दिन से पानी बहुत कम आ रहा है। जल संस्थान की ओर से पानी के टैंकर आ रहे हैं। इसके बावजूद पानी की आपूर्ति पूरी नहीं हो पा रही है। **-जगत सिंह,** दमुवाढूंगा

> पानी न आने के कारण हमें टैंकर से पानी मंगवाना पड़ रहा है। एक टैंकर का 500 से 600 रुपये देना हमारे बस की बात नहीं है। **-हेम कांडपाल,** दमुवाढूंगा

> पानी आ रहा है, लेकिन पानी का प्रेशर बेहद कम है। एक बाल्टी भरने में घंटो समय लग जा रहा है। मोटर चलाकर भी टैंक नहीं भर पा रहा है। **-संजय बिष्ट,** तिकौनिया

> गर्मी में तो पानी के लिए परेशान होते हैं। यहां अब बरसात में भी पानी की आपूर्ति नहीं हो पा रही है। हम रोज पानी का टैंकर नहीं खरीद सकते हैं। **-रमेश सिंह,** हीरानगर

असर आशंका व अफवाहों के बीच अंडा व मुर्गा खाने से बच रहे लोग, कारोबारी चिंतित

बर्ड फ्लू का खौफ : 40 फीसदी तक गिरी चिकन की बिक्री

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: उत्तर प्रदेश में बर्ड फ्लू की पुष्टि होने व अलर्ट जारी होने के बाद इसका असर अब उत्तराखंड के हल्द्वानी शहर में भी देखने को मिल रहा है। प्रदेश में अंडा और मुर्गा व्यवसाय पर इसका सीधा प्रभाव पड़ने लगा है।

शहर में बर्ड फ्लू की आशंका ने अंडा व मुर्गा कारोबारियों को गहरी चिंता में डाल दिया है। अभी तक जिले में बर्ड फ्लू की पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन आशंका और अफवाहों के चलते लोग अंडा और मुर्गा का सेवन करने से बच रहे हैं। इसका सीधा असर इस कारोबार से जुड़े व्यापारियों और पोल्ट्री फार्म संचालकों पर पड़ रहा है।

हल्द्वानी के बाजारों में देसी मुर्गा पहले जहां 220 रुपये किलो बिक रहा था, वहीं अब यह 170 रुपये किलो तक पहुंच गया है। वहीं, बॉयलर चिकन का भाव भी 140 से 150 रुपये प्रति किलो से घटकर अचानक 100 से 110 रुपये किलो पर आ गया है। दुकानदारों का कहना है कि खरीदारों की संख्या में गिरावट आ रही है। जिसके चलते बिक्री 40 से 45 प्रतिशत तक कम हो चुकी है। अंडों के दामों में फिलहाल कोई खास बदलाव नहीं आया है, लेकिन बिक्री में 20 से 25 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की जा रही है।

हर पोल्ट्री फार्म पर हमारी नजर, पैनिक न हों

हल्द्वानी : नैनीताल जिले में अभी तक बर्ड फ्लू का कोई भी मामला सामने नहीं आया है। पशु चिकित्सा विभाग हर पोल्ट्री फार्म पर नजर बनाए हुए हैं और साथ ही बड़े पैमाने पर सैंपलिंग ली जा रही है। चीफ वैटनिरी ऑफिसर नैनीताल डॉ. डीसी जोशी ने बताया कि नैनीताल जिले में अभी तक कहीं भी बर्ड फ्लू का मामला सामने नहीं आया है। विभाग पोल्ट्री फार्मों में जाकर सैंपलिंग ले रहा है, इसलिए पैनिक होने की जरूरत नहीं है। जो लोग भी चिकन और अंडे खाएं उसे सही से पकाकर ही खाएं। साथ ही चिकन ऐसी जगह से खरीदें, जहां पर अच्छे तरह से साफ-सफाई है।

> चिकन और अंडे की डिमांड सबसे ज्यादा रहती है, लेकिन इस बार बर्ड फ्लू की आशंका ने खरीदारों को डरा दिया है। पहले रोज 100 से 120 किलो तक चिकन बिकता था, वहीं अब मुश्किल से 50 किलो ही बिक रहा है। ग्राहक नहीं आने से हमें नुकसान हो रहा है। **-रईम,** चिकन विक्रेता

> बॉयलर चिकन का रेट हमने 140-150 रुपये से घटाकर 100-110 रुपये किलो कर दिया, लेकिन फिर भी बिक्री 40 प्रतिशत तक कम हो गई है। लोग डर की वजह से चिकन और अंडे से दूरी बना रहे हैं। अगर हालात ऐसे ही रहे तो हमें दुकान बंद करनी पड़ सकती है। **-सलीम,** चिकन विक्रेता

धार्मिक अनुष्ठान से माहौल भक्तिमय

गरमपानी, अमृत विचार: बेतालघाट व टूनाकोट गांव में धार्मिक अनुष्ठानों से माहौल भक्तिमय हो गया।

पवित्र कोसी नदी तट पर स्थित दुर्गापुरी धाम में हवन, पूर्णाहुति व महाआरती के साथ श्रीमद्भागवत कथा महापुराण का पारायण हुआ। संत रविशंकर की देखरेख में हुए कार्यक्रम में धर्माचार्यों ने यजमानों से धार्मिक अनुष्ठान पूरे कराए। कथा व्यास आचार्य विष्णु दत्त शास्त्री ने श्रीकृष्ण की लीलाओं का गुणगान किया। नंदन सिंह बोहरा, तारा भंडारी, जगत सिंह आदि रहे। ताड़ीखेत ब्लॉक के टूनाकोट गांव स्थित भूमिया मंदिर में धर्माचार्य गोपाल सिंह व मदन सिंह ने पूजा-अर्चना की। धन सिंह, गोपाल सिंह, नवीन सिंह, गुड्डू, रमेश, देवेंद्र सिंह, नारायण सिंह आदि मौजूद रहे।

लालकुआं विधायक को ज्ञापन सौंपते लखनमंडी ग्राम सभा के ग्रामीण। ● अमृत विचार

भू-कटाव के स्थायी समाधान का मुद्दा उठाया

हल्द्वानी, अमृत विचार : नंधौर नदी में बाढ़ सुरक्षा के स्थायी कराए जाने की मांग को लेकर रविवार को देववाणी परोपकार मिशन ने क्षेत्र प्रतिनिधियों के साथ लालकुआं विधायक डॉ. मोहन सिंह बिष्ट से मुलाकात कर दो सूत्रीय मांगों का ज्ञापन सौंपा। देववाणी परोपकार मिशन के अध्यक्ष ईश्वर सुयाल ने विधायक को सौंपे गए ज्ञापन में कहा कि लखनमंडी ग्राम सभा के जोगनाली चौराहे से देवी मंदिर तक लगभग एक किलोमीटर लंबी सड़क निर्माण की वर्षों पुरानी मांग अधूरी है। इस मार्ग पर लगभग 250 परिवार निवास करते हैं, जो नंदौर वाइल्ड लाइफ सेंचुरी के किनारे होने के कारण अक्सर जंगली जानवरों के खतरे और बरसात में कीचड़-पानी से जूझते हैं। चोरगलिया की दुबेलबैड़ा नदी के हो रहे भू-कटाव के स्थायी समाधान की मांग की। ज्ञापन देने वालों में क्षेत्र पंचायत सदस्य मनमोहन गडकोटी, ग्राम प्रधान ज्योति चौसली, प्रधान प्रतिनिधि दीपक चौसली, भाजपा मंडल अध्यक्ष पान सिंह मेवाड़ी, आनंद शर्मा, महेश जोशी, बच्ची सिंह, नरेंद्र उमा मेहता आदि थे।

अमृत विचार

हल्द्वानी , सोमवार, 18 अगस्त 2025

रुद्रपुर में आयोजित श्रीकृष्ण जन्माष्टमी कार्यक्रम में मौजूद महापौर विकाश शर्मा व अन्य। ● अमृत विचार

खटीमा में रामलीला पात्र परिषद द्वारा आयोजित कार्यक्रम में श्रीकृष्ण राधा के रूप में बाल कलाकार।

सितारगंज में जन्माष्टमी कार्यक्रम के दौरान मौजूद बालिकाएं व अतिथि। ● अमृत विचार

धार्मिक धरोहरों के संरक्षण को प्रतिबद्धः महापौर

महापौर ने जन्माष्टमी के कार्यक्रमों में किया प्रतिभाग, खेड़ा कॉलोनी स्थित श्री बांके बिहारी मंदिर में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का किया शुभारंभ

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचारः नगर में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पर्व बड़े ही धूमधाम और श्रद्धा-भक्ति के साथ मनाया गया। इस दौरान महापौर विकास शर्मा ने देर रात तक शहर के विभिन्न मंदिरों एवं कार्यक्रम स्थलों पर पहुंचे और पूजा-अर्चना कर भगवान श्रीकृष्ण का आशीर्वाद प्राप्त किया।

महापौर ने खेड़ा कॉलोनी स्थित श्री बांके बिहारी मंदिर में बतौर मुख्य अतिथि पहुंचकर सांस्कृतिक कार्यक्रमों का शुभारंभ किया। यहां मंदिर समिति के अध्यक्ष विजय कुमार जैसवार सहित पंकज कुमार, सौरभ, सोनालिका वेनी जैसवार व अन्य पदाधिकारियों ने महापौर का स्वागत एवं सम्मान किया। वहीं सिंह कॉलोनी वार्ड नंबर 33 स्थित महादेव मंदिर में आयोजित जन्माष्टमी समारोह का शुभारंभ किया। इस दौरान बच्चों ने राधा-कृष्ण की लीलाओं पर आधारित नृत्य-नाटिकाएं एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। राधा-कृष्ण की वेशभूषा में सजे छोटे-छोटे बच्चों ने जब मंच पर प्रस्तुतियां दीं तो पूरा वातावरण भक्ति और उल्लास से गूंज उठा। यहां आयोजित फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता कार्यक्रम का विशेष आकर्षण रही। इस दौरान महापौर ने बच्चों की प्रस्तुतियों की मुक्तकंठ से सराहना करते हुए कहा कि नई पीढ़ी जब संस्कृति और परंपराओं से जुड़ती है तो समाज का भविष्य उज्ज्वल होता है। आज बच्चों ने अपनी प्रस्तुति से यह सिद्ध कर दिया कि भारतीय संस्कृति अमर है और आने वाली पीढ़ियां इसे और भी मजबूती से आगे बढ़ाएंगी। इसके बाद उन्होंने इस्कॉन रुद्रपुर द्वारा आयोजित जन्माष्टमी उत्सव में शामिल हुए। यहां उन्होंने कहा कि इस्कॉन समाज में धार्मिक जागरण और भक्ति भाव के प्रसार में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। इस मौके पर पार्षद शालू पाल सहित अनेक लोग उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि धार्मिक पर्व हमें सत्य और धर्म की राह पर चलने की प्रेरणा देते हैं। भगवान श्रीकृष्ण ने गीता के माध्यम से जो संदेश दिया वह केवल हिंदू समाज ही नहीं, बल्कि पूरी मानवता के लिए है। महापौर ने कहा आज समाज को आपसी भाईचारे, सद्भाव और सत्य के मार्ग पर चलने की जरूरत है। जब हम धर्म के सिद्धांतों का पालन करेंगे तो शहर और समाज दोनों प्रगति की राह पर बढ़ेंगे।

जन्माष्टमी पर्व के दौरान पालने में भगवान श्री कृष्ण का बाल प्रतिरूप। ● अमृत विचार

वैष्णवी शक्तिपीठ आश्रम में हर्षोल्लास से मनी श्रीकृष्ण जन्माष्टमी

रुद्रपुर : आदर्श कॉलोनी स्थित वैष्णवी शक्तिपीठ आश्रम(वैष्णो देवी मंदिर), स्वर्ग फार्म वाली देवी जी के स्थान पर हर वर्ष की भाती इस वर्ष भी जन्माष्टमी का उत्सव धूमधाम के साथ मनाया गया। इस दौरान मंदिर को सुंदर मालाओं व रंग बिरंगे गुब्बारों से सजाया गया था और भगवान श्री कृष्ण के बाल रूप की सुंदर झांकी बनायी गयी थी। इस दौरान भगवान के बाल रूप लड्डू गोपाल को पालने में सजाया गया था। भक्तों ने मैनू नचना मोहन के नाल, मैने मोहन को बुलाया है वो आता होगा, राधा रानी कृपा कीजिए, मैनू बड़ा प्यारा लगदा मेरा बंसी वाला, अरे द्वारपालो कन्हैया से कहदो, गर श्याम से मिलना है सदा हार के तू रहना, साथी हमारा कौन बनेगा, वृंदावन चलिए, नंद के आनंद भयो जय कन्हैया लाल की आदि भजनों की पेशकश की। रात्रि 12 बजते ही भगवान श्री कृष्ण के पालने में सबने दर्शन किए व मटकी फोड़ कर भक्तों ने खुशी जाहिर की। इस अवसर पर मंदिर महंत श्याम खुराना, राजीव ग्रोवर, राजेश आनंद, जगदीश अरोड़ा, सतनाम सिंह, कपिल, सनी, लक्ष्य शर्मा, अनिल शर्मा, अमित गंभीर, अरविंद मिश्रा, जीतू, अशोक, कंचन, प्रीति ग्रोवर, जया आनंद, निशा, सीमा शर्मा, सुनीता अरोरा, आशा अरोरा समेत कई श्रद्धालु मौजूद थे।

ब्यानधुरा रामलीला कमेटी द्वारा निकाली गई झांकी। ● अमृत विचार

रामलीला पात्र परिषद का जन्माष्टमी पर भव्य आयोजन

खटीमा : सनातन श्री रामलीला पात्र परिषद के तत्वावधान में जन्माष्टमी उत्सव कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें छोटे-छोटे बच्चों ने श्रीकृष्ण एवं राधा की वेशभूषा धारण कर लोगों को मंत्र मुक्त किया। श्रीकृष्ण एवं राधा के रूप में बच्चों ने मंच पर पहुंचकर फैंसी ड्रेस कंपटीशन में भाग लिया। संस्था द्वारा कृष्ण एवं राधा रूपी बच्चों को प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। राकेश डांस अकादमी द्वारा धार्मिक गानों पर राधा कृष्ण का सुंदर अभिनय प्रस्तुत किया गया। दशकों से खचाखच भरे रामलीला ग्राउंड में भारी बारिश के बावजूद लोगों का उत्साह देखते ही बनता था। रामलीला कमेटी के संरक्षक राजीव अग्रवाल, राकेश बंसल एवं पालिकाध्यक्ष रमेश चंद्र जोशी ने परिषद के कार्यकर्ताओं और कार्यक्रम प्रस्तुत करने वालों को सम्मानित किया। इस अवसर पर व्यापार मंडल अध्यक्ष गौरी शंकर अग्रवाल, रामलीला कमेटी के अध्यक्ष राजेश गुप्ता, पंजाबी महासभा के प्रदेश सचिव मनोज वाधवा, मनोज श्रीवास्तव, जतिन कक्कड़, विशाल अग्रवाल, सुनील गुप्ता, वरुण अग्रवाल, नवल वाल्मीकि, आशीष श्रीवास्तव आदि उपस्थिति थे।

ब्यानधुरा रामलीला कमेटी ने निकली श्रीकृष्ण झांकी

खटीमा : श्री बयानधुरा आदर्श रामलीला कमेटी द्वारा श्री कृष्ण की झांकी निकाली गई और मटकी फोड़ और शाम को भजन कीर्तन का आयोजन किया गया। हनुमान मंदिर पटिया और शिव मंदिर की समस्त महिलाएं झांकी में शामिल हुईं। कार्यक्रम में गोविंद बल्लभ गहतोड़ी, दिव्य प्रकाश जोशी, गोकुल ओली, हरीश जोशी, रोहित गहतोड़ी, बहादुर सिंह, कमल गहतोड़ी, देवकी नंदन गहतोड़ी, रोहित शर्मा, योगेश गहतोड़ी आदि उपस्थित थे।

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर कृष्णमय हुआ सितारगंज

- आकर्षक रूप से सजे मंदिरों में उमड़ा भक्तों का सैलाब
- बच्चों की झांकियों ने बांधा समां दही-हांडी कार्यक्रमों का आयोजन

संवाददाता, सितारगंज

अमृत विचारः श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पर्व नगर में भक्ति उल्लास और आस्था के साथ मनाया गया। पर्व की शुरुआत से ही नगर के प्रमुख मंदिरों श्री सनातन धर्म मंदिर, श्रीकृष्ण प्रणामी महाराजा अग्रसेन गौशाला, भूमिया मंदिर, मोनी मंदिर, श्री दुर्गा ज्योति पीठ मंदिर, गणेश मंदिर और शेरोंवाली माता मंदिर सहित विभिन्न धार्मिक स्थलों पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। इन मंदिरों को फूलों, झालरों और रंग-बिरंगी रोशनी से आकर्षक तरीके से सजाया गया था।

मंदिरों में सुबह से ही श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा और देर रात तक भक्त भगवान श्रीकृष्ण के दर्शन कर प्रसाद ग्रहण करते नजर आए। शाम को जैसे ही मंगला आरती और भजन-कीर्तन का दौर शुरू हुआ, पूरा नगर श्रीकृष्ण के जयकारों से गूंज उठा और वातावरण भक्ति रस से सराबोर हो गया। शेरोंवाली माता मंदिर में छोटे-छोटे बच्चों ने राधा-कृष्ण व बाल गोपाल की जीवंत झांकियां और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं, इस दौरान नगर में विभिन्न जगहों पर भक्तों ने झूले सजाए, दही-हांडी कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। भक्ति मंडलियों द्वारा श्रीकृष्ण की लीलाओं का वर्णन किया गया, जिससे श्रद्धालु भावविभोर हो उठे और देर रात तक भक्ति रस की गंगा बहती रही। नगर के प्रत्येक कोने में सजे हुए मंदिर, रोशनी से चमकती गलियां और कृष्ण भक्ति में डूबे श्रद्धालु इस बात के साक्षी बने कि जन्माष्टमी केवल एक पर्व नहीं, बल्कि श्रद्धा, संस्कृति और उत्सव का अद्भुत संगम है। सितारगंज में जन्माष्टमी का यह उत्सव नगरवासियों की स्मृतियों में लंबे समय तक भक्ति और उल्लास की छाप छोड़ गया।

सितारगंज में आयोजित कार्यक्रम में नृत्य प्रस्तुत करतीं बालिकाएं। ● अमृत विचार

काशीपुर में हर्षोल्लास से मनी श्रीकृष्ण जन्माष्टमी

काशीपुर में राधा-कृष्ण का रूप में सजे छोटे बच्चें। ● अमृत विचार

संवाददाता, काशीपुर

- गायत्री देवी मंदिर में सजीं झांकियां रहीं आकर्षण का केंद्र
- रात्रि 12 बजे आरती के बाद प्रसाद किया वितरित

अमृत विचारः नगर व क्षेत्र में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पर्व अत्यंत हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। श्रृद्धालुओं ने उपवास रखा और भगवान श्रीकृष्ण की पूजा-अर्चना की।

प्राचीन श्री गंगे बाबा मंदिर, श्री बालाजी पावन धाम मंदिर और मां गायत्री देवी मंदिर में सजी झांकियां श्रृद्धालुओं के आकर्षण का मुख्य केंद्र रहीं। जगह-जगह पुलिस मुस्तैद नजर आई। शनिवार रात्रि नगर के प्रमुख मंदिर श्री राधा-कृष्ण मंदिर, गायत्री देवी मंदिर, श्री बाला जी धाम मंदिर, बांके बिहारी मंदिर, द्रोणासागर स्थित राधा कृष्ण मंदिर, मां मंसा देवी मंदिर, मोटेश्वर महादेव मंदिर, मां बाल सुंदरी देवी मंदिर, श्री नागनाथ मंदिर, मां शीतला देवी मंदिर, बड़े हनुमान मंदिर, गीता भवन, चामुंडा देवी मंदिर, गंगेबाबा मंदिर समेत विभिन्न मंदिरों में सजाई गई सुंदर झांकियों के देर रात तक श्रद्धालुओं ने दर्शन किए। प्राचीन श्री गंगे बाबा मंदिर, श्री बालाजी पावन धाम मंदिर और मां गायत्री देवी मंदिर में सजी झांकियां श्रृद्धालुओं के आकर्षण का मुख्य केंद्र रहीं। रात्रि बारह बजे आरती के उपरांत प्रसाद वितरित किया गया। उधर, घरों में भी श्रीकृष्ण भगवान की आराधना की गई। बच्चे राधा-कृष्ण की वेशभूषा में नजर आये।

मां नंदा देवी मंदिर ढांकानी में मेले की तैयारियों को लेकर चर्चा करते ग्रामीण।

शांतिपुरी में नंदाष्टमी मेले की तैयारियों को लेकर बैठक

शांतिपुरी : शांतिपुरी नंबर दो ढांकानी मां नंदा देवी मंदिर में रविवार को मेला कमेटी की बैठक हुई। जिसमें मंदिर परिसर की साफ-सफाई के साथ ही आगामी 30 व 31 अगस्त को आयोजित होने वाले नंदा अष्टमी मेले की तैयारियों को लेकर चर्चा की गई। बैठक में मेले को भव्य एवं उसके सफल संचालन के लिए कार्यकर्ताओं को प्रभार सौंपे गए। बैठक की अध्यक्षता हरपाल सिंह कोरंगा व संचालन बिशन सिंह कोरंगा ने किया। बैठक में प्रधान पुजारी नारायण सिंह कोरंगा, शेर सिंह कोरंगा, कुवर सिंह कोरंगा, कै. देवेन्द्र सिंह कोरंगा, खीम सिंह मेहता, कोषाध्यक्ष लाल सिंह टाकुली, उमा देवी, ललित कोरंगा, खुशाल सिंह कोरंगा, हरीश कोरंगा जॉन, लक्ष्मण सिंह कोरंगा, लाल सिंह कोरंगा, हयात सिंह कोरंगा आदि मौजूद रहे।

शेरावाली शिव शक्ति मंदिर में कृष्ण जन्मोत्सव की धूम

संवाददाता, सितारगंज

अमृत विचारः नगर के सिडकुल रोड पर शेरावाली शिव शक्ति मंदिर में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का भव्य जन्मोत्सव देर रात तक धूमधाम से मनाया गया, जिसमें मुख्य अतिथि समाजसेवी महेश मित्तल ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

इस अवसर पर आयोजित भजन संध्या, कृष्ण-लीला, राधा-कृष्ण नृत्य, दही-हांडी, मटकी फोड़ और सांस्कृतिक कार्यक्रमों में स्कूली बच्चों व स्थानीय कलाकारों की शानदार प्रस्तुतियों ने उपस्थित भक्तों का मन मोह लिया और पूरे पंडाल में जय श्रीकृष्ण के जयकारे गूंज उठे। कार्यक्रम में वार्ड नंबर एक के सभासद सतीश उपाध्याय सहित बड़ी संख्या में नगरवासी शामिल हुए, जहां मुख्य अतिथि ने भगवान श्रीकृष्ण के जीवन से धर्म, नीति और कर्तव्य पालन की प्रेरणा लेने का संदेश देते हुए बच्चों के उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। मंदिर अध्यक्ष त्रिलोक सिंह बिष्ट, गिरीश चंद्र दुर्गापाल, प्रेम सिंह गौनिया, सुरेश चंद्र दुर्गापाल, गणेश सिंह कार्की, अनिल चौधरी, ईश्वर दुर्गपाल, उमा बिष्ट, गरिमा चौधरी, बबिता दुर्गापाल समेत सैकड़ों श्रद्धालुओं की मौजूदगी में हुआ यह आयोजन देर रात प्रसाद वितरण और प्रतिभागियों के सम्मान के साथ संपन्न हुआ।

खेल-खिलाड़ी | जनपद के 80 खिलाड़ियों ने किया प्रतिभाग, शिविर में खिलाड़ियों को दी तकनीकी जानकारी

रुद्रपुर में जिला स्तरीय जु-जित्सु प्रशिक्षण शिविर आयोजित

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचारः जिला जु-जित्सु एसोसिएशन ऑफ ऊधमसिंह नगर की ओर से श्री दुर्गा मंदिर धर्मशाला रुद्रपुर में निःशुल्क जिला स्तरीय जु-जित्सु प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्घाटन एसोसिएशन के अध्यक्ष भारत भूषण चुघ ने खिलाड़ियों का परिचय प्राप्त कर किया।

रविवार को कार्यक्रम के दौरान एसोसिएशन के अध्यक्ष चुघ ने कहा कि खेलों में भाग लेने से हम अनुशासन, टीम वर्क और नेतृत्व की भावना सीखते हैं। ये गुण हमें जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में सफलता प्राप्त करने में मदद करते हैं। खेल हमें लक्ष्य प्राप्ति के लिए मेहनत करने और हार नहीं मानने की प्रेरणा देते हैं। उन्होंने कहा कि जनपद के जु-जित्सु खिलाड़ियों का प्रदर्शन सराहनीय है। उनकी मेहनत और समर्पण से वे नए कीर्तिमान स्थापित कर रहे हैं। भविष्य में ये खिलाड़ी राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर जनपद का नाम रोशन करेंगे।

कोषाध्यक्ष सिहान किशोर सिंह ने कहा कि खेलों से खिलाड़ी मजबूत होते हैं इस नारे को चरितार्थ करने के लिए हमें युवाओं को खेलों में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रेरित करना चाहिए। खेलों में भाग लेने से न केवल उनकी शारीरिक और मानसिक क्षमता में वृद्धि होती है, बल्कि उनमें अनुशासन, टीम वर्क और नेतृत्व की भावना भी विकसित होती है। एसोसिएशन के महासचिव ऋषि पाल भारती ने बताया कि जल्द ही जु-जित्सु एसोसिएशन ऑफ उत्तराखंड की ओर से उत्तराखंड राज्य स्तरीय जु-जित्सु प्रतियोगिता का आयोजन किया जाना है। इसके लिए निःशुल्क जिला स्तरीय जु-जित्सु प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। उन्होंने बताया कि शिविर में जनपद के 80 खिलाड़ियों ने प्रतिभाग किया। इस अवसर पर एशियन जु-जित्सु खिलाड़ी एवं प्रशिक्षक कमल सिंह, सतविंदर सिंह, कुलजीत सिंह, अजैब सिंह, प्रिय विश्वास, रूनू शर्मा, शिवानी, क्षितिज सिंह, स्मृति सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

शिविर में खिलाड़ियों के साथ एसोसिएशन के अध्यक्ष भारत भूषण चुघ। ● अमृत विचार

किच्छा में भाजपा नेता ने छोड़े तीखे तीर

- एक दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू, त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के बाद गुटबाजी शुरू

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचारः -त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव की समाप्ति के बाद किच्छा विधानसभा क्षेत्र में भाजपा नेताओं ने एक दूसरे पर तीखे तीर छोड़ने शुरू कर दिए। जिसके बाद किच्छा की राजनीति ने आपसी गुटबाजी खुलकर सामने आने लगी। एक ओर जहां पराजित जल्होत्रा और भाजपा नेता तिवारी ने प्रेस वार्ता कर अपनी भड़ास निकाली। वहीं दोपहरिया से जिला पंचायत सदस्य का चुनाव हारे जसविंदर सिंह उर्फ बंटी खुराना ने भी पार्टी के ही कुछ नेताओं पर भीतरघात करने का आरोप लगाया।

पत्रकारों से वार्ता करते भाजपा नेता बंटी खुराना। ● अमृत विचार

रविवार को प्रेस वार्ता के दौरान बंटी खुराना ने कहा कि ब्लॉक प्रमुख का निर्वाचन हराने के बाद पूर्व ब्लॉक प्रमुख के पति विपिन जल्होत्रा ने पूर्व विधायक राजेश शुक्ला पर भीतरघात किए जाने का आरोप लगाया था, जबकि हकीकत यह है कि हम सभी भाजपा के कार्यकर्ता है और पूर्व विधायक शुक्ला ने लालपुर के अलावा हर क्षेत्र में मेहनत की। बावजूद इसके खुद जल्होत्रा ने ही पार्टी प्रत्याशी के साथ भीतरघात किया था। हकीकत यह है कि ममता जल्होत्रा को ब्लॉक प्रमुख बनाने वाले भी पूर्व विधायक शुक्ला ही हैं। भीतरघात किसने किया इसको लेकर उनके पास काफी साक्ष्य हैं। बेवजह रीना गौतम के सामने ब्लॉक प्रमुख का चुनाव लड़ा। बंटी ने सभी नेताओं से आपसी मतभेद भुलाकर भाजपा की मजबूती पर ध्यान देने का आह्वान किया। कहा तभी 2027 का विधानसभा चुनाव फतेह होगा।

ब्रीफ न्यूज

मारपीट के दो मामलों में 12 लोगों के खिलाफ मुकदमा

बाजपुर : मारपीट के दो अलग-अलग मामलों में पुलिस ने एक दर्जन लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। पहले मामले में ग्राम कनौरा निवासी अनवार हुसैन पुत्र इंतेजार हुसैन ने पुलिस को बताया कि गांव के ही नजबुल, मजबूद, महबूब पुत्रगण मसीहा ठेकेदार, शहनाज पत्नी महबूब, साहिल पुत्र साजिया, सादिक, अब्दुल पुत्रगण शाहिद, ताहिर पुत्र शाहिद हुसैन, नाजिम पुत्र आबिद आदि उनसे रंजिश रखते हैं। इन लोगों ने पुरानी रंजिश के कारण 4 अगस्त को ग्राम प्रधान गुलाम मोहम्मद के आफिस के पास घेर कर मारपीट की तथा जान से मारने का प्रयास किया। 15 अगस्त की रात्रि 11.30 बजे पुन: घेर कर जान से मारने की कोशिश की गई। बड़ी मुश्किल से अपनी जान बचाकर भागे। वहीं दूसरे मामले में ग्राम हरिपुरा निवासी जगदीश सिंह पुत्र पहलवान सिंह ने पुलिस को बताया कि 15 अगस्त की देर रात करीब 9.30 बजे ग्राम जबरान हरिपुरा निवासी सोनू सिंह पुत्र राणा सिंह, बबलू पुत्र करनैल सिंह, सोम पुत्र जसवंत सिंह ने उसके साथ बेवजह मारपीट की थी जिसमें उसने बमुश्किल अपनी जान बचाई। हमलावरों ने उसे जान से मारने की धमकी भी दी है, जिसके चलते घर से बाहर निकलने पर उसे जान का खतरा बना रहता है। पुलिस ने दोनों मामलों में नामजद आरोपितों के विरुद्ध प्राथमिकी पंजीकृत कर ली है।

उचक्के ने युवती का पर्स उड़ाया

खटीमा : नगर पालिका वार्ड-13 स्टेशन रोड निवासी जवाहर वर्मा ने पुलिस को सौंपी तहरीर में कहा है कि 11 अगस्त को शाम को पौने आठ बजे उनकी पुत्री शालू वर्मा अपनी साइकिल को लेकर पैदल-पैदल घर को लौट रही थी। वह हनुमान मंदिर के सामने पहुंची थी कि एक युवक साइकिल के आगे बने कैरियर में रखा पर्स चुरा कर भाग गया। जिसका बेटी ने पीछा भी किया लेकिन पकड़ नहीं पाई। पर्स में करीब 6500 रुपए, आधार कार्ड रखा था। सीसीटीवी फुटेज देखी तो सीसीटीवी फुटेज में उक्त अज्ञात चोरी करके भागते हुए स्पष्ट दिख रहा है। पीड़ित ने मामला दर्ज कर कारवाई कर पैसे वापस दिलाने की गुहार की है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

नाबालिग घर से लापता

काशीपुर : एक नाबालिग किशोरी घर से बिना बताएं कहीं चली गई। पुलिस ने तहरीर के आधार पर गुमशुदगी दर्ज की है। आइटीआइ थाना पुलिस को दी तहरीर में ग्राम पैगा निवासी एक व्यक्ति ने बताया कि 17 वर्षीय पुत्री बीती 14 अगस्त को घर से बिना बताए कहीं चली गई। उसकी तमाम संभावित स्थानों पर तलाश की गई परंतु उसका कुछ पता नहीं चला। पुलिस ने तहरीर के आधार पर नाबालिग की गुमशुदगी दर्ज कर उसकी तलाश शुरू की है।

रेलवे पटरी के किनारे बेसुध पड़े मिले युवक ने दम तोड़ा

संवाददाता, खटीमा

अमृत विचार: ग्राम हल्दी के पास रेलवे पटरी के किनारे अचेत अवस्था में मिले युवक ने नागरिक अस्पताल ले जाते वक्त रास्ते में ही दम तोड़ दिया। युवक की शिनाख्त बरखेड़ा पीलीभीत निवासी संतोष कुमार के रूप में हुई। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराने के बाद परिजनों को सौंप दिया।

रविवार को ग्रामीणों ने पीलीभीत रोड स्थित ग्राम हल्दी के पास रेलवे पटरी के किनारे अचेत अवस्था में पड़े एक युवक को देखा। जिसकी सूचना सत्रहमील पुलिस चौकी प्रभारी ललित बिष्ट को दी। मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने युवक को निजी वाहन से अस्पताल भेजा लेकिन युवक ने रास्ते में दम तोड़ दिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर शिनाख्त का प्रयास किया। पुलिस ने मृतक के थैले में मिले आधार कार्ड के माध्यम से बरखेड़ा पीलीभीत पुलिस से संपर्क साधा और घटना की जानकारी दी। सूचना मिलने पर मोर्चरी पहुंचे परिजनों ने मृतक की पहचान संतोष कुमार (28) पुत्र सीताराम निवासी उमरा खान सिंह थाना बरखेड़ा जिला पीलीभीत यूपी के रूप में की। मृतक तीन भाईयों में सबसे छोटा था। मृतक के भाई सुनील कुमार ने बताया कि संतोष अविवाहित था। वह पिछले 8-10 सालों से बनबसा के एक फार्म पर काम करता था। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया।

श्रद्धालुओं ने मूर्तिकारों को सौंपी मिट्टी, मां दुर्गा व अन्य प्रतिमाओं के निर्माण का काम हुआ शुरू

माटी पूजन के साथ दुर्गा पूजा महोत्सव की तैयारियां शुरू

संवाददाता, दिनेशपुर

अमृत विचार: दिनेशपुर एक बार फिर से मां दुर्गा की भक्ति से सराबोर होने वाला है। यहां दुर्गा पूजा महोत्सव को लेकर जोरशोर से तैयारियां शुरु हो गई हैं। दुर्गा पूजा महोत्सव के लिए प्रतिमाओं के निर्माण का कार्य प्रारंभ हो गया है। इसी के क्रम में रविवार को माटी पूजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें भारी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रतिभाग किया। इसी के साथ ही आगामी छह दिवसीय दुर्गा पूजा महोत्सव की तैयारी नगर मे जोर-शोर से शुरु हो गई है।

मूर्तिकार ने देवी देवताओं की प्रतिमाओं का निर्माण कार्य शुरु कर दिया है। रविवार को दुर्गा मंदिर परिसर में मूर्ति निर्माण के लिए मिट्टी पूजन कार्यक्रम का आयोजन हुआ। केन्द्रीय और उत्सव कमेटी के पदाधिकारियों ने पूजा अर्चना के बाद मां के जयकारे के साथ मिट्टी को मूर्तिकार शक्तिफार्म निवासी कानू दादा की टीम को सौंपा। मूर्तिकार ने बताया कि इस बार मां दुर्गा सहित सभी प्रतिमाओं का निर्माण भव्य तरीके से किया जाएगा। मूर्ति का निर्माण पूरी तरह से मिट्टी से ही किया जाएगा। इस मौके पर दुर्गा पूजा रजिस्ट्रर्ड समिति के अध्यक्ष सरोज मंडल, महामंत्री काजल राय, उपाध्यक्ष मृत्युंजय सरकार, उत्सव कमेटी अध्यक्ष रोहित मंडल, पूर्व अध्यक्ष मनोज राय उर्फ मुन्ना, तारक बाछाड़, विकास सरकार, डॉ. सुधीर राय, आशुतोष राय, राजू गाईन, गोविंद मंडल, दिपांकर राय, डॉ सिमरन पांडे,विकास बैरागी, डॉ. शंकर हाल्दार, सूरज राय आदि मौजूद थे।

दिनेशपुर में दुर्गा पूजा महोत्सव के लिए माटी पूजन कार्यक्रम में मौजूद स्थाई व पूजा उत्सव कमेटी के सदस्य। ● अमृत विचार

बर्ड फ्लू की दस्तक से हरकत में प्रशासन, मीट की दुकानें कराईं बंद

किशनपुर क्षेत्र में मुर्गियों की अचानक हुई मौत, बरेली से कराई गई जांच में हुई बर्ड फ्लू की पुष्टि

संवाददाता, किच्छा

अमृत विचार: कोतवाली अंतर्गत पोल्ट्री फार्म में हजारों मुर्गियों की मौत के बाद प्रशासन सतर्क हो गया है। प्रशासन की टीम द्वारा मृत मुर्गियों की बरेली से कराई गई जांच में बर्ड फ्लू की पुष्टि होने पर प्रशासन ने एक किलोमीटर क्षेत्र को संक्रमित तथा 10 किलोमीटर परिधि को सतर्क घोषित कर दिया है। प्रशासन ने नगर और आसपास क्षेत्र में चिकन बिक्री पर रोक लगाते हुए मृत मुर्गियों को दफना दिया है।

जानकारी के अनुसार नगर क्षेत्र अंतर्गत किशनपुर में एक पोल्ट्री फार्म के स्वामी द्वारा सूचना दी गई थी कि अज्ञात कारणों के चलते उसके पोल्ट्री फार्म में हजारों मुर्गियों की अचानक मौत हो गई है। मामले की सूचना पर उप जिलाधिकारी गौरव पांडे, तहसीलदार गिरीश चंद्र त्रिपाठी, नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी गुरमीत सिंह, पशु चिकित्सक डॉ. मृगेश चौधरी की टीम मौके पर पहुंची और पोल्ट्री फार्म का निरीक्षण करते हुए जानकारी हासिल की। एसडीएम पांडे ने बताया कि आईवीआरआई बरेली से मृत मुर्गियों की जांच कराई गई तो जांच में बर्ड फ्लू पॉजिटिव होने की पुष्टि हुई है। फिलहाल प्रशासन ने जेसीबी मशीन के माध्यम से गहरा गड्ढा खुदवा कर सभी मुर्गियों को दफन करवा दिया। प्रशासन ने नगर क्षेत्र में चिकन बिक्री पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगाते हुए नगर क्षेत्र में चेकिंग अभियान चलाया और मुर्गियों के परिवहन पर रोक लगा दी है। एसडीएम पांडे ने चेतावनी देते हुए कहा कि अगर किसी व्यक्ति के पास मुर्गियां मिलेंगी तो उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। उन्होंने जनता से अपील की है कि पोल्ट्री फार्म से संबंधित खान-पान की चीजों के उपयोग से वर्तमान दौर में बचना चाहिए और मुर्गी पालन करने वाले लोगों से पशु चिकित्सकों को जानकारी देने के साथ ही मुर्गियों का परीक्षण कराने की अपील की है। उन्होंने मुर्गी पालकों से सतर्क रहने को कहा है। फिलहाल प्रशासन के निर्देश पर अग्रिम आदेश तक सभी मीट विक्रेताओं की दुकान बंद रखने के निर्देश जारी किए गए हैं।

किच्छा के किशनपुर क्षेत्र में मौके पर जांच करती प्रशासन की टीम। ● अमृत विचार

सीएम पोर्टल पर समस्या का समाधान न होने का आरोप

बाजपुर : मक्खन लाल ओड़ राजपूत ने सीएम पोर्टल पर समस्या का समाधान न होने का आरोप लगाया है। उन्होंने इस संबंध में सांसद अजय भट्ट को शिकायती पत्र प्रेषित किया है। सांसद अजय भट्ट को प्रेषित शिकायती पत्र में मक्खन लाल का कहना है कि उनका वोट तो लिया जाता है, लेकिन इस समाज की किसी भी समस्या का समाधान नहीं करना चाहते। कहा कि ऐसा ही एक मामला ग्राम वनगढ़ गोबरा बन्नाखेड़ा बाजपुर की भूमि का है और इस मामले को मुख्यमंत्री पोर्टल के माध्यम से भी उठाया गया, लेकिन उसका कोई समाधान नहीं हुआ है। ओड़ राजपूत समाज के अध्यक्ष रहे अशोक कुमार भगत ने आरक्षण के लिए काफी प्रयास किया, लेकिन सरकार ने अनसुना कर दिया। रिपोर्ट सरकार के माध्यम से दिल्ली आयोग को नहीं भेजी गई। मंदिर की जमीन का गैर कानूनी पट्टा बनाकर दूसरे को दे दिया गया, वह मंदिर की जमीन को हड़पना चाहते हैं। इस मामले में डीएम साहब से पत्राचार कर शिकायत की गई, लेकिन कोई समाधान नहीं हुआ है। कहा लोग मंदिर परिसर की भूमि को दाएं-बाएं से काटकर अपने खेत में मिला रहे हैं। कहा कि उनकी कन्याओं को शिक्षा के लिए 12 किमी दूर जाना पड़ता है। जिससे दिक्कतें होती हैं।

पिता-पुत्र की मौत पर नेता प्रतिपक्ष ने जताया शोक

बाजपुर गांव में घटना की जानकारी लेते नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य। ● अमृत विचार

संवाददाता, बाजपुर

अमृत विचार: नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य ने रविवार को गांव बाजपुर पहुंचकर घोघा नदी बहे अकली और उनके कामिल की मौत पर शोक संवेदनाएं व्यक्त कीं। पीड़ित परिवार के घर पहुंचे आर्य ने हर संभव मदद का आश्वासन दिया। आर्य ने कहा कि पिता-पुत्र का एक साथ चले जाना यह बड़ी दुखद घटना है। उन्होंने मृतक की बेटियों की शादी में भी भरपूर सहयोग का आश्वासन दिया।

उन्होंने एसडीएम डॉ. अमृता शर्मा से वार्ता कर कामिल का आपदा मदद का चेक जल्द परिजनों को देने को कहा। ग्रामीणों ने आर्य को बताया कि मृतक अकील की पांच बेटियां हैं, जबकि एक बेटा था, जोकि हादसे का शिकार हो गया है। घर में दो बेटियों की नवंबर माह में शादी की तैयारियां चल रही थी। वहीं गमगीन माहौल में कामिल को दफनाया गया। मृतक अकील की पत्नी फूलजहां पति एवं बेटे की एक साथ मृत्यु से पूरी तरह टूट गई है। इस मौके पर हरेन्द्र सिंह लाडी, जोरावर सिंह भुल्लर सहित सैकडों ग्रामीण मौजूद रहे। बताते चलें कि 15 अगस्त को कामिल व उसके पिता अकील अहमद घोघा नदी में बह गए थे जिससे दोनों की ही मौत हो गई। गौरतलब है कि इससे पूर्व विगत 3 अगस्त को लेवड़ा नदी की बाढ़ में बालक यश की मौत हो गई थी।

काशीपुर में सुपरवाइजर पर किया जानलेवा हमला

संवाददाता, काशीपुर

● पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने दर्ज किया मामला

अमृत विचार: गैर हाजिरी में ड्यूटी न लगाने को लेकर एक सफाई कर्मचारी ने सुपरवाइजर पर जानलेवा हमला कर उसे घायल कर दिया। पुलिस ने सुपरवाइजर की तहरीर के आधार पर कर्मचारी पर प्राथमिकी पंजीकृत की है।

आईटीआई पुलिस को दी तहरीर में जसपुर खुर्द निवासी अंकित कुमार पुत्र स्व. राजेन्द्र कुमार ने बताया कि वह नगर निगम में सुपरवाइजर के पद पर कार्यरत है। बीती 11 अगस्त की प्रातः 7 बजे वह खड़कपुर-देवीपुरा में सफाई कार्य करा रहा था। तभी उसके अधीन कार्य करने वाला सफाई कर्मचारी आउटसोर्सिंग (ठेका पर) नरेश पुत्र रमेश निवासी मोहल्ला महेशपुरा बाल्मीकी बस्ती, जो गैर हाजिर चल रहा था, उसके पास आया और उससे अभद्रता करते हुए कहने लगा कि मेरी गैरहाजिरी में भी हाजिरी लगाना। इसका विरोध करने पर आरोपित ने लोहे की राड से जान से मारने की नियत से उस पर वार कर घायल कर दिया। बताया कि शोर मचाने पर आसपास मौजूद लोगों ने उसे बचाया। जब वह सरकारी अस्तपाल में पहुंचा, तो सिर की चोट को देखते हुए उसे रेफर कर दिया। उसका एक निजी अस्पताल में उपचार चल रहा है।। पुलिस ने तहरीर के आधार पर आरोपित पर प्राथमिकी पंजीकृत कर ली है।

ट्रांसपोर्ट चालकों ने उड़ाया सामान, मुकदमा हुआ दर्ज

रुद्रपुर : शहर के नामी ट्रांसपोर्ट कंपनी के दो ट्रक चालकों ने ही कंपनी का महंगा सामान चोरी कर लिया। पुलिस ने सुपरवाइजर की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।आर एस लॉजिस्टिक कंपनी के सुपरवाइजर जावेद खॉ ने बताया कि वह कंपनी में चालकों की नियुक्ति का दायित्व निभाता है। कंपनी के वाहन संख्या एनएल 01 एएच 7279 का संचालन चालक अरमान खां निवासी बैकुंठपुर बरेली यूपी और दूसरे वाहन संख्या एनएल 01 एजे 1688 का संचालन आरिफ खां निवासी गांव अभयपुर भोजीपुरी कर रहे थे। कुछ दिन पर ऑडिट में पता चला कि चालकों द्वारा अपनी ही कार्यरत कंपनी के दस महंगे रिम चोरी कर भोजीपुरा स्थित एक नामचीन हॉस्पिटल के कर्मी शाने आलम और आमीन के साथ मिलकर औने पौने दामों में बेच दिया। जांच में यह भी पता चला कि इससे पहले कंपनी से 30 से अधिक रिम चोरी होने का मामला सामने आया है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

कांग्रेस ने फूंका भाजपा सरकार का पुतला

● बोले कापड़ी, प्रदेश को गुंडाराज की ओर धकेल रही है भाजपा

संवाददाता, खटीमा

अमृत विचार: पंचायती चुनाव में भाजपा पर सत्ता के दुरुपयोग और शासन प्रशासन की मिलीभगत से चुनाव की प्रभावित करने का आरोप लगाते हुए कांग्रेसियों ने रविवार को मुख्य चौराहे पर प्रदर्शन किया और प्रदेश सरकार का पुतला दहन किया।

मुख्य चौक पर एकत्र हुए कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। विधायक भुवन कापड़ी ने कहा कि प्रदेश भर में पंचायती चुनावों को लोकतांत्रिक मर्यादाओं को तार-तार करते हुए सत्ता पक्ष ने धांधली से प्रभावित किया गया है। उन्होंने कहा कि नानकमत्ता और सितारगंज में जीते हुए प्रत्याशियों को पराजित दिखाकर तीसरे नंबर के प्रत्याशियों को विजयी घोषित कर दिया गया। नैनीताल में जिला पंचायत अध्यक्ष के चुनाव के दौरान खुलेआम शासन-प्रशासन की मिलीभगत से पुलिस की मौजूदगी में जिला पंचायत सदस्यों का अपहरण किया गया और उनके साथ मारपीट की गई। बेतालघाट में खुलेआम गोलीबारी की गई। बाजपुर में गुंडागर्दी कर चुनाव को प्रभावित किया गया। द्वाराहाट में पुलिस प्रशासन के सामने पथराव किया गया। रुद्रप्रयाग में एक वोट निरस्त कर कांग्रेस प्रत्याशी को पराजित घोषित कर दिया गया। विधायक कापड़ी ने कहा कि जहां राज्य सरकार की जिम्मेदारी निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण चुनाव कराने की होती है, वहीं सरकार स्वयं चुनावों में हस्तक्षेप कर रही है। कानून-व्यवस्था बनाए रखने की बजाय सत्ता पक्ष ने गुंडागर्दी और अराजकता को बढ़ावा दिया है। विधायक कापड़ी ने कहा कि उत्तराखंड, जिसे धार्मिक, पर्यटन और संतों की भूमि के रूप में जाना जाता है, आज भाजपा सरकार की नीतियों के चलते इसको जंगलराज और गुंडाराज की ओर धकेला जा रहा है। इस अवसर पर प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य उमेश सिंह राठौर बॉबी, ब्लॉक अध्यक्ष विनोद चंद, मान सिंह, नगर महामंत्री पंकज टम्टा, जिलाध्यक्ष युवा नरेंद्र आर्या, प्रदेश महामंत्री युवा रमेश रौतेला, सलमान, वरिष्ठ कांग्रेसी दान सिंह राणा, राजू सोनकर, नवीन राणा, प्रवीण बिष्ट, प्रकाश बिष्ट, नासिर खान, मो ताहिर, अरफात अंसारी, रोशन सिंह, रवि अग्रवाल, नीरज कन्याल, दीपक मुंडेला, नूर अहमद, नीरज बिष्ट, सूरज बिष्ट, राहुल कुमार, संजीव पासवान, उपेन्द्र कुमार, पंकज बिष्ट, भूपेंद्र गंगवार, उमेद ऐरी, बीरू राणा, प्रदीप कुमार, रेहान अंसारी व रवि बिष्ट रहे।

खटीमा में प्रदेश सरकार का पुतला दहन करते कांग्रेसी। ● अमृत विचार

सड़क हादसे में टुकटुक चालक की जान गई

शांतिपुरी : नगला नगरपालिका निवासी एक टुकटुक चालक युवक की सड़क हादसे में मौत हो गयी है। पुलिस ने मृतक का पंचनामा कर शव को पोस्टमार्टम के लिए मार्चरी भेज दिया है। जानकारी के अनुसार नगला गोलगेट निवासी 22 वर्षीय सुकम सिंह पुत्र स्व. शंकर सिंह रविवार सुबह अपने टुकटुक से सवारी छोड़ने लालकुआं गया हुआ था। वापसी में वह खाली आ रहा था और इसी दौरान सुभाषनगर दवाई फॉर्म के पास पीछे से उसे किसी अज्ञात वाहन ने जोरदार टक्कर मार दी जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। राहगीरों के कॉल करने पर पहुंची 108 एंबुलेंस से उसे हल्द्वानी हायर सेंटर भेजा गया जहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। थाना प्रभारी सुंदरम शर्मा ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। हादसे की जांच की जा रही है।

सुकम सिंह (फाइल)।

बेखौफ चोर पुलिस को लगातार दे रहे हैं चुनौती, पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर शुरू की तलाश

रुद्रपुर में ऑटो लिफ्टर गिरोह का आतंक, चार बाइक उड़ाईं

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: थाना ट्रांजिट कैंप और कोतवाली इलाके में ऑटो लिफ्टर गिरोह का आतंक बरकरार है। चोरों ने चार बाइक चोरी कर पुलिस को एक बार फिर चुनौती दे डाली है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर तलाश तेज कर दी है।

जानकारी के अनुसार हाल निवासी ठाकुरद्वारा मुरादाबाद निवासी पाकेश कुमार ने बताया कि 26 जून की रात्रि 8 बजे वह किच्छा बाईपास मार्ग स्थित झील के समीप बाजार गया हुआ था। इस दौरान बाइक संख्या यूके-07 डीवाई-8981 को लॉक कर बाहर खड़ी कर दी थी। थोड़ी देर बाद वापस लौटा तो बाइक चोरी हो चुकी थी। काफी खोजबीन के बाद भी बाइक का कोई सुराग नहीं लगा। दूसरी घटना में आनंद साना निवासी संजय नगर खेड़ा ने बताया कि 17 अगस्त को वह अपनी बाइक संख्या यूके-06 एवाई-3718 को लेकर सिविल लाइन स्थित शॉपिंग मॉल गया था और बाइक को बाहर खड़ी कर दी थी। थोड़ी देर बाद लौटा तो बाइक चोरी हो चुकी थी। तीसरी घटना में अरविंद कुमार छाबडा निवासी सिंह कॉलोनी ने बताया कि 29 जुलाई की दोपहर दो बजे उसने अपनी स्कूटी संख्या यूके-06 एजी-3663 को लॉक कर घर के बाहर खड़ी कर दी थी और थोड़ी देर बाद देखा तो स्कूटी चोरी हो चुकी थी। चौथी घटना में चेतन प्रकाश निवासी बल पुरा मीरगंज बरेली निवासी ने बताया कि चार अगस्त की शाम आठ बजे वह अपनी बाइक संख्या यूपी-25सीबी-0865 को लेकर झील स्थित सोमवार बाजार में सामान खरीदने गया था और बाइक को लॉक कर बाहर खड़ी कर दी थी। थोड़ी देर बाद लौटा तो बाइक चोरी हो चुकी थी। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर चोरों की तलाश तेज कर दी है।

सितारगंज में भी बाइक चोर सक्रिय

सितारगंज : क्षेत्र में चोरों के हौसले बुलंद होते जा रहे हैं। ताजा मामला ग्राम झुकहा का है जहां निर्मल सिंह पुत्र दर्शन सिंह की बाइक अज्ञात चोरों ने चुरा ली। जानकारी के अनुसार निर्मल सिंह ने 11 जुलाई की रात करीब 10:30 बजे अपनी बाइक घर के अंदर खड़ी की और भोजन करने के बाद सो गए। सुबह 12 जुलाई को जब वह करीब 6 बजे उठे तो देखा कि बाइक गायब थी। काफी खोजबीन की गई लेकिन बाइक का कोई सुराग नहीं मिला। पीड़ित ने घटना की तहरीर कोतवाली सितारगंज में दी है। पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। लोगों ने पुलिस से जल्द खुलासे और बाइक बरामद करने की मांग की है।

कंपनी के पार्किंग में खड़ी बाइक हुई चोरी

शक्तिफार्म : अज्ञात चोरों ने पार्किंग में खड़ी बाइक चुरा ली। मामले में पुलिस ने बाइक स्वामी के शिकायत पर अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत कर जांच आरंभ कर दी। गांव अडौली, जहानाबाद (पीलीभीत) निवासी दर्शन लाल पुत्र राम सिंह ने बताया कि वह सिडकुल स्थित रेकिट बेंकिजर कंपनी में काम करता है। तीन अगस्त को वह दोपहर दो बजे की शिफ्ट में काम करने गया था। उसने बाइक को कंपनी के गेट नंबर तीन के सामने खड़ा किया था। ड्यूटी पूरी करने के बाद जब वह वापस लौटा, तो उसे बाइक नियत स्थान पर नहीं मिली। सीसीटीवी में एक अज्ञात व्यक्ति उसकी बाइक चुराता हुआ नजर आ रहा है। वहीं, मामले में पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत कर जांच आरंभ कर दी।

मारपीट मामले में कोर्ट के आदेश पर केस दर्ज

किच्छा : किच्छा कोतवाली अंतर्गत धाधा फॉर्म निवासी जुगराज सिंह पुत्र स्वर्गीय हरजीत सिंह ने कहा कि विगत 20 मई को बाग में काम कर रहा था, तभी ग्राम गऊघाट कठर्रा निवासी जुबेर पुत्र बाबू बाग में घुस आया और घास काटने लगा। उसके मना करने पर जुबेर ने दराती से हमला कर दिया। पीड़ित ने भाग कर अपनी जान बचाई। पीड़ित के अनुसार अगले दिन वह पिपलिया मोड़ पर शाम आरोपी जुबेर व उसके साथी इलियास, रिवाज व अन्य दो-तीन अज्ञात लड़कों ने उसे घेर लिया और बाइक क्षतिग्रस्त करने के साथ ही केन में रखा दूध गिरा दिया। इस दौरान राहगीरों ने उसे घायल अवस्था में घर पहुंचाया। आरोप लगाया कि कोतवाली पुलिस को शिकायत दिए जाने के बाद पुलिस ने रिपोर्ट लिखने से मना कर दिया। जबकि घटना में पीड़ित की कलाई के दोनों हड्डी टूट गई तथा गले में धारदार हथियार से गहरी चोट लग गई। घटना के बाद से आरोपी घर के सामने हूटिंग करने के साथ ही अप्रिय घटना को अंजाम देने की कोशिश में है। पुलिस ने कोर्ट के आदेश पर केस दर्ज कर लिया है।

भूमि को लेकर हुए विवाद में 9 लोगों के खिलाफ केस

संवाददाता, बाजपुर

अमृत विचार: केलाखेड़ा थाना क्षेत्रांतर्गत अंबेडकर पार्क के लिए चिह्नित विवादित भूमि पर जुताई को लेकर हुए विवाद के मामले में पुलिस ने कोर्ट के आदेश पर नौ लोगों के विरुद्ध प्राथमिकी पंजीकृत कर ली है।

ग्राम गणेशपुर निवासी रतन लाल पुत्र देवकी नंदन ने कोर्ट में प्रार्थना पत्र देकर बताया कि दो जनवरी 2025 की सुबह करीब 10:30 बजे वह गांव में स्थित प्राचीन देवी मंदिर पर पूजा करने जा रहा था। तभी देखा कि गांव में स्थित अंबेडकर पार्क के लिए चिह्नित भूमि पर ग्राम मानपुर स्वार रामपुर उप्र निवासी हरमीत सिंह पुत्र जयमल सिंह, जयमल सिंह, ग्राम गणेशपुर निवासी पमजीत सिंह उर्फ प्रिंस, अमृतपाल सिंह पुत्रगण सुखविंदर सिंह, पलविंदर सिंह उर्फ शेरा पुत्र मनजीत सिंह, प्रभुदयाल सिंह पुत्र दीदार सिंह, अवतार सिंह पुत्र नरबैल सिंह, अमनदीप सिंह पुत्र सुखविंदर सिंह एवं ग्राम टांडाखेम निवासी गुरजिंदर सिंह उर्फ लाले पुत्र अमरीक सिंह दो ट्रैक्टरों भूमि पर कब्जा करने की नियत से जुताई कर रहे थे। भूमि अंबेडकर पार्क के लिए चिह्नित होने की बात कहते हुए जुताई करने पर टोका तो वह आग-बबूला हो गए और गाली-गलौज करने लगे। रतन लाल ने उसी समय अपने फोन से ग्राम प्रधान अनीता के पति को सूचना दे दी। इसी बीच आरोपितों ने तलवार आदि से हमला कर उसे घायल कर दिया

अमृत विचार

हल्द्वानी , सोमवार, 18 अगस्त 2025

सिटी ब्रीफ

राज सिंह युवा कांग्रेस के विधानसभा अध्यक्ष मनोनीत

नानकमत्ता : युवा कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष सुमितर सिंह भुल्लर ने राज सिंह को युवा कांग्रेस का विधानसभा अध्यक्ष मनोनीत किया है। राज सिंह के युवा कांग्रेस के विधानसभा अध्यक्ष मनोनीत होने पर युवा कार्यकर्ताओ ने राज को बधाई दी है। बधाई देने बालो में बलवन्त सिह, बलजिंदर सिंह, सुरेन्द्र सिंह करनावल, सतनाम सिह शामिल थे।

पेंशनरों का 20 को हल्द्वानी में मौन व्रत और धरना-प्रदर्शन

रुद्रपुर : उत्तराखंड गवर्नमेंट पेंशन वेलफेयर ऑर्गेनाइजेशन की उधमसिंह नगर शाखा ने पेंशनरों से 20 अगस्त को हल्द्वानी के बुद्ध पार्क में होने वाले मौन व्रत व धरना-प्रदर्शन में शामिल होने की अपील की है। उत्तराखंड गवर्नमेंट पेंशन वेलफेयर ऑर्गेनाइजेशन के जिला महासचिव एसके नैय्यर ने बताया कि नेशनल इंक्रीमेंट का लाभ राज्य सरकार ने अप्रैल 2023 से लागू किया, जबकि केंद्र व यूपी सरकार इसे 1 जनवरी 2006 से दे रही है। इसी असमानता के विरोध में कार्मिक एकता मंच के संस्थापक अध्यक्ष रमेश चन्द्र पांडे 48 घंटे का मौन उपवास करेंगे। सरकार से 2006 से नेशनल इंक्रीमेंट, कम्प्यूटेशन कटौती की अवधि 10 वर्ष 8 माह करने और उम्र के अनुसार क्रमिक पेंशन वृद्धि लागू करने की मांग की है।

स्वास्थ्य जागरूकता को निकाली साइकिल रैली

फिट इंडिया के तहत कार्यक्रम, मेयर दीपक बाली ने दिखाई हरी झंडी

काशीपुर में साइकिल रैली को हरी झंडी दिखाते मेयर दीपक बाली। ● अमृत विचार

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचार : उदयराज हिंदू इंटर कालेज में एनसीसी तथा भारतीय खेल प्राधिकरण के तत्वावधान में आयोजित फिट इंडिया साइकिल रैली का आयोजन किया गया।

रविवार को फिट इंडिया के तहत भारतीय खेल प्राधिकरण केंद्र (साईं) द्वारा राष्ट्रीय कैडेट कोर के सह-सहयोग के साथ निकाली गई। साइकिल रैली में 50 से अधिक एनसीसी कैडेट्स ने भाग लिया। इस दौरान मुख्य अतिथि महापौर

● 50 से अधिक एनसीसी कैडेट्स भी हुए रैली में शामिल

दीपक बाली ने रैली को झंडी दिखा कर प्रारंभ किया। रैली उदयराज हिन्दू इंटर कालेज से प्रारंभ होकर मेन बाजार, महाराणा प्रताप चौक, रतन सिनेमा रोड, कटोरातल होते हुए विद्यालय पहुंचकर समाप्त हुई। इससे पूर्व प्रधानाचार्य बृजेश कुमार गुप्ता, साईं प्रभारी नीरज कुमार समेत अतिथियों ने महापौर बाली का बुके भेंटकर सम्मानित किया। महापौर दीपक बाली ने सभी को फिट रहने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने शरीर को स्वस्थ रखने के लिए योग के साथ साथ दैनिक जीवन में साइकिल चलाने को बेहद जरूरी बताया। कार्यक्रम संचालन बायलोजी प्रवक्ता कौशलेश गुप्ता ने किया। यहां अग्रवाल सभा अध्यक्ष मनोज अग्रवाल, मेजर मुनीशकांत शर्मा, 78 यूके बटालियन हल्द्वानी प्रशासनिक अधिकारी जावेद अहमद, राजू गौतम, अमित गुप्ता, अजय कुमार यादव, अमित सक्सेना, पंकज कुमार तिवारी, दीपक शर्मा आदि मौजूद रहे।

गोगा बाबा के मेले में उमड़ी भक्तों की भीड़

काशीपुर : गोगा नवमी के अवसर पर मानपुर रोड पर प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी मेले का आयोजन किया गया। श्रद्धालु जन यहां स्थित बाबा के थान पर प्रसाद चढ़ाने पहुंचे।

बता दें कि भाद्रपद माह की कृष्ण पक्ष की नवमी तिथि (गोगाजी का प्रकट दिवस) को मनाई जाने वाली गोगा नवमी का एक समृद्ध इतिहास है। जो लोककथाओं और किंवदंतियों से जुड़ा है। गोगाजी, एक लोक देवता, जिन्हें जाहरवीर गोगा या गुग्गा पीर के नाम से भी जाना जाता है।

गौरतलब है कि गोगाजी को एक महान योद्धा और सांपों को नियंत्रित करने की दिव्य शक्तियों वाले लोक देवता के रूप में पूजा जाता है। गोगा नवमी के अवसर पर, गोगाजी के भक्त उनके सम्मान में विभिन्न स्थानों पर मेले आयोजित करते हैं, जिनमें काशीपुर भी शामिल है। इन मेलों में राजस्थान, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश और उत्तर प्रदेश जैसे विभिन्न क्षेत्रों से हजारों श्रद्धालु भाग लेते हैं, जबकि काशीपुर में आयोजित मेले में क्षेत्रीय श्रद्धालु पहुंचकर प्रसाद चढ़ाते हैं और गोगाजी के प्रति अपनी आस्था और भक्ति को दर्शाते हैं। मेले में खेल-खिलौने और खान-पान की दुकानें भी लगी हैं, जिन पर लोग खरीदारी को उमड़ रहे हैं।

विधायक ने किया पंचायत प्रतिनिधियों को सम्मानित

नानकमत्ता में पंचायत प्रतिनिधियों को सम्मानित करते विधायक गोपाल सिंह राणा।

संवाददाता, नानकमत्ता

अमृत विचार : क्षेत्रीय विधायक गोपाल सिंह राणा नेने नव निर्वाचित ग्राम प्रधान और क्षेत्र पंचायत सदस्यों को सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किया। उन्होंने नव निर्वाचित पदाधिकारियों से ग्रामीण क्षेत्रों के विकास में ध्यान देने का आह्वान किया।

रविवार को आयोजित सम्मान समारोह में चार दर्जन से अधिक कांग्रेस के समर्पित जनप्रतिनिधियों का विधायक ने शॉल और फूल माला पहनाकर सम्मानित किया। सम्मानित होने वालों में जिला पंचायत सदस्य डोहरा से मधू राणा, ग्राम प्रधान सरीता देवी, सुनखडी, भारती राणा नगला, मुकेश सिंह राणा किसनपुर, बलवीर कौर बरकी डांडी, जसविंदर सिंह बिजटी, जसवीर सिंह सैंजना पटपुरा, नरेश सिंह राणा पचपेड़ा तथा क्षेत्र पंचायत सदस्य बिष्णु सिंह राणा नगला, जोगेन्द्र सिंह पचपेड़ा भट्टा, बर्षा राणा मगरसडा, शनीलता चंदेरी समेत चार दर्जन से अधिक जनप्रतिनिधि शामिल हैं। उन्होंने कहा कि चुने प्रतिनिधि ग्रामीणों की समस्यायों का निस्तारण करें और गांव के विकास पर ध्यान दें। इस मौके पर विधायक प्रतिनिधि गौरव राणा, युवा कांग्रेस के ब्लाक अध्यक्ष सतनाम सिंह करनावल, युवा कांग्रेस के विधानसभा अध्यक्ष राजू सिह, सुरेन्द्र सिंह करनावल, नीरज सिंह राणा, नरेन्द्र सिंह, चंचल सिंह आदि शामिल थे।

मारपीट की शिकायत करने पर किया हमला

किच्छा : कोतवाली अंतर्गत क्षेत्र में आरोपियों के खिलाफ कोतवाली पुलिस को मारपीट की लिखित शिकायत देकर घर लौट रहे पीड़ित के साथ आरोपियों ने रास्ते में घेराबंदी कर मारपीट कर दी। पुलिस को दी शिकायत में कोतवाली अंतर्गत ग्राम दरउ निवासी रिहान खान पुत्र फ़िरासत खान ने कहा कि विगत 13 अगस्त को आरोपियों द्वारा की गई मारपीट की शिकायत देकर पीड़ित अपने भाई फैजान खान, गुल नवाज खान, तौफीक खान, शाहिद खान व शाहिद खान के साथ 15 अगस्त को रात्रि करीब 8 बजे घर वापस जा रहा था।

पीड़ित के अनुसार दरउ चौराहे पर आरोपियों ने उसको घेर लिया। बताया कि आगे वाली कार में आलिम खान तथा पीछे वाली थार गाड़ी में आलिम के साथी इकराम खान, शमी खान, आदिल खान, आदिब खान सहित अज्ञात लोग थे। बताया कि घेराबंदी करने के बाद आरोपियों ने उस पर फायर कर दिया, जिसमें वह बार-बार बच गया। इसके बाद आरोपियों ने लाठी डंडों से पीड़ित की गाड़ी में तोड़फोड़ शुरू कर दी। घटना के बाद कार में सवार पीड़ित एवं सभी लोगों ने भाग कर अपनी जान बचाई। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच प्रारंभ कर दी है।

अनिल मेलाघाट व्यापार मंडल के अध्यक्ष, मनोज महामंत्री बने

संवाददाता, खटीमा

खटीमा के मेलाघाट में व्यापार मंडल चुनाव में विजयी पदाधिकारी। ● अमृत विचार

अमृत विचार : उद्योग व्यापार मंडल अंबेडकर बाजार मेलाघाट के चुनाव में अनिल कुमार और महामंत्री पद पर मनोज कुमार ने अपने प्रतिद्वंदियों को हराकर जीत हासिल की। वहीं उपाध्यक्ष, सचिव और कोषाध्यक्ष निर्विरोध निर्वाचित घोषित किए गए।

रविवार को व्यापार मंडल के अध्यक्ष और महामंत्री पद के लिए मतदान शुरू हुआ। निर्धारित समय तक 170 मतदाताओं में 164 ने अपने मत का प्रयोग किया। मतदान के बाद मतगणना की कार्यवाही पूर्ण होने के बाद चुनाव अधिकारी डॉ. राम चंद्र सिंह ने विजेताओं की घोषणा की। जिसमें अध्यक्ष पद के लिए अनिल कुमार (98) ने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी रत्नेश कुमार (42) को 56 मतों से हराकर जीत हासिल की। जबकि तुलसी प्रसाद को 24 मत मिले। वहीं महामंत्री पद पर मनोज कुमार (87) ने निकटतम प्रतिद्वंदी साहेब सिंह (77) को कड़े मुकाबले में 10 मतों हराकर जीत हासिल की। चुनाव अधिकारी द्वारा उपाध्यक्ष पद पर राजेश वर्मा, सचिव पद पर राजदीप गौतम तथा कोषाध्यक्ष पद पर आशीष कुमार मौर्य को निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया। विजयी प्रत्याशियों ने बाजार में जुलूस निकाला तथा आतिशबाजी कर खुशी का इजहार किया। चुनाव समिति में डॉ. राम चंद्र सिंह, नारद राय, श्याम नारायण प्रजापति, मोती लाल, कादर खान तथा दीपक कुमार शामिल रहे।

खटीमा में डंपिंग जोन बने पुराने तहसील परिसर कांग्रेस पीसीसी सदस्य और अन्य।

बाजार के बीच बने डंपिंग जोन को हटाने की मांग

संवाददाता, खटीमा

अमृत विचार : कांग्रेस प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य उमेश सिंह राठौर बॉबी ने नगर पालिका द्वारा शहर के बीचों-बीच पुराने तहसील परिसर को डंपिंग जोन बनाने पर नाराजगी जाहिर की है। उन्होंने कहा कि यहां तहसील कर्मचारी कार्यालय है। बगल में शहीद स्मारक है जहां उत्तराखंड राज्य आंदोलनकारियों की प्रतिमाएं स्थापित हैं। उन्होंने नगर पालिका प्रशासन को चेतावनी दी गई कि यदि जल्द ही समाधान नहीं किया गया तो वह आंदोलन के लिए बाध्य होंगे। इस दौरान नगर महामंत्री युवा कांग्रेस पंकज टम्टा, रोहित शर्मा, रेहान अंसारी आदि उपस्थित रहे।

संत निरंकारी चैरिटेबल फाउंडेशन ने स्वच्छता को चलाया अभियान

संवाददाता, काशीपुर

काशीपुर में सफाई करते संत निरंकारी फाउंडेशन के सेवादार। ● अमृत विचार

अमृत विचार : संत निरंकारी चैरिटेबल फाउंडेशन द्वारा वननेस वन परियोजना के पांचवें चरण का आयोजन किया। यह आयोजन देशभर में 600 से अधिक स्थानों पर चला।

संत निरंकारी मंडल के सचिव, जोगिन्दर सुखीजा बताया कि सतगुरु माता सुदीक्षा महाराज एवं निरंकारी राजपिता रमित के पावन आशीर्वाद से वननेस वन अभियान का आयोजन किया गया है। केवल हरियाली फैलाने की पहल नहीं है, बल्कि यह प्रकृति से जुड़ाव मानवीय उत्तरदायित्व और सह-अस्तित्व की भावना को सुदृढ़ करने का प्रयास है। इसकी शुरुआत वर्ष 2021 में की गई थी अब यह अभियान ऐसे हरे-भरे वृक्षों में परिणत हो चुका है, जो लघु वनों का स्वरूप ले चुके हैं। इन वनों में प्रवासी पक्षियों की वापसी और जैव विविधता का पुनरुत्थान यह प्रमाणित करता है कि यह प्रयास केवल पर्यावरण की रक्षा नहीं, बल्कि प्रकृति के पुनर्जीवन का माध्यम भी बन चुका है। रविवार को राजकीय पशु चिकित्सालय में पौधरोपण किया गया साथ ही साफ सफाई भी की गई। मीडिया प्रभारी प्रकाश खेड़ा के अनुसार स्थानीय स्वास्थ्य विभाग के इंचार्ज के द्वारा निरंकारी मिशन के द्वारा किए गए इस वननेस वन अभियान की प्रशंसा की। स्थानीय मुखी राजेंद्र अरोड़ा के द्वारा भी सभी संतों का तथा स्वास्थ्य अधिकारियों का धन्यवाद करते हुए सतगुरु माता का संदेश दिया गया।

विधायक ने नदी से हुए भू कटाव का लिया जायजा

ज्ञानपुर गौरी क्षेत्र में बाढ़ से हुए नुकसान का जायजा लेते विधायक गोपाल सिंह राणा।

संवाददाता, खटीमा

अमृत विचार : नानकमत्ता के विधायक गोपाल सिंह राणा ने देवीपुर ग्राम पंचायत के ज्ञानपुर गौड़ी के बाढ़ पीड़ितों के हाल जाना। विधायक राणा ने ज्ञानपुर गौड़ी सीमा पर बहने वाली निहाई नदी से हुए भू कटाव एवं पीड़ित परिवारों से भेंट की और जल भराव का जायजा लिया।

विधायक राणा ने पीड़ित परिवारों को उचित राहत दिलाने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि उनका मामला शासन-प्रशासन के समक्ष उठाकर उचित राहत दिलाने की कार्यवाही करेंगे। निहाई नदी से हुए नुकसान पर उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया। यहां मान सिंह राणा, महेश राणा, खेमकरन, श्री कृष्ण राणा, करतार सिंह, रमेश यादव पूर्व प्रधान रहे।

बिल्वेश्वर मंदिर पहुंचे जिला पंचायत अध्यक्ष अजय मौर्य का स्वागत किया

संवाददाता, खटीमा

बिल्वेश्वर मंदिर में जिपं अजय मौर्य का स्वागत। ● अमृत विचार

अमृत विचार : चारुबेटा कॉलोनी स्थित बिल्वेश्वर मंदिर में नवनिर्वाचित जिला पंचायत अध्यक्ष अजय मौर्य का फूल माला पहनाकर स्वागत किया गया। वहीं मंदिर के पुजारी गणेश गिरी ने उन्हें आशीर्वाद दिया। शनिवार देर शाम बिल्वेश्वर मंदिर पहुंचे जिपं अध्यक्ष मौर्य ने शिव के दरबार में देश, प्रदेश व क्षेत्र के विकास एवं खुशहाली के लिए प्रार्थना की।

वहीं ग्रामीणों ने जिपं अध्यक्ष मौर्य का फूल मालाओं से स्वागत किया। उन्होंने कहा कि यह क्षेत्र की जनता का सौभाग्य है कि उनके क्षेत्र से सीएम पुष्कर सिंह धामी विधायक और अजय मौर्य निर्विरोध जिला पंचायत अध्यक्ष निर्वाचित हुए है। उन्होंने क्षेत्र की जनता को हर संभव विकास संपन्न कराने का आश्वासन दिया। इससे पूर्व उन्होंने काली मंदिर भगचुरी, शिव मंदिर खुदागंज, दुर्गा मंदिर जमौर, हल्दी, थारू भुड़िया, बरी अंजनिया के मंदिरों में एकत्रित ग्रामीणों ने उनका स्वागत किया और निर्विरोध निर्वाचित होने पर बधाई दी। ग्रामीणों ने श्रीकृष्ण की फोटो जिपं अध्यक्ष को भेंट की। इस दौरान सोमनाथ मौर्य, विक्रम संधू, दीपक मौर्य, वीरेंद्र मौर्य, भूपेंद्र राणा, बहादुर सिंह बिष्ट, मनोरथ तिवारी, पीतांबर पांडे, कल्याण सिंह थापा, जंग बहादुर थापा, बिनय थापा, भूपाल सिंह बिष्ट, नारायण सिंह अधिकारी, पूरन सिंह राणा, हयात सिंह बिष्ट, श्याम दत्त पांडे, बसंत जोशी थे।

सड़क हादसों में युवती समेत सात घायल

बाजपुर : अलग-अलग तीन सड़क हादसों में एक युवती सहित सात लोग गंभीर रूप से घायल हो गए, हकीमगंज स्वार रामपुर उप्र निवासी रुकसाद अली अपने दो अन्य साथियों असगर अली व नबाजीश के साथ कोटाबाग से लौट रहे थे कि केशोवाला-बन्नाखेड़ा मार्ग पर बाइक सवार से जोरदार भिड़ंत हो गई, जिसमें तीनों लोग गंभीर घायल हो गए। दूसरी घटना शनिवार रात आठ बजे बेरिया दौलत में हुई। यहां बुलेट बाइक और स्कूटी की भिड़ंत में ग्राम चंदनपुरा निवासी गुरचरण सिंह पुत्र बलवीर सिंह, सहजपाल पुत्र परमजीत सिंह व बेरिया दौलत निवासी वंदना पुत्री गंगा सिंह घायल हो गई। तीसरी घटना शनिवार रात्रि 11 बजे केलाखेड़ा हाईवे पर हुई दो बाइकों की भिड़ंत में केलाखेड़ा निवासी गुलफाम पुत्र इंतजार अली घायल हो गया। सभी को अस्पताल में भर्ती कराया गया।

काशीपुर में जिला उपाध्यक्ष राशिद अहमद का स्वागत करते कार्यकर्ता। ● अमृत विचार

राशिद अहमद सपा के जिला उपाध्यक्ष चुने गए

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचार : सपा की बैठक में राशिद अहमद को जिला उपाध्यक्ष चुना गया। रविवार को पंजाबी सभा रोड स्थित रिसार्ट में सपा के जिला अध्यक्ष रवि छाबड़ा की अध्यक्षता में हुई बैठक में छाबड़ा ने राशिद अहमद को मनोयन पत्र सौंपा।

बैठक में छाबड़ा ने कहा की उत्तराखंड में भाजपा राज से उत्तराखंड की जनता नाराज हो चुकी है। युवाओं को बेरोजगारी भत्ता नहीं मिलता। यहां महिला जिला अध्यक्ष जया ठाकुर प्रदेश सचिव मो. नाजिम सैफी अमरदीप सिंह सिद्धू, मोहन सिंह, विक्की बाटला, हर्ष शर्मा, मो. शादाब, मो. यामीन मंसूरी, मो. शाहनवाज, मो. नवाब, मो. नईम, सचिन कुमार, डॉ. राजीव गुप्ता आदि मौजूद रहे।

तैयारियां | राकेश लखेड़ा अध्यक्ष और गिरजेश खुल्बे उपाध्यक्ष चुने गए, 20 सितंबर से होगा रामलीला का शुभारंभ

श्री रामलीला कमेटी कुंडेश्वरी का गठन, सौंपी जिम्मेदारी

संवाददाता, काशीपुर

मां मनसा देवी मंदिर परिसर में रामलीला की तैयारियों को लेकर बैठक करते ग्रामीण।

अमृत विचार : किसान इंटर कॉलेज कुंडेश्वरी के प्रांगण में श्री रामलीला कमेटी कुंडेश्वरी की एक बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में इस वर्ष की रामलीला मंचन पर विचार विमर्श के पश्चात निर्णय लिया गया कि इस वर्ष की रामलीला के लिए पात्रों की रिहर्सल (तालीम) का कार्य 18 अगस्त से किया जाएगा।

17 सितंबर को श्री राम चन्द्र जी की झांकी निकाली जाएगी। 20 सितंबर से रामलीला मंचन होगा। 2 अक्टूबर को दशहरा विजयदशमी एवं 3 अक्टूबर को श्री रामचंद्र जी के राजतिलक के साथ समापन होगा। सर्वसम्मति से कमेटी के पदाधिकारी और सदस्यों को रामलीला मंचन के लिए जिम्मेदारियां आवंटित की गई। संरक्षक कन्हैयालाल चौधरी, विजेंद्र चौधरी, केवला नंद खंडूरी, अवतार सिंह नेगी, डॉक्टर गजपाल सिंह, भगत सिंह बिष्ट, राजेंद्र सिंह, चंदन सिंह, देवेंद्र बिष्ट, रामप्रसाद भगत, राकेश लखेड़ा अध्यक्ष, गिरजेश खुल्बे उपाध्यक्ष, अमित घिल्डियाल सचिव, संतोष श्रीवास्तव उपसचिव, वीरेंद्र सिंह बिष्ट कोषाध्यक्ष, महक सिंह व प्रकाश चंद उप कोषाध्यक्ष, उमेश तिवारी प्रबंधक, गोविंद बल्लभ जोशी उप प्रबंधक, आनंद बिष्ट मंच संचालक, उमेश प्रजापति तालीम निर्देशक, पंकज कलकल तालीम निर्देशक, जितेंद्र चौधरी सह तालीम निर्देशक, राहुल चौधरी स्टोर इंचार्ज, विपिन कुमार सहायक स्टोर इंचार्ज, राजेन्द्र नेता सहायक स्टोर इंचार्ज, अजय सिंह सहायक स्टोर इंचार्ज, हिमांशु नौगांई सहायक स्टोर इंचार्ज, राकेश कुमार सीनरी निर्देशक, सुनील प्रजापति सहायक सीनरी निर्देशक, संजय कुमार सहायक सीनरी निर्देशक, मुकेश नेगी सीनियर स्टेट सहायक, कौशल रौतेला स्टेज सहायक, राजकुमार स्टेज सहायक, प्रदीप सिरोही स्टेज सहायक, नईमुद्दीन सैफी मेकअप निर्देशक, उमा चंद मेकअप निर्देशक, योगेश कुमार मेकअप निर्देशक, वेद प्रकाश व पप्पू प्रजापति वॉलिंटियर, करन सिंह मीडिया प्रभारी, हरेंद्र सिंह रावत सोशल मीडिया प्रभारी, हिमांशु घिल्डियाल फोटोग्राफर शामिल है।

शांतिपुरी में रामलीला की तालीम शुरू

शांतिपुरी : रविवार को मां मनसा देवी मंदिर परिसर में रामलीला की तैयारियों को लेकर चार ग्राम सभाओं की संयुक्त बैठक हुई। नई कार्यकारिणी का गठन कर नारायण सिंह बिष्ट को अध्यक्ष, चंदन सिंह बिष्ट व बाले सिंह कोरंगा को उपाध्यक्ष, खीमानंद त्रिपाठी सचिव, सुभाष जोशी उपसचिव व भुवन चंद्र बुधानी को कोषाध्यक्ष तथा ऊर्जा निगम के सीई शेखर त्रिपाठी को संरक्षक चुना गया। बैठक में रामलीला मंचन को सफल बनाने के लिए कलाकारों का चयन एवं प्रशिक्षण देने का निर्णय लिया। जो रामलीला मंचन आरंभ होने तक जारी रहेगा। कमेटी के पूर्व अध्यक्ष गोबिन्द सिंह रौतेला, प्रधान कविता तिवारी, सैनिक संगठन अध्यक्ष दिगम्बर प्रसाद जोशी, पूर्व प्रधान दीपा काण्डपाल, इन्दर सिंह दफोटी, बिशन सिंह कोरंगा, अधिवक्ता आरपी शर्मा, भूपाल सिंह दानू, भोला दत्त पाण्डे, जगत सिंह पाल, बहादुर सिंह कोरंगा आदि रहे।

किच्छा में रक्तदान करते युवा। ● अमृत विचार

शिविर में 100 यूनिट रक्त किया गया एकत्र

किच्छा, अमृत विचार : नगर स्थित नालंदा सीनियर सेकेंडरी स्कूल में स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर शहीद उधम सिंह मेमोरियल ब्लड सेंटर के सहयोग से रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया।

उद्घाटन वरिष्ठ समाजसेवी डॉ. बृज किशोर एवं नालंदा स्कूल की डायरेक्टर डॉ. मृदुला किशोर ने किया। शिविर में 100 यूनिट रक्त एकत्र किया गया। शहीद उधम सिंह मेमोरियल ब्लड सेंटर के सदस्य प्रदीप सिंह खालसा, विद्यालय के प्रबंधक डॉ. राहुल किशोर एवं डॉ. मृदुला किशोर, प्रधानाचार्य बृजेश दुबे, रवि रावत, जितेंद्र सिंह संधू, सुनील कुमार, जुगराज सिंह, प्रदीप सिंह, कमल खुराना, चेतन गंगवार, अखिलेश सिंह, इकबाल सिंह आदि मौजूद रहे।

महिला ने लगाई सुरक्षा की गुहार

किच्छा: नगर के बसंत गार्डन कॉलोनी निवासी महिला शिमला देवी पत्नी स्वर्गीय जोगिंदर लाल ने कोतवाली पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसकी पुत्री शालिनी कत्याल की एक जमीन सौदे के बाद आवेश अहमद एवं नईमुद्दीन से जान पहचान हो गई थी। पीड़िता ने बताया कि उसकी कुछ भूमि दरउ मार्ग स्थित सुंदर बाग बारात घर के पीछे थी, जिसको बेचने के लिए उसके द्वारा आवेश अहमद एवं नईमुद्दीन से कहा था। बताया कि इसी दौरान इश्तियाक अहमद को जमीन पसंद आने पर उसने 15 मार्च 2025 को मौखिक तौर पर इश्तियाक अहमद से जमीन का सौदा तय कर लिया। जिसके बाद से आवेश अहमद और नईमुद्दीन उसकी पुत्री शालिनी कत्याल को लगातार धमका रहे हैं। पुलिस ने दोनों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

ब्रीफ न्यूज

बालकृष्ण मेले का पुरस्कार वितरण के साथ हुआ समापन

चम्पावत : चम्पावत जिले के भिंगराड़ा में आयोजित तीन दिवसीय ऐड़ी बालकृष्ण मेले का पुरस्कार वितरण के साथ रविवार को समापन हो गया। मेले के अंतिम दिन शनिवार शाम आंचल कला केंद्र हल्द्वानी के कलाकारों ने कुमाऊंनी, गढ़वाली, पंजाबी और नेपाली संस्कृति पर आधारित कार्यक्रम प्रस्तुत कर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। मेला समिति के अध्यक्ष मुकेश महराना ने सभी सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर सतीश भट्ट, तुलाराम भट्ट, रमेश भट्ट, गिरीश भट्ट, कृष्णानंद भट्ट, दीपक शर्मा, गीता भट्ट, भगवान कुंवर, स्वामी जगन्नाथ सहित सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी धूमधाम से मनाई गई

बनबसा : मां पूर्णागिरी भूमियां मंदिर बमनपुरी में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पर्व धूम धाम से मनाया गया। बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ कीर्तन एवं महिलाओं द्वारा रात्री 12 बजे तक भजन कीर्तन संध्या का आयोजन किया गया। बच्चों द्वारा कृष्ण भगवान की भेष भूषा में मटकी फोड़ी गई। मंदिर समिति के अध्यक्ष जीवन सिंह नेगी, त्रिलोचन जोशी, जनक जोशी, परी शर्मा, हरीश श्रीवास्तव, कीर्तन भट्ट, मनोज जोशी, पीतांबर जोशी, माधवी देवी, गीता पंत, लीला सजवान आदि मौजूद रहे।

11 सड़कों पर मलबा आने से थमी आवाजाही

सुबह हुई रिमझिम बारिश, दिन में भी छाए रहे बादल, अल्मोड़ा में 19 मिमी बारिश, भैंसियाछाना में 26

- सड़क से जुड़े गांवों का मुख्य मार्गों से टूटा संपर्क
- प्रशासन ने जेबीसी से कुछ सड़कों को देर शाम तक खोला

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचार : जिले में बारिश के कारण मलबा और बोल्डर आने से शनिवार को 11 सड़कों पर आवाजाही थम गई। इससे लोगों को यातायात करने में परेशानियों का सामना करना पड़ा। सड़क से जुड़े गांवों का मुख्य मार्गों से संपर्क भी टूट गया।

जिले के विभिन्न क्षेत्रों में बारिश से ग्रामीण क्षेत्र के लोगों की परेशानियां बढ़ गई है। बारिश के कारण नौला-सिरखेत, चफड़खान-सिमलधार, वल्मरा-स्याल्दे, बसौली-नाईढौल, गगास-उड़ी महादेव, उड़ीखान-भेटागांव, पपरौली-बल्टा, पंतगांव-रोलापानी ग्रामीण सड़क पर मलबा आ गया। मलबा आने से इन ग्रामीणों सड़कों पर आवाजाही बाधित रही। इससे सड़क के जुड़े ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को दिक्कतों से जूझना पड़ा। आवाजाही बंद होने से ग्रामीणों का मुख्य मार्गों से संपर्क कट गया। हालांकि प्रशासन की ओर से जेबीसी से अधिकांश सड़कों को देर शाम तक यातायात के खोल दिया गया। जिन स्थानों का रास्ता बंद था वहां के लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। इधर, रविवार को जिला मुख्यालय समेत आसपास के ग्रामीण इलाकों में दिन भर रिमझिम बारिश का दौर जारी रहा।

अल्मोड़ा के ग्रामीण मोटर मार्ग से मलबा हटाती जेसीबी मशीन। ● अमृत विचार

लोहाघाट में कैंटर वाहन के ऊपर गिरा देवदार का पेड़।

यहां इतनी हुई बारिश

जिला आपदा कंट्रोल के मुताबिक, शनिवार सुबह से रविवार सुबह तक 24 घंटों में अल्मोड़ा में 19 मिमी बारिश हुई। जबकि रानीखेत में छह मिमी, चौखुटिया में 25 मिमी, सोमेश्वर में 16 मिमी, द्वाराहाट में 11 .5 मिमी, भिकियासैंण में नौ मिमी, जागेश्वर में 22 .0 मिमी, ताकुला में 25 मिमी, सल्ट में चार मिमी, जैंती में नौ मिमी, भैंसियाछाना में 26 मिमी, मासी में 18 .5 मिमी और शीतलाखेत में सात मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई।

कैंटर वाहन के ऊपर गिरा देवदार का पेड़

लोहाघाट, अमृत विचार : नगर के समीप कोलीढेक पुल के पास रविवार सुबह करीब छह बजे भारी बारिश के बीच विशालकाय देवदार का पेड़ सड़क किनारे खड़े कैंटर वाहन के उपर गिर गया। घटना के समय न तो कैंटर के अंदर और न ही सड़क पर कोई मौजूद था, जिससे जनहानि टल गई। इस घटना से वाहन को काफी नुकसान हुआ है। सूचना मिलते ही प्रभारी अग्निशमन अधिकारी हंसराज सागर के नेतृत्व में दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची। त्वरित कार्रवाई करते हुए पेड़ को काटकर यातायात सुचारु किया। टीम में राजेश खर्कवाल, भरत सिंह, प्रतिभा राणा, नीलम राणा, हिमांशु कुमार, अनवर अली, राजेंद्र मेहता और नारायण सिंह बोहरा शामिल रहे। घटना के कारण खेतीखान जाने वाले मार्ग पर लगभग घंटे भर तक आवागमन बाधित रहा, जिससे स्थानीय लोगों और वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

टनकपुर पिथौरागढ़ राष्ट्रीय राजमार्ग का निरीक्षण करते डीएम मनीष कुमार।

डीएम ने किया संतोला क्षेत्र का निरीक्षण, दिए निर्देश

संवाददाता, टनकपुर

अमृत विचार : जिलाधिकारी मनीष कुमार ने टनकपुर पिथौरागढ़ राष्ट्रीय राजमार्ग के बाराकोट स्थित राष्ट्रीय राजमार्ग-09 के संतोला क्षेत्र का स्थलीय निरीक्षण किया।

इस दौरान उन्होंने वर्षा के कारण सड़क की वर्तमान स्थिति, उसकी स्थिरता और यातायात व्यवस्था का जायजा लिया। निरीक्षण के बाद उन्होंने संबंधित अधिकारियों और राष्ट्रीय राजमार्ग विभाग के कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने विशेष रूप से जल निकासी व्यवस्था को बेहतर बनाने, भूस्खलन की आशंका वाले क्षेत्रों पर लगातार नजर रखने और किसी भी तरह की सड़क रुकावट की स्थिति में तुरंत कार्रवाई करने पर जोर दिया। संतोला सहित जनपद में राष्ट्रीय राजमार्ग-09 पर यातायात सुचारु रूप से चल रहा है और जिला प्रशासन किसी भी आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह से तैयार है। संवेदनशील स्थानों पर चौबीसों घंटे निगरानी रखने और सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन करने का निर्देश दिए ताकि किसी भी संभावित खतरे को प्रभावी ढंग से टाला जा सके। निरीक्षण के दौरान, तहसीलदार जगदीश नेगी, अधिशासी अभियंता राष्ट्रीय राजमार्ग बृजमोहन आर्या आदि मौजूद रहे।

घी त्यार पर ओग देने पहुंचे बेटी के ससुराली

- अल्मोड़ा में धूमधाम से मनाया गया घी संक्रांति पर्व
- विभिन्न प्रकार के पकवान बनाए घी को भी किया शामिल

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचार : जिलेभर में लोक पर्व घी संक्रांति रविवार को हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। लोगों ने कुल देवता को नई फसल चढ़ाकर पूजा-अर्चना की। मान्यता है कि इस पर्व पर घी का सेवन जरूर करना चाहिए। मान्यता अनुसार साल भर कभी भी घी का सेवन नहीं करने वाले लोग भी इस दिन एक चम्मच घी जरूर खाते हैं।

प्रमुख तौर पर हरेला पर्व की तर्ज पर यह घी संक्रांति का पर्व भी ऋतु पर आधारित है। एक ओर जहां हरेला बीज बोने व नये पौधे लगाने का प्रतीक है, तो वहीं घी-त्योहार फसलों में बालियां लगने की खुशी का प्रतीक है। घी संक्रांति के दिन इसे खाया जाता है। इस दौरान मुख्य रूप से किसानों ने बोई फसलों के अंकुरित होने पर कुल देवताओं का पूजन कर सुख -समृद्धि की कामना की। वहीं, नवविवाहित बेटियों के ससुराली ओग देने पहुंचे। यह पर्व ग्रहों के राजा सूर्य के कर्क राशि से निकलकर अपनी सिंह राशि में प्रवेश करने के अवसर पर यह पर्व मनाया जाता है।

पर्यावरण संरक्षण को निशुल्क पौधे वितरित

बैरती (अल्मोड़ा) : पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लेते हुए सामाजिक कार्यकर्ता नंदन गिरि गोस्वामी एवं महिला किसान पौधालय कैड़ा बाखली गनाई-चौखुटिया द्वारा क्षेत्र व आसपास मुफ्त पौधे वितरित किये गए। गनाई, बौरागांव, पीपल धार, चौकोड़ी, रामपुर, बाखली, अखेती, बरलगाव, गोदी, बगड़ी आदि गांवों में लगभग पांच हजार पौधे वितरित किये गये।

इस अभियान में घनश्याम तिवारी, विनोद कुमार, चंदन कैड़ा, हरीश कुमार, विपिन जोशी, दयाल गिरि, गजेन्द्र सिंह नेगी, प्रकाश रावत, पान सिंह, धन सिंह , गीता गोस्वामी, किशोर कुमार आदि शामिल रहे। वितरित पौधों में बांज, कचनार, शहतूत, आतिश एवं पांगर आदि के पौधे शामिल हैं।

मुखर: चयन और प्रोन्नत वेतनमान देने की मांग

- एलटी समायोजित व पदोन्नत संघर्ष मंच की ऑनलाइन बैठक

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचार : समायोजित व पदोन्नति की मांग को लेकर शिक्षक संघ मुखर हो गया है। रविवार को शिक्षक संघर्ष मंच ने ऑनलाइन बैठक कर समस्याओं पर चर्चा कर समाधान की मांग उठाई। जल्द मांगें पूरी नही होने पर चरणबद्ध तरीके से आंदोलन की चेतावनी दी।

शिक्षकों ने कहा कि पिछले 19 सालों से वह चयन व प्रोन्नत वेतनमान की मांग कर रहे हैं, लेकिन मांग के बावजूद अब तक उन्हें वेतनमान नहीं दिया गया है। उन्होंने शासन से जल्द से जल्द चयन व प्रोन्नत वेतनमान देने की मांग की। साथ ही राजकीय एलटी समायोजित व पदोन्नत शिक्षक संघर्ष मंच ने राजकीय शिक्षक संघ को भी ज्ञापन भेजा। शिक्षक संघ की ओर से अब तक उनकी इस मांग को मुख्य मांगों में शामिल नहीं किया गया है। आज से होने वाले आंदोलन में अपना पूरा सहयोग देंगे, लेकिन अगर प्रांतीय कार्यकारिणी के कार्यकाल तक उनकी समस्याओं का निदान नहीं हुआ तो वह शिक्षक संघ की प्राथमिक सदस्यता से सामूहिक त्यागपत्र देंगे। यहां दिगम्बर फुलोरिया, सुजान बटोला, जेपी सिरोड़ी, गिरीश नवानी, देवेंद्र सगोई, हरीश गैरोला, कैलाश पांडे, नवीन जोशी, हेमंत बगडवाल, राधा नंदोली, आरती बिष्ट, भुवन जोशी आदि रहे।

अल्मोड़ा में अतिथि शिक्षकों ने चितई में लगाई न्याय की गुहार

- लंबित मांगों के निराकरण नहीं होने से नाराज है अतिथि शिक्षक
- जनवरी और जून का मानदेय दिए जाने की उठाई मांग

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचार : लंबित मांगों के निराकरण नहीं होने से अतिथि शिक्षकों में रोष है। रविवार को नाराज शिक्षकों ने चितई मंदिर में अर्जी लगाकर न्याय की गुहार लगाई। वहीं, जल्द जवनरी और जून का मानदेय देने की मांग उठाई।

अतिथि शिक्षकों ने कहा कि वह बीते सद साल से दुर्गम और अति दुर्गम विद्यालयों में सेवा दे रहे हैं। पूरी निष्ठा से पठन-पाठन कार्य संचालित किया जा रहा है। इसके बाद भी सरकार उनके हितों का शोषण कर रही है। वह बीते एक साल से जनवरी और जून का मानदेय देने की मांग कर रहे हैं। इसका सीधा असर उनकी आर्थिक स्थिति पर पड़ रहा है। तमाम बार सरकार से निवेदन किए जाने पर भी कोई सुनवाई नहीं हो रही है। इससे उनका भविष्य अंधकार में जा रहा है। उन्होंने सरकार और शिक्षा विभाग को सद्बुद्ध देने की प्रार्थना की साथ ही न्याय की गुहार लगाई है। यहां संतोष टम्टा, डौलू धौनी, नवल किशोर, कमला वाणी समेत कई शिक्षक-शिक्षिकाएं मौजूद रहे।

रविवार को चितई मंदिर में अर्जी लगाते अतिथि शिक्षक। ● अमृत विचार

बिण बीईओ के खिलाफ कार्रवाई की मांग

पिथौरागढ़: बिण बीईओ के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर एजुकेशनल मिनिस्टीरियल कर्मियों ने मुख्य शिक्षा कार्यालय में उपवास रखते हुए धरना दिया। उन्होंने शीघ्र कार्रवाई न होने पर आंदोलन तेज करने की चेतावनी दी। मिनिस्टीरियल कर्मियों ने बिण के बीईओ पर संगीन आरोप लगाते हुए कहा कि, पूर्व में संबंधित बीईओ के खिलाफ जांच कर कार्रवाई की मांग की गई लेकिन विभाग ने ऐसा नहीं किया। जब विभाग ने बीईओ के खिलाफ कार्रवाई नहीं की तो उन्हें उपवास रखते हुए धरना देना पड़ रहा है। इस मौके पर संघ के अध्यक्ष कमल किशोर, सचिव पंकज सिंह खोलिया, विरेंद्र परिहार, कैलाश बिष्ट, तीरथ राज द्विवेदी, कल्पना सेठी, दीपा सेठी, निशा कन्याल, किरन, मीना सौन, तनुजा नेगी आदि शामिल रहे।

'रुक्मिणी मंगल' नाटक ने बांधा समां

- श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव पर आयोजित नाटक को दर्शकों ने मुक्तकंठ से सराहा

संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार : श्री सनातन धर्म सभा, गीता भवन के सौजन्य से श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव के मौके पर गीता भवन सभागार में मेघदूत नाट्य संस्था ने रुक्मिणी मंगल नाटक की भव्य प्रस्तुति दी।

मेघदूत के संस्थापक और रंगमंच के पुरोधा एसपी ममगाईं द्वारा लिखित और निर्देशित रूक्मणी मंगल नाटक मूलतः रुक्मिणी और श्रीकृष्ण के विवाह, श्री बदरीनाथ धाम में घंटाकर्ण की तपस्या तथा प्रद्युम्न जन्म की रोचक कथा पर आधारित था। इसमें स्वयं भगवान कृष्ण रुक्मिणी

मंगल नाटक की प्रस्तुति देते कलाकार।

के साथ बदरीनाथ धाम पहुंचकर घंटाकर्ण को क्षेत्रपाल नियुक्त करते हैं। श्रीमद्भागवत पुराण, शिव पुराण, हरिवंश पुराण, स्कंद पुराण, कथावाचक राधेश्याम के खंडकाव्य रुक्मिणी मंगल, रामचरित मानस तथा गर्ग संहिता के प्रसंगों से ली गई विषयवस्तु पर आधारित नाटक ने दर्शकों को अंत तक बांधे रखा। नाटक में भगवान शिव की भूमिका विजय डबराल ने निभाई जबकि पार्वती का अभिनय जाह्नवी पांडे ने किया।

श्रीकृष्ण की भूमिका अनिल दत्त शर्मा और रुक्मिणी की भूमिका मिताली पुनेठा ने अदा की। ब्राह्मण की भूमिका में उत्तम बंदूनी, घंटाकर्ण नंदकिशोर त्रिपाठी और घंटा के भाई की भूमिका में गिरीविजय ढौंढियाल रहे। सुलेखा की भूमिका अर्चना भंडारी ने अदा की। अक्षित जोशी, ऋषि अंगिरा की भूमिका गोविंद थपलियाल और वसंत की भूमिका मनीष गुसाईं ने निभाई। सारंग की भूमिका में राजेश भारद्वाज, भूमा पूनम राणा, मंगला रश्मि जैना, सात्यकि हर्ष पांडे, वशिष्ठ प्रदीप शर्मा, कामदेव पूनम राणा, कृतवर्मा मनीष गुसाईं के अतिरिक्त डांडिया नृत्य में सपना गुलाटी, पूनम राणा, रश्मि जैना, इंदु रावत, अर्चना भंडारी, जाह्नवी पांडे, मोनिका, प्रियंका राणा, कशिश और ममता ने समा बांध दिया। नाटक का संगीत आलोक मलासी ने तैयार किया था जबकि संगीत संयोजन मोहित कुमार का रहा। अमिता मोहित, मोनिका ढौंढियाल, अभिषेक मेंदोला, सपना गुलाटी, प्रदीप शर्मा और ममता ने वस्त्र और रूप सज्जा में योगदान दिया। सिद्धार्थ डंगवाल ने रूपांतरित घंटाकर्ण का अभिनय किया। प्रेम कुमार, रवींद्र गोस्वामी, हर्ष पांडे ने भी शानदार अभिनय किया। कार्यक्रम का संचालन दिनेश शास्त्री ने किया। इस मौके पर कृषि मंत्री गणेश जोशी, विधायक खजान दास, सविता कपूर, सनातन धर्म सभा अध्यक्ष राकेश ओबेरॉय, महामंत्री विपिन नागलिया और गुलशन खुराना मौजूद रहे।

शारदीय नवरात्र में होगा रामलीला मंचन का शुभारंभ

टनकपुर : ग्राम ज्ञानखेड़ा के पंचायत भवन में इस बार भी शारदीय नवरात्र के पहले दिन से रामलीला मंचन का आयोजन किया जाएगा। उत्तरांचल रामलीला कमेटी के तत्वावधान में यहां रामलीला मंचन को लेकर तालीम भी शुरू हो गई है। जिसमें अंबा दत्त पंत अध्यक्ष व भरत मोनी सचिव चुने गए। इसके अलावा राजेंद्र अधिकारी संरक्षण, चंद्रशेखर गहतोड़ी उपाध्यक्ष, नारायण दत्त चिलकोटि कोषाध्यक्ष, अमर सिंह उप कोषाध्यक्ष, मुकेश जोशी उप सचिव व हरिओम सेठी मीडिया प्रभारी चुने गए। बैठक में बंशीधर चौड़ाकोटी, नरेंद्र पंत, जगदीश उप्रेती,ललित उप्रेती, गोविंद चन्द,तपन गड़कोटी, उमेश त्रिपाठी, चंद्र मोहन धानिक आदि मौजूद रहे।

महिला से मारपीट में दोषी को एक साल की सजा

- न्यायालय सिविल जज जूडि भिकियासैंण ने सुनाया फैसला
- न्यायालय ने 12 हजार रुपये के अर्थदंड से भी दंडित किया

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचार : मारपीट के एक मामले में न्यायालय सिविल जज जूडिवजन भिकियासैंण की अदालत ने फैसला सुनाया है। मामले में आरोपी को दोषी मानते हुए एक साल सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। सहायक अभियोजन अधिकारी अतुल कुमार ने बताया कि अगस्त 2024 में पीड़ित हरीश चंद्र जोशी, निवासी तामाढौन स्याल्दे ने शिकायत दर्ज कराई थी।

कहा कि उसके पड़ोसी मनमोहन सिंह बीते तीन-चार साल से शराब के नशे में गाली गलौज और जान से मारने की धमकी देते आ रहा था। 18 अगस्त रात नौ बजे आरोपी घर में घुस आया। पत्नी के साथ अभ्रदता की और पत्थरों से हमला कर गाली गलौज की। विरोध करने पर आरोपी ने जमकर हंगामा काटा।

आरोपी से जान का खतरा बताते हुए पीड़ित ने देघाट थाने में मुकदमा दर्ज कराया था। मामले में विवेचना अधिकारी की ओर से विवेचना पूर्ण कर आरोप पत्र न्यायालय में दाखिल किया गया। पत्रावली में मौजूद साक्ष्य व गवाहों का परिसीलन कर न्यायालय ने आरोपी को एक साल सश्रम कारावास की सजा सुनाई। साथ ही 12 हजार रुपये के अर्थदंड से दंडित किया।

लोक कला | बाराकोट की लक्षिता को ऐपण के क्षेत्र में डीएम मनीष कुमार का मिला प्रोत्साहन

युवा प्रतिभाओं को उचित मंच के साथ मिल रहा मार्गदर्शन

संवाददाता, टनकपुर

अमृत विचार : जनपद चम्पावत के बाराकोट की युवा कलाकार लक्षिता जोशी ने अपनी रचनात्मकता और लोक कला 'ऐपण' के प्रति अपने समर्पण से एक पहचान बनाई है। बाराकोट ब्लॉक के रेंगडु गांव की निवासी लक्षिता ने पारंपरिक ऐपण कला को आधुनिकता के साथ जोड़कर इसे डिजिटल युग में भी जीवंत रखने का सराहनीय प्रयास किया है।

लक्षिता ने जिलाधिकारी मनीष कुमार से उनके कैंप कार्यालय में मुलाकात की और अपनी बनाई हुई ऐपण कलाकृतियां उन्हें भेंट कीं। उनकी कलाकृतियों से प्रभावित होकर जिलाधिकारी ने उनकी प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि ऐसी प्रतिभाएं जनपद की पहचान हैं, और इन्हें उचित मंच प्रदान कर प्रोत्साहित करना हम सभी का दायित्व है। लक्षिता जोशी न केवल पारंपरिक गेरू और चावल के आटे (बिस्वार) से कलाकृतियां बनाती हैं, बल्कि उन्होंने अपनी कला को बड़े कैनवस और नए माध्यमों पर भी प्रस्तुत करना शुरू किया है। उनका मानना है कि इस डिजिटल युग में पारंपरिक कला और संस्कृति को विलुप्त नहीं होने देना चाहिए। वे ऑनलाइन माध्यमों से भी अपनी ऐपण निर्मित वस्तुओं को बेचकर इस कला को आय का एक सशक्त साधन बना रही हैं, जिससे यह स्वरोजगार का एक बेहतरीन उदाहरण बन रहा है। डीएम कुमार ने लक्षिता को उनकी पढ़ाई के साथ-साथ इस बात कला को निरंतर विकसित करने का सुझाव दिया। उन्होंने उन्हें जनपद में संचालित विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भाग लेने और अपनी प्रतिभा को और निखारने के लिए प्रेरित किया। इस सम्मान और मार्गदर्शन से उत्साहित होकर लक्षिता ने डीएम का आभार जताते हुए कहा कि यह प्रोत्साहन उनके लिए गर्व की बात है और उन्हें भविष्य में और अधिक परिश्रम करने की प्रेरणा देगा।

डीएम जनपद के ऐसे सभी प्रतिभाशाली युवाओं को चिन्हित कर उन्हें आवश्यक सहयोग और प्रोत्साहन प्रदान कर रहे हैं, ताकि वे अपने जनपद का नाम रोशन कर सकें। इस दौरान उनके साथ सुमन बोहरा और सौरभ मौजूद रहे।

चम्पावत में डीएम मनीष कुमार को ऐपण भेंट करतीं लक्षिता जोशी। ● अमृत विचार

टैक्सी यूनियन ने भारत नेपाल सीमा पर दिया सांकेतिक धरना

संवाददाता, बनबसा

अमृत विचार : देवभूमि टैक्सी संचालन समिति के द्वारा अपनी मांगों को लेकर शनिवार को भारत नेपाल सीमा पर स्थित शारदा बैराज चौकी के समीप सांकेतिक धरना प्रदर्शन किया गया। जानकारी के अनुसार 6 अगस्त से भारतीय टैक्सियों को नेपाल प्रशासन के द्वारा नेपाल सीमा में आने से रोक दिया गया है।

जिसके कारण भारतीय टैक्सियां भारत सीमा पर स्थित सात नंबर पिलर से आगे नहीं पा रही है। टैक्सी संचालकों का कहना है कि भारत के विभिन्न प्रांतो से आने वाली नेपाल की सवारियां भारतीय टैक्सियों से नेपाल के शहर महेंन्द्रनगर तक जाती थी, महेंद्रनगर से आगे घर जाने के लिए उन्हें नेपाल के वाहनो की सुविधा मिल जाती है। यूनियन के अध्यक्ष रफी अंसारी ने बताया कि नेपाल प्रशासन के द्वारा 6 अगस्त से भारतीय टैक्सियों को नेपाल में जाने से रोक लगा दी गई है। नेपाल प्रशासन का कहना है कि नेपाल में भारतीय टैक्सी की जगह प्राइवेट नंबर गाड़ियों को ही नेपाल में जाने की अनुमति मिलेगी। अध्यक्ष ने बताया कि प्राइवेट नंबर वाहनों से कारोबार करते हैं तो भारतीय प्रशासन इन वाहनों पर कार्रवाई करेगा और चलने नहीं देगा। यूनियन अध्यक्ष ने कहा कि इस संबंध में यूनियन की वार्ता एसडीएम आकाश जोशी से भी हुई उन्होंने सोमवार तक समास्या के समाधान का आश्वासन दिया है।

शारदा बैराज चौकी के समीप सांकेतिक धरना देते बनबसा टैक्सी यूनियन के सदस्य।

अमृत विचार

सोमवार, 18 अगस्त 2025

मैं इस निष्कर्ष पर पहुंचा हूं कि आपके जीवन में एक ऐसा क्षण आता है, जब आपको स्वयं के लिए बोलने का निर्णय लेना होता है। कोई और आपके लिए नहीं बोल सकता।
–मार्टिन लूथर किंग जूनियर, अमेरिकी विचारक

पीएम के आह्वान का अर्थ

प्रधानमंत्री ने कहा है कि देश समृद्धिशाली हो, इसके लिए आत्मनिर्भरता आवश्यक है। निस्संदेह यह वाक्य देश के विकास, आत्मसम्मान और संप्रभुता की गुरु किल्ली है। प्रधानमंत्री इससे पहले भी आत्मनिर्भरता का आह्वान कर चुके हैं, पर इस बार इसे दोहराने का अलग महत्व है। एक तो यह स्वतंत्रता दिवस पर लाल किले से देश को संबोधित करते हुए कहा गया और दूसरा तब, जब अमेरिका ने हमारे ऊपर बेजा तरीके से 50 प्रतिशत टैरिफ थोप दिया है। बेशक, कोई भी देश अपनी सभी आवश्यकताओं के मामले में शत-प्रतिशत आत्मनिर्भर हो, यह लगभग असंभव है, परंतु अधिकांश मामलों में आत्मनिर्भरता संभव है और कुछ आवश्यकताओं के लिए आंशिक तौर पर आयात पर निर्भरता रह सकती है। दूसरों पर यह निर्भरता व्यक्ति और राष्ट्र की स्वतंत्रता को बाधित करती है। कई बार जनता के पास स्वदेशी उत्पाद या तकनीक के चयन का विकल्प ही नहीं रहता, तो बहुधा सरकार को सम्मान का सौदा कर जनता के लिए आयात करना पड़ता है। शुक्र है कि भारत बहुत से क्षेत्रों में आत्मनिर्भर है और सरकार की नीतियों के बेहतर क्रियान्वयन के चलते तमाम क्षेत्रों में हम आत्मनिर्भर होने की ओर अग्रसर हैं। इसके विपरीत कठोर सत्य यह भी है कि आज भी हम तमाम छोटी-बड़ी वस्तुओं, सेवाओं और बेहतर-सस्ते उत्पादों के लिए दूसरों पर निर्भर हैं। प्रधानमंत्री का कहना है कि जब विकसित देशों का आर्थिक स्वार्थ दिनोंदिन बढ़ता जा रहा है, तब समय की मांग है कि हम संकटों का रोना रोने की बजाए एकजुट होकर आत्मनिर्भरता के लक्ष्य की ओर बढ़ें। इसके बाद कोई भी अपने आर्थिक स्वार्थ के चंगुल में हमें नहीं फंसा सकेगा। निस्संदेह उनका कहना उचित है। बाज़ार की जंग में हम आत्मनिर्भरता की शक्ति के बिना नहीं लड़ सकते। इस युद्ध में आत्मनिर्भर देश ही अपनी संप्रभुता तथा आत्मसम्मान की रक्षा कर सकेगा। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने जेट इंजन और सेमीकंडक्टर चिप के निर्माण से लेकर परमाणु ऊर्जा के दस गुना विस्तार तथा कृत्रिम बुद्धिमत्ता, रक्षा और सुरक्षा के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता का जो लक्ष्य रखा, उससे साफ होता है कि उनकी सोच कितनी ऊंची और दूरदर्शिता-पूर्ण है। 2047 तक विकसित भारत के जो खाके की परिकल्पना है, उसमें रंग भरने के लिए यह सब आवश्यक है और प्रधानमंत्री इस दिशा में अग्रसर हैं। आत्मनिर्भरता राष्ट्र को समृद्धिशाली बनाकर महाशक्तियों के संरक्षणवाद से बचाएगी- यह उचित है। आत्मनिर्भरता के लिए आमजन को उत्साहित करना भी श्रेयस्कर है, परंतु आत्मनिर्भरता कैसे हासिल हो, इसके लिए सर्वाधिक प्रयास तो केंद्र और राज्य सरकारों को ही करने होंगे। आज सरकार के पास कई ज्वलंत उदाहरण मौजूद हैं कि उनकी नीतियों और प्रयासों से कुछ क्षेत्रों में आत्मनिर्भरता का लक्ष्य हासिल हुआ है, जबकि कुछ उसके निकट हैं, परंतु तेल, गैस, सेमीकंडक्टर, दवाओं के एपीआई, विशिष्ट चिकित्सा उपकरण ही नहीं, बल्कि दलहन-तिलहन जैसे बहुतेरे क्षेत्र हैं, जहां इस दिशा में सरकार और जनता को मिलकर अभी लंबा रास्ता तय करना है।

प्रसंगवश

'ड्रोन लुटेरों' से फैलती दहशत की हकीकत

'ड्रोन गिरोह' की अफवाहों ने शांति-व्यवस्था में खलबली मचा रखी है। विशेषकर ग्रामीणों में, जहां दहशत की स्थिति बनी हुई है। ड्रोन चारों के भय से लोग सारी-सारी रात जगे रहते हैं। प्रभावित दो-तीन राज्यों में महीने भर से ड्रोन चोरों से लोग इतने भयभीत हैं कि वह रातों में जाग-जाग कर अपने घरों और परिजनों की पहरेदारी कर रहे हैं। डरे हुए लोग 'ड्रोन चोरों' को 'आसमानी चोर' कहने लगे हैं। देखा जाए तो देहात क्षेत्रों में ड्रोन चोरों की अफवाहों का बाजार काफी समय से गर्म है। बढ़ती घटनाओं को देखते हुए पुलिस महकमा भी अलर्ट मोड़ पर है। अफवाह लोगों की नासमझी से ज्यादा फैल रही है। ड्रोन दिखाई पड़ने पर वह पुलिस से संपर्क करने के बजाय सोशल मीडिया पर अनापशनाप गलत सूचनाएं फैला देते हैं, जिससे स्थिति और पैनिक हो रही है।

ड्रोन की घटनाएं हकीकत हैं या अफवाह? ये अनसुलझी पहेली जैसा है। पिछले दो सालों से 'स्वामित्व योजना' के तहत केंद्र सरकार ग्रामीण भूमि का सर्वेक्षण भी ड्रोनों से करवा रही है। योजना मार्च-2026 तक पूरी होनी है। करीब तीन लाख 44 हजार गांवों का सर्वेक्षण होना है। इसके पीछे सरकार का मकसद ग्रामीण संपत्ति के मालिकों को उनकी संपत्ति का मास्टर कार्ड वितरण करना है। 92 फीसदी कार्य 'ड्रोन मैपिंग' से पूरा हो चुका है, जिसमें 31 राज्य और केंद्र शासित प्रदेश शामिल हैं। सवाल ये भी उठता है कि क्या इस वक्त जो ड्रोन उड़ रहे हैं, वो इसी योजना का हिस्सा हैं? अभी तक कोई तथ्यात्मक सच्चाई मुकम्मल तौर से बाहर नहीं निकल पाई। जबकि, प्रथम दृष्टया प्रशासन ने ड्रोन की घटनाओं को अफवाह ही माना है। ड्रोन की घटनाओं के पीछे कोई ऐसी हकीकत तो नहीं छिपी, जिसे शासन-प्रशासन और सुरक्षा महकमा सार्वजनिक न करना चाहता हो? राष्ट्र सुरक्षा से जुड़ा तो कोई मसला नही? हालांकि ऐसे नाना-प्रकार के कयासों की मंडियां सजी हुई हैं। सच्चाई के असल नतीजों तक अभी कोई नहीं पहुंच पाया है। उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के कई जिलों में इस समय ड्रोन लुटेरों की चर्चाएं हैं।

डॉ. रमेश ठाकुर
लेखक

धीरे-धीरे ये दहशत अब अन्य राज्यों में भी फैलती जा रही है। हरियाणा, पंजाब, बिहार, मध्य प्रदेश में भी आधुनिक चोरों से जुड़ी अजीबो-गरीब अफवाहें फैल गई हैं। बिहार के सासाराम और मध्य प्रदेश के गुना जिले में भी ड्रोन उड़ते देखे गए हैं। अफवाहें हैं कि चोर रात में घरों का ड्रोन से सर्वेक्षण करते हैं और फिर अगली रात धावा बोलते हैं। एकाध घटनाएं घटी भी हैं, लेकिन उन घटनाओं से कोई हकीकत सिद्ध नहीं हुई। प्रशासनिक स्तर पर ड्रोन की घटनाओं को बेशक अफवाह बताया जा रहा हो, पर ग्रामीण मानने को राजी नहीं हैं? बीते मात्र तीन हफ्तों में उत्तर प्रदेश में 365 और उत्तराखंड में 245 कथित तौर पर ऐसी घटनाएं घटी हैं। अफवाहों के गर्भ से निकली ड्रोन चोरी की ये घटनाएं अब हिंसा में बदलने लगी हैं। चोर समझकर अंधेरे में चलने वाले राहगीरों के साथ मारपीट की घटनाएं भी बढ़ी हैं। शराबियों की तो शामत ही आई हुई है। बिलावजह हादसे का शिकार न हो जाएं, इसलिए रात्रि पाली में काम करने वाले कर्मचारी भी घरों से बाहर नहीं निकल रहे। ऐसी भी घटनाएं खूब सामने आ रही हैं, जहां ड्रोन चोरों की आड़ में लोग अपनी पुरानी दुश्मनी निकाल रहे हैं। माहौल जैसे-जैसे बिगड़ना तेज हुआ, तो राज्य सरकार का ध्यान एकाएक उस ओर गया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने तत्काल आपातकाल बैठक बुलाई। शासन ने निर्णय लिया है कि ड्रोन के जरिए डर पैदा करने या गलत सूचना फैलाने वालों पर गैंगस्टर एक्ट और एनएसए के तहत कार्रवाई की जाएगी। चेतावनी के बाद भी ड्रोन का उड़ना लगातार जारी है। दो दिन पहले भी मुख्यमंत्री योगी की अध्यक्षता में एक और उच्च-स्तरीय कानून-व्यवस्था को दुरूस्त करने को लेकर बैठक हुई, जिसमें बिना अनुमति के ड्रोन उड़ाने वालों के खिलाफ कार्रवाई का आदेश पारित हुआ है।

रहस्य के आवरण में छुपी नेताजी की गुमशुदगी

अरविंद जयतिलक
लेखक

भारतीय समाज और राष्ट्र के जीवन में नवीन प्राणों का संचार करने वाले नेताजी सुभाष चंद्र बोस की आज पुण्यतिथि है। आज देश उन्हें नमन-वंदन कर रहा है। नेताजी का जीवन जितना अधिक रोमांचकारी रहा है, उतना ही अधिक रहस्यमयी भी। विडंबना है कि उस महान देशभक्त की मृत्यु से जुड़ी गुत्थियां अभी तक सुलझी नहीं हैं। कुछ वर्ष पहले ब्रिटेन की एक वेबसाइट द्वारा खुलासा किया गया कि टोक्यो जाते समय नेताजी की मौत 18 अगस्त 1945 में ताईवान के निकट एक विमान दुर्घटना में हुई और उसके पास उनके अंतिम संस्कार से जुड़े साक्ष्य मौजूद हैं।

वेबसाइट में कहा गया कि नेताजी की मौत के उपरांत ताईवान के एक अधिकारी तान तीती ने ताइपे में उनके अंतिम संस्कार के लिए अनुमति पत्र जारी किया और उनके शव के साथ जापानी सेना का एक अधिकारी भी मौजूद था। वेबसाइट का यह भी दावा था कि नेताजी के अंतिम संस्कार के बाद उसके साक्ष्य ताईवान की पुलिस ने ब्रिटिश मंत्रालय को भेजे थे और जुलाई, 1956 में दिल्ली के ब्रिटिश उच्चायोग ने ये सबूत तत्कालीन भारत सरकार को उपलब्ध कराए थे। रिपोर्ट के मुताबिक नेताजी का अंतिम संस्कार 22 अगस्त, 1945 को किया गया। तथ्य यह भी कि सुभाष चंद्र बोस के अति विश्वासपात्र हबीबुर्रहमान, जो उनके साथ विमान में सवार थे, ने पाकिस्तान से आकर शाहनवाज समिति के सामने गवाही दी थी कि नेताजी उस विमान दुर्घटना में मारे गए थे और उनके सामने ही उनका अंतिम संस्कार किया गया। वेबसाइट और हबीबुर्रहमान का यह खुलासा अंतिम सच नहीं है।

देश का एक बड़ा वर्ग, जिसमें लेखक और चिंतक भी शामिल हैं, का मानना है कि नेताजी विमान दुर्घटना से बच निकले थे और रूस चले गए थे। नेताजी की मौत पर 'इंडियाज बिगेस्ट कवर-अप' के लेखक अनुज धर की मानें तो उन्होंने प्रधानमंत्री कार्यालय से सुभाष चंद्र बोस की मौत से जुड़े दस्तावेज की मांग की थी, लेकिन प्रधानमंत्री कार्यालय ने यह कह कर देने से इंकार कर दिया था कि इससे विदेशी ताकतों से हमारे संबंधों पर प्रतिकूल असर पड़ेगा।

नेताजी के प्रपौत्र और 'हिज मैजेस्टिज अपोनेंट' के लेखक सौगत बोस का कहना है कि विदेश से संबंध खराब होने की बात गले नहीं उतरती। उन्होंने अपने शोध के जरिए दावा किया है कि विंस्टल चर्चिल ने 1942 में नेताजी की हत्या के आदेश दिए थे, लेकिन इसका अर्थ यह नहीं हुआ कि इस मुद्दे पर भारत आज ब्रिटेन से अपने रिश्ते खराब कर ले। सौगत बोस ने यह भी आरोप लगाया है कि प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू के कार्यकाल में इंटेलिजेंस ब्यूरो उनके पिता, चाचा और सुभाष चंद्र बोस की पत्नी एमिली की चिट्ठियां पढ़ता रहा और उसकी प्रतियां बनाता रहा। ऐसे में सवाल लाजिमी है कि क्या सुभाष चंद्र बोस के परिवार पर हो रही जासूसी की जानकारी प्रधानमंत्री नेहरू को थी? स्वतंत्रता के पश्चात भारत सरकार ने नेताजी की मौत की घटना की जांच के लिए 1956 और 1977 में दो बार आयोग नियुक्त किया। दोनों बार यह नतीजा निकला कि नेताजी का निधन उस विमान दुर्घटना में ही हुआ था।

आश्चर्यजनक यह कि जिस ताईवान की भूमि पर यह दुर्घटना होने की खबर थी, उस ताईवान देश की सरकार से इन दोनों आयोगों ने कोई बात नहीं की। 1999 में जस्टिस मनोज कमार मुखर्जी के नेतृत्व में तीसरा आयोग बनाया गया। 2005 में ताईवान की सरकार ने मुखर्जी आयोग को जानकारी दी कि 1945 में ताईवान की भूमि पर कोई भी हवाई जहाज दुर्घटनाग्रस्त नहीं हुआ। 2005 में मुखर्जी आयोग ने भारत सरकार को अपनी रिपोर्ट सौंपी, जिसमें कहा गया कि नेताजी की मृत्यु उस विमान दुर्घटना में होने का कोई सबूत नहीं है, लेकिन सरकार ने मुखर्जी आयोग की रिपोर्ट को खारिज कर दिया। यहां आश्चर्य इस बात पर है कि एक ओर ताईवान की सरकार ने 1945 में अपनी भूमि पर किसी भी हवाई दुर्घटना न होने की बात कही और वहीं दूसरी ओर ब्रिटेन की वेबसाइट की ओर से दावा किया गया कि ताईवान की सरकार ने उसे नेताजी की मौत से जुड़े दस्तावेज उपलब्ध कराए हैं? क्या यह अपने आप में विरोधाभास नहीं है? क्या यह नेताजी की मौत को लेकर भ्रम पैदा नहीं करता है? अगर नेताजी के जिंदा होने की आशंका सतह पर उभरती रही है तो यह अचरजपूर्ण नहीं है।

यहां गौर करने वाली बात यह कि जस्टिस मुखर्जी ने फैजाबाद स्थित उस गुमनामी बाबा, जिनकी शक्ल सुभाष चंद्र बोस से मिलती थी, की भी जांच की। एक डॉक्यूमेंट्री फिल्म निर्माता से बात करते हुए उन्होंने शक जताया कि गुमनामी बाबा सुभाष चंद्र बोस हो सकते थे। गुमनामी बाबा को करीब से देखने वालों का भी कहना है कि उनकी बहुत सी चीजें नेताजी सुभाष चंद्र बोस से मिलती थीं। मसलन वे नेताजी की ही तरह छः फुट के थे। उन्हीं की तरह चश्मा लगाते थे। गुमनामी बाबा की जन्मतिथि 23 जनवरी 1897 ही पाई गई जो नेताजी सुभाष चंद्र बोस की है। गुमनामी बाबा का निधन 18 सितंबर 1985 को हुआ और उनकी समाधि सरयू नदी के किनारे गुप्तार घाट पर है। यहां सवाल यह खड़ा होता है कि अगर गुमनामी बाबा ही सुभाष चंद्र बोस थे, तो फिर वे गुपचुप तरीके से यहां क्यों रहते थे? भला एक महान देशभक्त जो ब्रिटिश हुकुमत के आगे झुका नहीं, वह गुमनामी की जिंदगी क्यों गुजारेंगे? पर मौजू सवाल यह है कि एक महान देशभक्त की रहस्यमयी मौत से अभी तक परदा क्यों नहीं हटा?

> अगर माना जाए कि 18 अगस्त 1945 को ताइवान में हुए प्लेन हादसे में नेताजी सुभाष चंद्र बोस का निधन हो गया था, तो आज उनकी पुण्य तिथि है। उनको गुजरे कई दशक बीत गए हैं, लेकिन उनके निधन को लेकर रहस्य अब भी बरकरार है।

आमने

यह संविधान को बचाने की लड़ाई है। पूरे देश में बीजेपी-आरएसएस संविधान को मिटाने पर तुले हैं। जहां भी चुनाव होता है यह जीतते हैं। बिहार की जनता वोटों की चोरी नहीं करने देगी, क्योंकि गरीब कमजोर लोगों के पास सिर्फ वोट का हक है।
–राहुल गांधी
नेता, प्रतिपक्ष

सामने

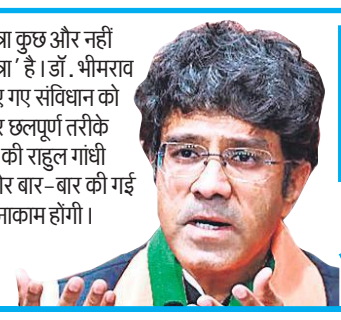

राहुल गांधी की यात्रा कुछ और नहीं बल्कि 'बदनाम यात्रा' है। डॉ. भीमराव आंबेडकर द्वारा दिए गए संविधान को अलोकतांत्रिक और छलपूर्ण तरीके से डराने-धमकाने की राहुल गांधी की जानबूझकर और बार-बार की गई कोशिशें बुरी तरह नाकाम होंगी।
– सीआर केसवन
भाजपा नेता

राष्ट्र प्रथम का दृष्टिकोण एवं राजनीतिक सुधार

अमित त्यागी
स्तंभकार एवं राष्ट्रवादी विचारक

भारत का वर्तमान विपक्ष, सत्ता का विरोध करते-करते अकसर राष्ट्र विरोधी दिखने लगता है। राष्ट्र के भाव को समझने के लिए विपक्ष को पहले राष्ट्र और नेशन का अंतर समझना होगा। राष्ट्र एक भू सांस्कृतिक संकल्पना है, जबकि नेशन भू राजनीतिक संकल्पना है। इजराएल जैसे छोटे देश से हमें राष्ट्र के संदर्भ में सीख लेनी चाहिए। वहां के नागरिकों में राष्ट्र प्रथम का भाव, चारों तरफ दुश्मनों से घिरा होने के बावजूद उनके अस्तित्व को अक्षुण्य रखता है। भारत के राजनीतिक क्षेत्र में राष्ट्र प्रथम का भाव न होने के कई कारण हैं। हमारे यहां वंशवाद, परिवारवाद, जातिवाद, क्षेत्रवाद जैसे अनेक विषय राष्ट्र के भाव को कमजोर करते हैं। कई प्रादेशिक दल परिवारवाद और वंशवाद के आसपास घूम रहे हैं। परिवार के बाहर का व्यक्ति इन दलों में शीर्ष पर जाने की सोच भी नहीं सकता है।

वंशवाद और परिवारवाद में डूबे दल राष्ट्र प्रथम के स्थान पर जातिवाद को बढ़ावा देते हैं। जातियों में बंटे समाज को अपने साथ जोड़ना आसान होता है। वोट बैंक के इस खेल में बाहर से आए बंगलादेशी और रोहिंग्या को भी ये दल मताधिकार का उपयोग दिलवाने से पीछे नहीं हटते। इसका उद्धरण तब सामने आया जब बिहार में चुनाव आयोग ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानि एसआईआर की प्रक्रिया शुरू की। इस पर विपक्षी दलों द्वारा तकरार शुरू हुई। इस तकरार में एक मुद्दा नागरिकता एवं मताधिकार का भी है।

भारत के संविधान के अनुसार 25 वर्ष से अधिक आयु का भारत का कोई भी नागरिक विधायक, सांसद, मुख्यमंत्री, प्रधानमंत्री बन सकता है। यानी, भारतीय संविधान के अनुसार जो भारत का नागरिक है, वही मतदान भी कर सकता है। अनुच्छेद 324 निर्वाचन आयोग को निर्वाचक नामावली में रख रखाव की शक्ति देता है। अनुच्छेद 326 प्रावधान करता है, लोकसभा और प्रत्येक राज्य की विधान सभा के निर्वाचक व्यस्क मताधिकार के आधार पर होंगे।

नागरिकता का यही संदर्भ जनप्रतिनिधि अधिनियम 1950 की धारा 16 में है। जो व्यक्ति भारत का नागरिक नहीं, वह मताधिकार का भी पात्र नहीं। अब बिहार में चुनाव आयोग द्वारा मतदाता सूची पर किया जा रहा कार्य यदि राष्ट्र प्रथम की दृष्टि से देखें तो श्रेष्ठ कार्य है। इसमें अड़चन लगाने वाले देश भक्त तो नहीं कहे जा सकते हैं। किसी बाहर के व्यक्ति को मतदान का अधिकार देकर हम संपूर्ण राष्ट्र को खतरे में डालते हैं। राष्ट्रप्रथम के भाव से देखने पर जितना आवश्यक राजनीतिक सुधार दिखता है, उतना ही आवश्यक एक देश एक चुनाव का विषय है। अभी देश में कहीं न कहीं चुनाव होते रहते हैं। इसमें एक बड़ा तंत्र हर समय व्यस्त रहता है। तंत्र के साथ-साथ देश का युवा भी चुनावों में व्यस्त रहता है।

जो समय युवा अपने शिक्षा, प्रतियोगी परीक्षा, रोजगार एवं राष्ट्र चिंतन में उपयोग कर सकता है, वह समय चुनाव में व्यर्थ होता है। यदि पांच साल में एक साथ चुनाव हों तो उसके बाद तंत्र एवं युवा अपना बाकी समय अपने स्वहित एवं राष्ट्रहित में उपयोग कर सकेंगे। इससे व्यक्तिगत व्यक्तित्व निखरेगा और रोजगार सृजन बढ़ेगा। हम व्यक्ति से लेकर सामाजिक मूल्यों के स्तर पर मजबूत बनेंगे।

डॉ हेडगेवार का कहना था, 'हमको जोड़ने वाली धारा यह मूल्य आधारित संस्कृति है। जब-जब हमारे मूल्यों का पतन हुआ, हमारे समाज में न्याय का अंतर्ध्यान होकर अन्याय आ गया। हम दुर्बल हो गए। हमारी अपनी दुर्व्यवस्था के कारण अंग्रेजों और मुगलों का आक्रमण हुआ, इसलिए कब तक मुसलमानों को दोष देते रहोगे। यह कैसे हुआ कि हजारों मील दूर से मुट्ठी भर आक्रामक आए और सोने की चिड़िया कहलाने वाले भारत के सूरमाओं के देखते-देखते उन्होंने जीत लिया।' भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉ. कलाम कहा करते थे, 'भारत को विकसित देशों की श्रेणी में लाना है। ऐसा भारत जिसकी जड़ें हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत में होंगी।'

अब डॉ. कलाम के विकसित भारत बनने के लिए हमें सिर्फ आर्थिक नहीं बल्कि सामाजिक और बौद्धिक धरातल पर भी प्रयास करने होंगे। हमें अपने मध्य के उन लोगों को भी चिन्हित करना होगा, जो भारतीय मूल्यों को नहीं समझते हैं, जिनके स्वार्थ औए आस्थाएं भारत के बाहर की संस्कृति से जुड़ती हैं। इसके लिए हमें अंधानुकरण करना बंद करना होगा। उद्धरण के लिए अरब एवं खाड़ी देश भारत के पश्चिम में स्थित हैं। हम पश्चिम की धारणा के अनुसार इनको मिडिल ईस्ट कहते हैं। सऊदी अरब, यूएई, कुवैत, ओमान आदि खाड़ी देश यूरोप से देखने पर मिडिल ईस्ट हैं, भारत के अनुसार नहीं।

ऐसा ही हम शब्दों के उच्चारण में करते हैं। अंग्रेजों के गलत उच्चारण की नकल करके हम अशोक को अशोका, राम को रामा, योग को योगा कहने लगे। जबकि हम संस्कृत जैसी भाषा के देश हैं, जिसमें स्व का भाव है। अब एक बात तो स्पष्ट है कि जो भी भारत में रहने वाले इस तरह के शब्दों के उच्चारण, मिडिल ईस्ट के दृष्टिकोण एवं अन्य आस्थाओं को प्राथमिकता देते हों वे कैसे भारत के राष्ट्र प्रथम के भाव को समझेंगे। मूल्य आधारित राजनीति उनको कैसे रास आएगी? जिसके लिए निजी हित राष्ट्रहित पर सर्वोपरि हों, ऐसे लोगों, दलों और परिवारों से हमें देश की रक्षा करनी है।

> बिहार में चुनाव आयोग द्वारा मतदाता सूची पर किया जा रहा कार्य यदि राष्ट्र प्रथम की दृष्टि से देखें तो श्रेष्ठ कार्य है। किसी बाहर के व्यक्ति को मतदान का अधिकार देकर हम संपूर्ण राष्ट्र को खतरे में डालते हैं।

सामयिकी

अहम है चुनाव आयोग की विश्वसनीयता बनी रहे

बिहार के सासाराम से नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने 'वोटर अधिकार यात्रा' शुरू कर दी है। उन्होंने सासाराम में रैली को भी संबोधित किया। उन्होंने एक बार फिर 'चुनाव चोरी' का आरोप लगाते हुए इलेक्शन कमीशन को कटघरे में खड़ा करने की कोशिश की। इस बीच चुनाव आयोग ने भी प्रेस कान्फ्रेंस करके साफ किया कि उसके लिए न तो कोई पक्ष है और न कोई विपक्ष। उसके लिए सभी समकक्ष हैं। कुछ दिन पहले राहुल गांधी ने एक प्रेस कांफ्रेंस करके चुनाव आयोग पर भाजपा के पक्ष में वोट चोरी करने का आरोप लगाया था। उन्होंने कहा था कि चुनाव आयोग का यह काम पूर्ण रूप से लोकतंत्र विरोधी है और सभी दलों के लिए समान अवसरों की उपलब्धता को सीमित करता है। इसके विपरीत चुनाव आयोग ने प्रेस कान्फ्रेंस करके राहुल गांधी के आरोपों का जवाब दिया। नई दिल्ली के नेशनल मीडिया सेंटर में राहुल गांधी का बिना नाम लिए बिना चीफ इलेक्शन कमिश्नर ज्ञानेश कुमार ने कहा कि प्रजंटेशन में दिखाया डेटा हमारा नहीं है। वोट चोरी के आरोपों पर हलफनामा दें या फिर देश से माफी मांगे। सात दिन में हलफनामा नहीं मिलता है तो आरोपों को निराधार समझा जाएगा। उन्होंने 'वोट चोरी' शब्द को गलत बताया और कहा कि यह लोकतंत्र का अपमान है।

प्रो. यशपाल सिंह
रुहेलखंड यूनिवर्सिटी बरेली

राहुल गांधी की 'वोटर अधिकार यात्रा' के दिन ही चुनाव आयोग के प्रेस कान्फ्रेंस करने के राजनीतिक मायने निकाले जा रहे हैं। माना जा रहा है कि आयोग ने जानबूझकर यह दिन इसलिए चुना है, ताकि यात्रा के असर को कम किया जा सके। तर्क दिया जा रहा है कि आयोग आमतौर पर ऐसी प्रेस कान्फ्रेंस नहीं करता है। हाल के वर्षों में चुनाव आयोग ने सिर्फ चुनावों की घोषणा करने के लिए ही प्रेस कान्फ्रेंस की है। एक अहम मामला यह भी रहा कि प्रेस कान्फ्रेंस से ठीक पहले सपा मुखिया अखिलेश यादव ने तीन ट्वीट (एक्स) किए। पहले ट्वीट में उन्होंने एक वीडियो शेयर करते हुए एक्स पर लिखा है, चुनाव आयोग को चुनौती देता एक भाजपाई का यह वीडियो चुनावी धांधली करने वालों द्वारा दिया गया, एक जीता जागता एफिडेविट है, CEC इसका जवाब तो दे। उन्होंने दूसरे ट्वीट में एक ग्राफिक्स पोस्ट किया है। इसमें लिखा गया है, समाजवादी पार्टी ने वोट डकैती के 18000 शपथ पत्र ECI को दिए, कार्रवाई 0। तीसरे ट्वीट में उन्होंने आयोग को सही राह पर चलने का ताकीद की है।

बिहार में इसी वर्ष चुनाव होने हैं। वहां विशेष पुनरीक्षण अभियान (एसआईआर) चलाया जा रहा है। इस के तहत वहां के लगभग 65 लाख वोटरों के नाम काट दिए गए हैं। विपक्षी दलों का आरोप है कि चुन-चुन कर भाजपा के विरोधियों के वोट काट दिए गए हैं। जिंदा लोगों को मृत घोषित कर दिया गया है, बहुतों को पलायन करने वाला अर्थात अपने पते पर अनुपलब्ध घोषित कर दिया है। इसके विरोध में कई व्यक्ति, दल और एनजीओ सुप्रीम कोर्ट में गए हैं, जहां उन्हें कुछ राहत तो मिली है, किंतु एसआईआर को रोका नहीं गया है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि लोकतंत्र में चुनाव आयोग जैसी संवैधानिक संस्था का संदेह से परे होना अनिवार्य है और उसे ऐसा नजर भी आना चाहिए।

सोशल फोरम

50 बरस में पहली बार बंद हुई मारियो की बेकरी

इटली के टस्कनी के एक छोटे से गांव में एक बेकरी है, जो हर सुबह 4:30 बजे खुल जाती है। किसी को नहीं पता कि ये बेकरी कितने सालों से वहां है। ताज़े बने हुए ब्रेड की खुशबू अंधेरे में डूबी गलियों में फैल जाती है और कभी-कभी कोई राहगीर रुक कर गरम लोफ खरीद लेता है, काम पर जाने से पहले। उस बेकरी का मालिक है मारियो। वह 74 साल का है। पिछले 51 सालों से हर एक दिन बिना किसी छुट्टी के वह अकेले ही आटा गूंथता है। ब्रेड बेक करता है और उन्हें काउंटर पर सजाता है।

जब लोग उससे पूछते हैं कि वह रिटायर क्यों नहीं होता, तो वह बस इतना कहता है, "जब तक किसी को सुबह गरम ब्रेड की ज़रूरत होगी, मैं यहीं रहूंगा।" असल बात वो है जो वह हर शनिवार करता है, बिना कभी किसी को बताए। हर शुक्रवार सुबह 6 बजे, मारियो पांच थैलियां ब्रेड और फोकाचिया से भरकर उस छोटे से स्थानीय प्रीस्कूल के दरवाजे पर रख आता है। एक पुरानी इमारत, जिसकी दीवारों पर बच्चों की ड्राइंग्स बनी होती हैं। कोई उसे आते नहीं देखता, लेकिन अध्यापकों को अब पता है। सालों पहले उन्होंने सिक्योरिटी कैमरों की जांच करके जाना कि ये अनाम तोहफा कौन छोड़ जाता है।

राजन शर्मा
ब्लॉगर

एक बार उन्होंने मारियो को धन्यवाद देना चाहा, लेकिन उसने सिर्फ इतना कहा, "ये ब्रेड उनके लिए है जो बढ़ रहे हैं। मैंने अपना बेटा पांच साल की उम्र में खो दिया था। यही तरीका है मेरा उसकी याद को ज़िंदा रखने का।" तब से, हर शुक्रवार, बच्चों को उनका 'जादुई ब्रेड' दरवाज़े पर मिल जाती है और शिक्षक उन्हें मारियो की कहानी सुनाते हैं। एक महीने पहले, मारियो बीमार हो गया। पचास सालों में पहली बार बेकरी बंद रही। यह बात पूरे गांव में फैल गई और उस रविवार, 200 से ज्यादा लोग उसकी बेकरी के बाहर इकट्ठा हो गए। हर किसी के हाथ में एक घर में बना हुआ ब्रेड रोल था। सब खामोशी से खड़े रहे। उस रोशनी का इंतज़ार करते हुए जो हर सुबह बेकरी में जलती थी। थोड़ी देर बाद, मारियो बाहर आया। उसकी एप्रन पर आटे के दाग थे और आंखों में आंसू। उसने बस एक बात कही, "मैंने सोचा था इतने सालों बाद कोई मुझे याद नहीं रखेगा, लेकिन तुम सब ही तो मेरी गरम ब्रेड हो।"

–फेसबुक वाल से

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं मकान नं.197/1, समता आश्रम गली, रामपुर रोड, हल्द्वानी, जिला नैनीताल, उत्तराखंड-263139 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक - अमित शर्मा*** 05946292618 (कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UTTHIN/2021/79698, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र नैनीताल होगा)।

क्लच से आजादी, गियर बदले बिना रफ्तार

ऑटोमेटिक कार स्टार्ट...

नई कार खरीदते समय कंपनी और मॉडल चुन लेने के बाद अक्सर ट्रांसमिशन को लेकर लोग फैसला लेने में अटक जाते हैं कि कार मैन्युअल खरीदें या ऑटोमेटिक। हालांकि यह सवाल पूरी तरह से कार खरीदने वाले की पसंद, जीवन शैली और ड्राइविंग की आदत से जुड़ा हुआ है। लेकिन बात सुविधा की आती है, तो ऑटोमेटिक ट्रांसमिशन वाली कारें ही बेहतर मानी जाती हैं, इसे इस बात से भी समझा जा सकता है कि अमेरिका में कुल पंजीकृत कारों में 96 फीसदी से ज्यादा ऑटोमेटिक ही हैं। साफ है कि अगर आप ज्यादातर समय ट्रैफिक में ड्राइव करते हैं। रोज कार से ऑफिस जाते हैं और भारी भीड़भाड़ या जाम का सामना करते हैं, अथवा ड्राइविंग में नए हैं तो ऑटोमेटिक कार बेहतर विकल्प हो सकती है।

ट्रैफिक जाम में आराम लगातार बढ़ा रही है डिमांड

सड़कों पर बढ़ रहा ऑटोमेटिक कारों का काफिला

क्लच पेडल दबाने या गियर बदलने की जरूरत नहीं

- मैनुअल ट्रांसमिशन वाली कार में ड्राइवर को गियर बदलने, क्लच पेडल को छोड़ने और दबाने तथा वाहन की गति नियंत्रित करने के लिए लगातार समन्वय बनाए रखना पड़ता है। इसके मुकाबले ऑटोमैटिक कार में क्लच की जगह टॉर्क कन्वर्टर और फ्लूइड कपलिंग का इस्तेमाल होता है। इससे गियर बदलने की गति तेज होती है और कार खुद नियंत्रित होती है। चालक को कार सिर्फ ड्राइव मोड में डालकर चलानी होती है। क्लच पेडल दबाने या गियर बदलने की जरूरत नहीं पड़ती है।

गियर चेंज प्रक्रिया को आसान बना देता

- ऑटोमेटिक कार में गियर और क्लच की झंझट नहीं होने से गाड़ी केवल एक्सेलेरेटर और ब्रेक से कंट्रोल होती है। इस कारण भारी ट्रैफिक में भी कार चलाना काफी आसान हो जाता है। आम भाषा में समझें तो इसमें एक प्रकार का गियर बॉक्स होता है जो गियर चेंज प्रक्रिया को आसान बना देता है। गियर बदलने का काम कार के इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम द्वारा ऑटोमेटिक तरीके से किया जाता है। अगर नुकसान की बात करें तो ऑटोमेटिक कार में संभव है कि माइलेज थोड़ी कम हो सकती है। रखरखाव थोड़ा ज्यादा खर्चीला हो सकता है।

सहूलियत और सुविधा

कम थकान
- बड़े शहरों या भारी ट्रैफिक वाले इलाकों में ऑटोमेटिक कार चलाना कम थकाऊ होता है क्योंकि बार-बार गियर नहीं बदलना पड़ता है।

स्मूथ राइड
- ऑटोमेटिक ट्रांसमिशन कार के गियर को अपने आप बदलता है, जिससे ड्राइव ज्यादा आरामदायक महसूस होती है।

सीखने में आसान
- नए ड्राइवर के लिए ऑटोमेटिक कार चलाना मैनुअल के मुकाबले आसान होती है।

पहाड़ों पर आसानी
- पर्वतीय इलाकों में ऑटोमेटिक कार चलाना और नियंत्रण बनाना आसान होता है।

15 लाख कीमत से नीचे लोकप्रिय ऑटोमिटक मॉडल

- ऑटोमेटिक कारों में मारूति की सेलेरियो सबसे सस्ती आती है। इसका एक्स शोरूम प्राइज 7 लाख रुपये है। मारूति स्विफ्ट, डिजायर और फ्रांक्स ऑटोमेटिक की ऑन रोड कीमत क्रमश : 9 लाख, 9 .5 लाख तथा 10 .5 लाख तथा ब्रेजा की कीमत लगभग 13 लाख है। टाटा नेक्सान का ऑटोमेटिक मॉडल 11 .2 लाख, पंच 9 लाख में ऑन रोड उपलब्ध है। रेनॉल्ट ट्रिबर ऑटोमेटिक की कीमत 10 .50 लाख है। महेंद्रा एक्सयूवी3एक्स0 12 .5 लाख, स्कोडा क्याल्क ऑटोमेटिक करीब 13 लाख में मिल रही है।

चार मोड्स के साथ स्पोर्ट विकल्प

- ऑटोमेटिक ट्रांसमिशन में एक या अधिक गियर रेंज और कंट्रोल विकल्प होते हैं जो आपको विभिन्न गति में गाड़ी चलाने में मदद करते हैं। आमतौर पर ऑटोमेटिक कार के लीवर में चार मोड्स दिए जाते हैं, जिसमें (पी) पार्किंग, (आर) रिवर्स, (एन) न्यूट्रल और (डी) ड्राइव शामिल होते हैं। कुछ कारों में (एस) स्पोर्ट मोड जैसा विकल्प भी मिलता है। जब आप ट्रांसमिशन लीवर को (डी) ड्राइव मोड में डालते हैं तो इसका सिस्टम गाड़ी की स्पीड और ड्राइविंग कंडीशन के आधार पर गियर चेंज करता है और बार-बार गियर बदलने की जरूर नहीं होती है।

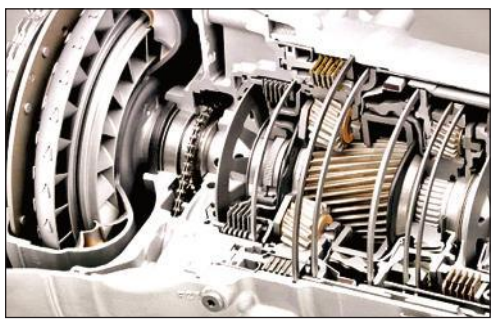

यह होता है मैकेनिज्म

- ऑटोमेटिक ट्रांसमिशन गियरबॉक्स में टोर्क कनवर्टर होता है, जो इंजन के पावर को ट्रांसमिशन तक पहुंचाता है। इस गियर बॉक्स में एक सीरीज ऑफ प्लेट्स और क्लचेज होते हैं जो गियर्स को बदलते रहते हैं। इन्हें हाइड्रोलिक प्रणाली से कंट्रोल किया जाता है।

काम की बात

जेब ढीली होने से बचाएगा वार्षिक फास्टैग पास

15 अगस्त के दिन सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने वार्षिक फास्टैग पास लांच किया। तीन हजार रुपये कीमत वाला यह पास एक वर्ष के लिए वैध होगा और इससे 200 बार टोल प्लाजा को पार किया जा सकेगा। एक टोल प्लाजा से एक बार गुजरने पर लगभग 15 रुपये खर्च आएगा। यह पास न सिर्फ महंगे टोल टैक्स से आपकी जेब ढीली होने से बचाएगा बल्कि प्लाजा पर आपके समय को बर्बाद भी नहीं होने देगा।

- **वार्षिक पास यहां से खरीदें :** वार्षिक पास खरीदने के लिए राजमार्ग यात्रा मोबाइल एप डाउनलोड कर सकते हैं या फिर एनएचएआई की वेबसाइट https//www .nhai .gov .in पर जाना होगा।
- **यह प्रक्रिया पूरी करें :** इसके बाद अपने रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर से लॉग इन कर वाहन रजिस्ट्रेशन नंबर और फास्टैग आईडी दर्ज कर दें। यहां आपको पता चल जाएगा कि आपका फास्टैग एक्टिव है या काली सूची में डाल दिया गया है। इसके बाद तीन हजार रुपये का ऑनलाइन भुगतान करें। भुगतान के दो घंटे बाद आपको एसएमएस आएगा जो यह बताएगा कि आपने वार्षिक पास ले लिया है और आपका फास्टैग सक्रिय हो गया है।

360 डिग्री कैमरा, सब कुछ ड्राइवर की नजर में

- 360 डिग्री कैमरा नई गाड़ियों में मिलने वाला बेहतरीन सुरक्षा फीचर है। पहले प्रीमियम वाहनों वाला यह फीचर अब अधिकतर कंपनियां अपनी मिड रेंज वाली कारों के टॉप मॉडल में उपलब्ध करा रही हैं। यह एक ऐसा कैमरा सिस्टम होता है, जो कार के चारों ओर चार या इससे ज्यादा छोटे कैमरों को जोड़कर बना होता है। इसमें कार के फ्रंट और रियर के अलावा आउटसाइड रियर व्यू मिरर्स पर भी कैमरे लगे होते हैं। सभी कैमरे मिलकर कार के चारों ओर का 360 डिग्री व्यू दिखाते हैं। इस टेक्नोलॉजी की मदद से ड्राइवर गाड़ी के चारों ओर का व्यू स्क्रीन पर देख सकता है। इससे संकरी जगहों पर गाड़ी पार्क करना या तंग सड़कों पर ड्राइव करना आसान हो जाता है। आप इसे अपनी कार में अलग से भी लगवा सकते हैं।

लुभावने फीचर, नए किफायती स्कूटर

125cc में 85 हजार का स्कूटर लेकर आया यामाहा

- यामाहा मोटर इंडिया ने अपने स्कूटर ने नई RayZR 125 Fi Hybrid पेश की है। इसमें कई जोरदार नए फीचर्स और कलर ऑप्शन जोड़े गए हैं। इसकी दिल्ली में एक्स शोरूम कीमत 85 हजार रुपये है। इस कीमत के कारण यह अपने वैरिएंट में देश के सबसे किफायती 125cc स्कूटरों में से एक है।

ओडिसी सन लॉन्च, एक्स शोरूम कीमत 81 हजार

- इलेक्ट्रिक दो पहिया वाहन निर्माता कंपनी ओडिसी ने नए इलेक्ट्रिक स्कूटर ओडिसी सन को चार कलर ऑप्शन में बिक्री के लिए लॉन्च कर दिया है। इसकी विशेषता सिंगल चार्ज 130 किमी रेंज है। शानदार लुक और दमदार बैटरी वाले इस इलेक्ट्रिक स्कूटर की शुरूआती एक्स शो रूम कीमत 81 हजार है। कंपनी का दावा है कि स्कूटर आरामदायक सवारी के साथ स्पोर्टी लुक प्रदान करता है।

60 हजार में जेलो इलेक्ट्रिक का स्कूटर knight+

- जेलो इलेक्ट्रिक ने अपना नया स्कूटर knight+ लॉन्च किया है। इसकी एक्स शो रूम कीमत 60 हजार रुपये है। कंपनी का दावा है कि स्कूटर की बैटरी तीन घंटे के सिंगल चार्ज में 100 किमी की दूरी तय कराती है। knight+ मैट फिनिश छह रंगों में उपलब्ध है। अधिकतम स्पीड 55 किमी प्रतिघंटा है। स्कूटर में क्रूज कंट्रोल और पार्किंग के बाद कुछ देर तक जलने वाली लाइट की सुविधा भी दी गई है। स्कूटर की डिलीवरी अगस्त के अंतिम सप्ताह से की जाएगी।

बीएमडब्ल्यू 2 सीरीज कारें डेढ़ लाख तक होंगी महंगी

बीएमडब्ल्यू ने नए मॉडल के डिजाइन के साथ सुरक्षित खेल खेला है। बीएमडब्ल्यू 2 सीरीज एक कॉम्पैक्ट लग्जरी कार है, जो कूपे और ग्रैन कूपे बॉडी स्टाइल में उपलब्ध है। हालांकि ग्रैन कूपे पेट्रोल इंजन का आकार छोटा कर दिया गया है। यह फ्रंट व्हील ड्राइव प्लेटफार्म पर उपलब्ध है। इसी के साथ बीएमडब्ल्यू ने कम से कम अभी के लिए डीजल इंजन का इस्तेमाल बंद कर दिया है। बीएमडब्ल्यू 2 सीरीज ग्रैन कूपे 218 एम स्पोर्ट की एक्स शो रूम कीमत करीब 47 लाख और 218 एम स्पोर्ट प्रो के दाम करीब 49 लाख हैं। बीएमडब्ल्यू अपनी कारों की कीमत में एक सितंबर से तीन फीसदी की बढ़ोतरी करने जा रही है।

ई20 नए वाहनों के लिए सुरक्षित, पुरानी गाड़ियों के लिए बढ़ी चिंता

देश में ई 20 (20 फीसदी इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल) पेट्रोल को बढ़ावा देने का उद्देश्य सरकार की कच्चे तेल के आयात में कटौती और वाहनों से होने वाले कार्बन डाइऑक्साइड के उत्सर्जन को कम करने की योजना का हिस्सा है। सरकार इस बात से खुश है कि यह बड़ा बदलाव 2030 की तय समय-सीमा से पांच साल पहले ही हो गया है। लेकिन ई20 को लेकर पुराने वाहनों के मालिक ज्यादा परेशान हैं, क्योंकि उनके वाहन इसके लिए पूरी तरह से तैयार नहीं हैं। उनकी सबसे बड़ी चिंता यह है कि ई20 पेट्रोल से गाड़ियों के इंजन और परफॉर्मेंस पर बुरा असर पड़ेगा। ऐसी खबरें भी हैं कि ई20 से माइलेज कम होने के साथ इंजन का रखरखाव खर्च बढ़ जाएगा। इसी कारण ज्यादातर वाहन मालिक ई20 पेट्रोल के इस्तेमाल से हिचकिचा रहे हैं, किंतु सरकार के दावों और कुछ वाहन निर्माताओं के अनुसार ई20 नए वाहनों के लिए पूरी तरह सुरक्षित और पर्यावरण के लिए काफी फायदे का सौदा है।

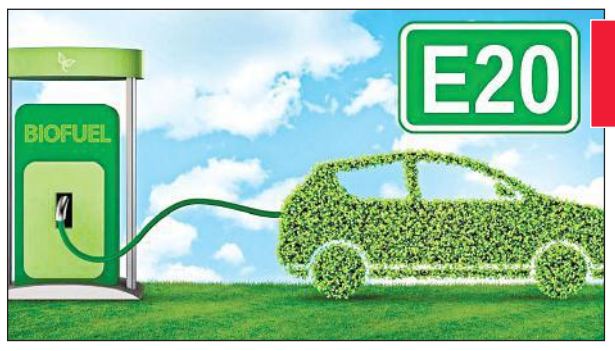

ई20 पेट्रोल भराया और कार नहीं चलाई तो बढ़ेगी परेशानी

ईंधन टैंक में ई20 पेट्रोल के साथ लंबे समय तक बिना इस्तेमाल की गई कारें समस्याएं पैदा कर सकती है। इसका कारण यह है कि इथेनॉल मिश्रित ईंधन लंबे समय तक बिना इस्तेमाल के रहने पर पानी, इथेनॉल और ईंधन की अलग-अलग परतों में विभाजित हो सकता है। विशेषज्ञों के अनुसार इससे ईंधन प्रणाली के लिए जटिल समस्याएं पैदा हो सकती हैं। इससे बचाव के लिए अपने वाहन के ईंधन टैंक को जितना हो सके उतना ऊपर तक भरकर रखें, इससे टैंक के अंदर हवा की मात्रा कम हो जाएगी, जिससे इथेनॉल और पेट्रोल के अलग-अलग होने की संभावना कम हो जाएगी।

क्या होता है ई 20 पेट्रोल

20 प्रतिशत इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल को ई 20 पेट्रोल कहा जाता है। इथेनॉल गन्ना, मक्का या अतिरिक्त अनाज से बनाया जाने वाला जैव ईंधन होता है। भारत 2003 में ई5 से 2022 तक ई10 पर आ गया था, लेकिन ई20 का लक्ष्य तय समय सीमा 2030 से पांच साल पहले ही पूरा कर लिया गया है।

- **बीएस 3 और बीएस 4 वाहनों में जोखिम ज्यादा :** आटोमोबाइल सेक्टर के विशेषज्ञों का भी कहना है कि अगर आपकी कार, बाइक या स्कूटर ई20 पेट्रोल समर्थित नहीं है, तो यह ईंधन कुछ समय बाद गाड़ी के रबर और प्लास्टिक पार्ट्स को खराब कर सकता है। मेटल पार्ट्स में जंग पैदा कर सकता है। ई20 से वाहन में नुकसान की रफ्तार गाड़ी की उम्र और तकनीक पर निर्भर करेगी। मसलन, बीएस3 और बीएस4 गाड़ियों में जोखिम ज्यादा है, जबकि बीएस 6 गाड़ियों में कम नुकसान हो सकता है।

समाधान का रास्ता

- **टू व्हीलर में फ्यूल क्लीनर कारों के लिए अपग्रेड किट :** दोपहिया वाहन बनाने वाली कंपनी बजाज ने वह तरीका बताया है, जिससे पुरानी गाड़ी 20 प्रतिशत एथेनॉल वाले पेट्रोल के साथ आसानी से दौड़ेगी। पुराने बीएस3 वाहन के पेट्रोल टैंक में फ्यूल क्लीनर लगाकर समस्या का समाधान किया जा सकता है। इसके लिए हर 1000 किलोमीटर पर फुल टैंक में 40 मिलीलीटर फ्यूल क्लीनर डालना होगा। इसकी वजह यह है कि 20 ई पेट्रोल के साथ चिपचिपा पदार्थ रह जाता है, जो गाड़ी के फ्यूल पंप, इंजेक्टर और थ्रोटल बॉडी में समस्या पैदा कर सकता है। इसी कारण वाहन के परफॉर्मेंस में कमी आती है। ऐसे में इस चिपचिपे पदार्थ का समाधान फुल टैंक में फ्यूल सिस्टम क्लीनर डालना है। उधर, जिन लोगों ने 2023 से पहले कार खरीदी है, ई20 पेट्रोल से उनकी परेशानी देखते हुए खबर है कि मारुति सुजुकी बाजार में ई20 अपग्रेड किट लाने वाली है। यह किट 10-12 साल पुरानी कारों के लिए उपलब्ध होगी।

अमेरिकी शुल्क से रोजगार पर असर को लेकर विशेषज्ञ बंटे

मुंबई। अमेरिका द्वारा भारतीय निर्यात पर लगाए भारी शुल्क ने भारत में रोजगार को लेकर चिंताएं बढ़ा दी हैं। कुछ विशेषज्ञ तत्काल नौकरियों के संकट की चेतावनी दे रहे हैं, जबकि कुछ का मानना है कि भारत की घरेलू मांग और व्यापार में विविधता इस प्रभाव को कम करने में मदद करेगी। विशेषज्ञों के अनुसार अतिरिक्त शुल्क से कपड़ा उद्योग, वाहन कलपुर्जे बनाने वाले, कृषि और रत्न-आभूषण जैसे क्षेत्र सबसे ज्यादा प्रभावित होंगे।

अमृत विचार

हल्द्वानी, सोमवार, 18 अगस्त 2025

www.amritvichar.com

कारोबार

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन : तुलसी 2705, राज श्री 1840, फॉर्चून कि. 2210, रविन्द्रा 2600, फॉर्चुन 13किलो 1940, जय जवान 1960, सचिन 2000, सूरज 1960, अवसर 1885, उजाला 1920, गृहणी 13 किलो 1835, क्लासिक (किलो) 2065, मोर 2150, चक्र टिन 2450, ब्लू 2065, आशीर्वाद मस्टर्ड 2545, स्वास्तिक 2645

किराना (प्रतिकु.) : हल्दी निजामाबाद 14500, जीरा 24000, लाल मिर्च 14000-17000, धनिया 9000-11000, अजवायान 13500-20000, मेथी 7000-8000 सौंफ 9000-13000, सोंठ 27000, (प्रतिकि0) लौंग 800-1000, बादाम 780-1080, काजू 2 पीस 880, किसमिस पीली 400-600, मखाना 900-1100

चावल (प्रति कु.) : डबल चाबी सेला 9600, स्पाइस 6500, शरबती कच्ची 4950, शर्बती स्टीम 5100, मंसूरी 4000, महबूब सेला 4050, गौरी रॉयल 7300, राजभोग 6850, हरी पत्ती (1-5 किलो) 10300, हरी पत्ति नेचुरल 9100, जेनिथ 8100, गलैक्सी 7400, सूमो 4000, गोल्डन सेला 7900, मंसूरी पनघट 4350, खजाना 4350

दाल दलहन : मूंग दाल इंदौर 10000, मूंग धोवा 10100, राजमा चित्रा 12800-13500, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली 7250-7700 मलका दाल 7600-7900, मलका छाँटी 7800, दाल उड़द बिलासपुर 8000-9000, मसूर दाल छोटी 9000-10900, दाल उड़द दिल्ली 10300, उड़द साबुत दिल्ली 10300, उड़द धोवा इंदौर 13000, उड़द धोवा 10000-11000, चना काला 6950, दाल चना 7600, दाल चना मोटी 7850, मलका विदेशी 7400, रूपकिशोर बेसन 8200, चना अकोला 6900, डबरा 7200-9200, सच्चा हीरा 9300, मोटा हीरा 11300, अरहर गोला मोटा 8500, अरहर पटका मोटा 8900, अरहर कोरा मोटा 9400, अरहर पटका छोटा 9800-10300, अरहर कोरी छोटी 10300

चीनी : डालमियां 4360, पीलीभीत 4300, सितारगंज 4280, धामपुर 4360

हल्द्वानी मंडी

चावल : शरबती- 5600, मसूरी- 4700, बासमती- 9300, परमल- 3900

दाल दलहन : काला चना- 7000, साबुत चना दाल- 7400, मूंग साबुत- 9600, राजमा- 12000-14000, दाल उड़द- 9000, साबुत मसूर दाल- 7200, मसूर दाल- 7400, उड़द साबुत- 8400, काबुली चना- 10500, अरहर दाल- 11200, लोबिया/करमानी- 9000

पुतिन-ट्रंप वार्ता से प्रभावित होगा बाजार

जीएसटी में बड़े बदलाव और भारत की साख में सुधार करने से भी घरेलू बाजार की बदलेगी चाल

नई दिल्ली, एजेंसी

दिवाली तक माल एवं सेवा कर (जीएसटी) व्यवस्था में बड़े सुधार, पुतिन-ट्रंप शिखर सम्मेलन और एसएंडपी के भारत की साख में सुधार करने से इस सप्ताह घरेलू शेयर बाजार की चाल प्रभावित हो सकती है। विश्लेषकों ने कहा कि इसके अलावा वैश्विक बाजारों के रुझान और विदेशी निवेशकों का रुख भी घरेलू निवेशकों की धारणा को प्रभावित करेगा।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को दिवाली तक जीएसटी व्यवस्था में बड़े सुधारों की घोषणा की, जिससे रोजमर्रा की वस्तुओं की कीमतें कम होंगी। स्वस्तिका इन्वेस्टमार्ट के शोध प्रमुख संतोष मीणा ने कहा, इस सप्ताह बाजार में उत्साह की संभावना है, क्योंकि बाजार प्रधानमंत्री के स्वतंत्रता दिवस संबोधन से आशान्वित हैं। दिवाली से पहले जीएसटी दरों में संभावित कटौती के उनके बयान से बाजार की धारणा में उल्लेखनीय सुधार हो सकता है और शेयर बाजार सुस्ती की गिरफ्त से बाहर आ सकते हैं। इस बीच, भारत ने शनिवार को अलास्का में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनके रूसी समकक्ष व्लादिमीर पुतिन के बीच शिखर वार्ता का स्वागत किया। हालांकि, यह वार्ता बिना किसी नतीजे के समाप्त हुई।

एसएंडपी ने गुरुवार को मजबूत आर्थिक वृद्धि, राजकोषीय समेकन के लिए राजनीतिक प्रतिबद्धता और मुद्रास्फीति पर अंकुश लगाने के लिए 'अनुकूल' मौद्रिक नीति का हवाला देते हुए 18 वर्षों से अधिक समय के बाद स्थिर दृष्टिकोण के साथ भारत की साख को 'बीबीबी' कर दिया।

जियोजीत इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के मुख्य निवेश रणनीतिकार वीके विजयकुमार ने कहा, आने वाले दिनों में एफआईआई की गतिविधियां शुल्क के मोर्चे पर होने वाली कार्रवाई से प्रभावित होंगी। अमेरिका और रूस के बीच तनाव कम होने और रूस पर आगे कोई प्रतिबंध न लगने की ताजा खबरें इस बात का संकेत हैं कि भारत पर लगाया 25 प्रतिशत का अतिरिक्त या दूसरा शुल्क 27 अगस्त के बाद भी लागू नहीं होगा। अमेरिकी फेडरल रिजर्व की बैठक के विवरण और अमेरिकी व्यापक आर्थिक आंकड़ों पर भी बाजार की नजर रहेगी।

शीर्ष पांच कंपनियों की पूंजी 60,675.94 करोड़ बढ़ी

नई दिल्ली। सेंसेक्स की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से पांच के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में बीते सप्ताह सामूहिक रूप से 60,675.94 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई। सबसे अधिक लाभ भारतीय स्टेट बैंक और एचडीएफसी बैंक को हुआ। छुट्टियों के कारण कम कारोबारी सत्र के सप्ताह के दौरान सेंसेक्स 739.87 अंक या 0.92 प्रतिशत चढ़ा, वहीं निफ्टी 268 अंक या 1.10 प्रतिशत के लाभ में रहा। शीर्ष 10 कंपनियों में से रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) और इन्फोसिस के मूल्यांकन में बढ़ोतरी हुई। वहीं टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), आईसीआईसीआई बैंक, हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड, भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) और बजाज फाइनेंस के बाजार पूंजीकरण में गिरावट आई। शीर्ष 10 कंपनियों में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर कायम रही। इसके बाद क्रमश: एचडीएफसी बैंक, टीसीएस, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, इन्फोसिस, हिंदुस्तान यूनिलीवर, एलआईसी और बजाज फाइनेंस का स्थान रहा।

एफपीआई ने निकाले 20,975 करोड़

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने अगस्त के पहले पखवाड़े में भारतीय शेयर बाजार में 21,000 करोड़ रुपये की बिकवाली की है। अमेरिका-भारत व्यापार तनाव, कंपनियों के पहली तिमाही के उम्मीद से कमजोर नतीजों तथा रुपये में गिरावट के बीच एफपीआई बिकवाल बने हुए हैं। डिपॉजिटरी के अनुसार, इसके साथ ही 2025 में अबतक एफपीआई भारतीय शेयर बाजार से कुल 1.16 लाख करोड़ रुपये की निकासी कर चुके हैं। एफपीआई का रुख आगे शुल्क मोर्चे पर गतिविधियों से तय होगा। एंजल वन के वरिष्ठ बुनियादी विश्लेषक (सीएफए) वकार जावेद खान ने कहा कि अमेरिका और रूस के बीच तनाव में हालिया कमी और नए प्रतिबंध नहीं लगने की वजह से प्रतीत होता है कि भारत पर प्रस्तावित 25 प्रतिशत का अतिरिक्त शुल्क (सेकेंडरी टैरिफ) 27 अगस्त के बाद लागू होने की संभावना नहीं है। यह बाजार के लिए स्पष्ट रूप से सकारात्मक संकेत है।

पेट्रोल पंप पर भूमिगत टैंक पूरी तरह हों सील

नई दिल्ली, एजेंसी

- ईंधन के जल में घुलनशील होने की विशेषता से गाड़ियों में आ सकती हैं दिक्कतें

एथनॉल मिश्रित पेट्रोल के उपयोग से वाहनों में 'माइलेज' और अन्य समस्याओं को लेकर चर्चा के बीच क्षेत्र से जुड़े लोगों का कहना है कि इस ईंधन के जल में घुलनशील होने की विशेषता से गाड़ियों में दिक्कतें आ सकती हैं। इससे निपटने के लिए अन्य बातों के अलावा पेट्रोल पंप पर स्थित भूमिगत ईंधन टैंक को पूरी तरह से सील करने की जरूरत है।

सोशल मीडिया पर कई वाहन मालिकों ने पेट्रोल में 20 प्रतिशत एथनॉल मिश्रित ईंधन को लेकर गाड़ियों को हो रहे नुकसान के बारे में लिखा है। लोगों ने कहा है कि इसके इस्तेमाल से वाहन के माइलेज में करीब 7% की गिरावट आई है जबकि कुछ लोगों ने इससे ई-10 वाहनों में रबड़, धातु कलपुर्जों के खराब होने की आशंका जताई है। पेट्रोलियम मंत्रालय ने इन बातों को खारिज करते हुए कहा कि गन्ना या मक्का से निकाले गए 20% एथनॉल और 80% पेट्रोल के मिश्रण के राष्ट्रीय कार्यक्रम का उद्देश्य प्रदूषण कम करना और किसानों की आय बढ़ाना है।

ऑल इंडिया पेट्रोलियम डीलर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष अजय बंसल ने कहा कि एथनॉल ईंधन का अच्छा विकल्प है, लेकिन पानी में घुलनशील होने की इसकी विशेषता से गाड़ियों में समस्याएं आ सकती हैं। जितने भी हमारे पेट्रोल पंप हैं, सब में अंडरग्राउंड टैंक हैं। टैंक में पानी नहीं जाए, उसके लिए उसे बेहतर तरीके से सील करना जरूरी है। एथनॉल मिश्रण वाले पेट्रोल में अगर पानी आता है तो वह भी पानी बन जाता है, जिससे गाड़ियों में समस्याएं हो सकती है। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर प्राइवेट लि. ने कहा कि एथनॉल की जो विशेषताएं हैं, उसको देखते हुए, ई-20 के उपयोग से माइलेज में थोड़ा-बहुत अंतर हो सकता है।

भारतीय शराब निर्माता कंपनियां राज्यों की आबकारी नीतियों में भेदभाव से नाराज

नई दिल्ली, एजेंसी

- सीआईएबीसी ने कहा- उत्पाद शुल्क नीतियों में विसंगतियों से हो रहा नुकसान

भारतीय शराब विनिर्माता कंपनियों ने आरोप लगाया है कि कई राज्यों की आबकारी नीतियां विदेशी शराब ब्रांडों के पक्ष में और घरेलू ब्रांडों के खिलाफ भेदभावपूर्ण हैं, जबकि भारतीय ब्रांडों को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी पहचान और सम्मान मिल रहा है।

मादक पेय पदार्थ विनिर्माताओं के संगठन सीआईएबीसी ने कई राज्य सरकारों से संपर्क कर कहा है कि उनकी उत्पाद शुल्क नीतियों में विसंगतियों से शराब बनाने वाली भारतीय कंपनियां अपने विदेशी समकक्षों की तुलना में नुकसान में हैं। भारतीय मादक पेय निर्माताओं की शीर्ष संस्था सीआईएबीसी ने कहा कि भारतीय ब्रांडों को आयातित बीआईओ (बोतलबंद मूल) की तुलना में अत्यधिक उच्च ब्रांड पंजीकरण शुल्क चुकाना पड़ता है, जिससे कई राज्यों में उत्पाद के प्रवेश में बाधा उत्पन्न होती है।

उद्योग संगठन ने कहा कि नए मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) के लागू होने से बीआईओ उत्पादों पर सीमा शुल्क और घट जाएगा। वहीं दूसरी ओर, राज्य सरकारों द्वारा भारतीय प्रीमियम ब्रांड्स पर लगाया जा रहे ऊंचे उत्पाद शुल्क (एक्साइज ड्यूटी) घरेलू उद्योग को कम प्रतिस्पर्धी बना देंगे। भारतीय उत्पादों से किया जा रहा भेदभाव प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'आत्मनिर्भर भारत' के आह्वान के विपरीत है। बीआईओ उन व्हिस्की/स्पिरिट्स को कहते हैं जिन्हें उनके मूल देश में बोतलबंद किया जाता है और उनकी ब्रांडिंग और पैकेजिंग के साथ भारत में आयात किया जाता है।

खाना पकाने के बाद बचे तेल से उड़ेंगे विमान

नई दिल्ली, एजेंसी

आईओसी ने खाना पकाने के बेकार तेल से टिकाऊ विमान ईंधन बनाया

घर या रेस्तरां में तलने के बाद अक्सर खाना पकाने के तेल को फेंक दिया जाता है। सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसी) की रिफाइनरी को अब उसी तेल से टिकाऊ विमानन ईंधन (एसएएफ) बनाने का प्रमाणन मिल गया है। कंपनी के चेयरमैन अरविंदर सिंह साहनी ने यह जानकारी दी।

एसएएफ गैर-पेट्रोलियम फीडस्टॉक से बना वैकल्पिक ईंधन है जो हवाई परिवहन से होने वाले उत्सर्जन को कम करता है। उपलब्धता के आधार पर, इसे पारंपरिक एविएशन टर्बाइन फ्यूल (एटीएफ या जेट ईंधन) में 50 प्रतिशत तक मिलाया जा सकता है। भारत ने 2027 से अंतर्राष्ट्रीय एयरलाइन कंपनियों को बेचे जाने वाले जेट ईंधन में 1% एसएएफ मिश्रण को अनिवार्य कर दिया है। साहनी ने बताया कि हरियाणा के पानीपत स्थित आईओसी की रिफाइनरी ने इस्तेमाल हुए खाद्य तेल से एसएएफ बनाने के लिए अंतर्राष्ट्रीय नागर विमानन संगठन (आईसीएओ) का आईएससीसी कॉर्सिया प्रमाणन (अंतर्राष्ट्रीय स्थिरता व कार्बन प्रमाणन- आईएससीसी- जिसे अंतर्राष्ट्रीय विमानन के लिए कार्बन कम करने की योजना (कोर्सिया) के तहत विकसित किया गया है) हासिल कर लिया है।

35 हजार टन होगा उत्पादन

साहनी ने बताया कि साल के अंत से यह रिफाइनरी सालाना 35,000 टन एसएएफ का उत्पादन शुरू कर देगी। यह उत्पादन 2027 में देश के लिए अनिवार्य 1% मिश्रण की जरूरतों को पूरा करने के लिए पर्याप्त होगा। इस प्रक्रिया की समझाते हुए उन्होंने कहा कि एजेंसियां बड़े उपयोगकर्ताओं मसलन होटल श्रृंखलाओं, रेस्तरां और हल्दीराम जैसी स्नैक्स और मिठाई बनाने वाली कंपनियों से इस्तेमाल किया हुआ खाना पकाने का तेल एकत्र करेंगी और इसकी आपूर्ति पानीपत रिफाइनरी को करेंगी।

राष्ट्रीय

कांग्रेस ने संविधान की भावना को कुचला : मोदी

प्रधानमंत्री ने विपक्ष पर सत्ता में रहते हुए अन्यायपूर्ण, प्रतिगामी कानून बनाए रखने का आरोप लगाया

- मोदी बोले- विपक्षी दल भाजपा की सफलता को पचा नहीं पा रहे

नई दिल्ली, एजेंसी

एक्सप्रेस-वे परियोजना का अवलोकन करते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, साथ में केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी। एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को विपक्षी नेताओं पर निशाना साधते हुए कहा कि जो लोग अपने सिर पर संविधान की प्रति रखकर नाचते हैं, उन्होंने सत्ता में रहते हुए संविधान की भावना को कुचलते हुए अन्यायपूर्ण और प्रतिगामी कानून बनाए रखे। प्रधानमंत्री मोदी ने दो कहा कि विपक्षी दल दिल्ली और इसके आसपास के राज्यों हरियाणा, राजस्थान और उत्तर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सफलता को पचा नहीं पा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि ये जो लोग संविधान सिर पर रख कर नाचते हैं ना, वो संविधान को कैसे कुचलते थे, वो बाबा साहेब (आंबेडकर) की भावना को कैसे दगा देते थे, वो सच्चाई मैं बताने जा रहा हूं। उन्होंने कहा कि यह सुनकर आप हैरान रह जाएंगे। दिल्ली में हमारे सफाई कर्मचारी बहुत बड़ी जिम्मेदारी निभा रहे हैं। हमें हर सुबह उन्हें धन्यवाद देना चाहिए। उन्होंने कहा कि पहले की सरकारें उनके साथ गुलामों जैसा व्यवहार करती थीं। उन्होंने कहा कि दिल्ली नगर निगम अधिनियम में एक प्रावधान था कि बिना पूर्व सूचना के ड्यूटी पर न आने पर सफाई कर्मचारियों को एक महीने की जेल हो सकती है। मोदी ने सवाल किया कि वे सफाई कर्मचारियों के बारे में क्या सोचते थे? आप उन्हें एक छोटी सी गलती के लिए जेल में डाल देंगे।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी और अन्य विपक्षी दलों के सदस्य अक्सर संविधान की प्रति लेकर सत्तारूढ़ भाजपा के हमलों से उसकी रक्षा करने का संकल्प लेते देखे जाते हैं। मोदी ने कहा कि विपक्षी दल जो अब सामाजिक न्याय की बड़ी-बड़ी बातें करते हैं, उन्होंने देश में ऐसे कई नियम और कानून बनाए हैं। उन्होंने कहा कि सरकार ऐसे प्रतिगामी कानूनों की पहचान करके उन्हें निरस्त कर रही है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि सरकार पहले ही ऐसे सैकड़ों कानूनों को निरस्त कर चुकी है और यह प्रक्रिया जारी है।

विकास के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध

मोदी ने अपने भाषण के दौरान इस अनोखे समीकरण पर भी प्रकाश डाला कि वर्तमान में दिल्ली, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और राजस्थान में भाजपा की सरकारें हैं। उन्होंने कहा कि यह पूरे क्षेत्र की जनता द्वारा उनकी पार्टी और उसके नेतृत्व पर दिए गए अपार आशीर्वाद को दर्शाता है। मोदी ने कहा कि इस जिम्मेदारी को समझते हुए, सरकार दिल्ली-एनसीआर के विकास के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि कुछ राजनीतिक दल अभी भी जनता के जनादेश को स्वीकार नहीं कर पा रहे हैं। उन्होंने कहा कि इन दलों ने जनता के विश्वास और जमीनी हकीकत, दोनों से खुद को दूर कर लिया है। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि कुछ महीने पहले दिल्ली और हरियाणा के लोगों को एक-दूसरे के खिलाफ खड़ा करने की साज़िशें रची गई थीं। प्रधानमंत्री ने कहा कि झूठे दावे किए गए थे कि हरियाणा के निवासी दिल्ली की पानी की आपूर्ति में जहर मिला रहे हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली और पूरा एनसीआर अब ऐसी नकारात्मक राजनीति से मुक्त हो गया है।

बिट्स पिलानी के छात्रावास में उप्र का छात्र मिला मृत

पणजी। बिट्स पिलानी के गोवा परिसर में 20 वर्षीय छात्र अपने छात्रावास के कमरे में मृत पाया गया। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि छात्र कुशाग्र जैन शनिवार को पूर्वाह्न 11 बजे दक्षिण गोवा जिले के वास्को स्थित छात्रावास के कमरे में मृत पाया गया। पोस्टमार्टम के बाद ही मौत का सही कारण पता चल सकेगा। वर्ना पुलिस थाने में इस संबंध में मामला दर्ज कर लिया गया है।

उत्तर प्रदेश के मूल निवासी जैन, वास्को स्थित 'बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइंस' (बिट्स)-पिलानी परिसर में अर्थशास्त्र और कंप्यूटर विज्ञान के तृतीय वर्ष का छात्र था। छात्रों के बयान का हवाला देते हुए पुलिस ने कहा कि छात्र ने पिछली रात अपने कमरे में लौटने से पहले परिसर में टेबल टेनिस खेला था। कमरा अंदर से बंद था और जब शनिवार सुबह कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली तो अधिकारियों को सूचित किया गया, जिन्होंने दरवाजा तोड़ा तो उन्हें मृत पाया।

गुजरात : कार-एसयूवी की टक्कर में आठ लोगों की जिंदा जलकर मौत

सुरेंद्रनगर, एजेंसी

- एसयूवी में सवार तीन लोग मामूली रूप से घायल

गुजरात के सुरेंद्रनगर जिले में रविवार को एक कार के एक वाहन (एसयूवी) से टकराने के बाद सड़क किनारे खाई में गिरने और आग लगने से पांच महिलाओं और दो बच्चों समेत आठ लोगों की जिंदा जलकर मौत हो गई। यह भीषण दुर्घटना वढवान तालुका के डेडादरा गांव के निकट राजमार्ग पर अपराह्न 3:40 बजे हुई, जब कार कडू गांव से सुरेंद्रनगर शहर की ओर जा रही थी।

पुलिस ने बताया कि एसयूवी में सवार तीन लोग मामूली रूप से घायल हो गए। दुर्घटना के तुरंत बाद कार सड़क किनारे खाई में जा गिरी और आग के गोले में बदल गई, जिससे उसमें सवार सभी लोग फंस गए। सुरेंद्रनगर के पुलिस उप महानिरीक्षक (डीआईजी) गिरीश पांड्या ने कहा कि कार में सवार सभी आठ लोगों की जिंदा जलने से मौत हो गई। एसयूवी में सवार तीन अन्य लोग मामूली रूप से घायल हो गए और उन्हें अस्पताल ले जाया गया। उन्होंने बताया कि टक्कर के कारण एसयूवी का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया।

एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि आग लगने से कार पूरी तरह जलकर राख हो गई और स्थानीय अग्निशमन कर्मियों को शवों को निकालने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। उन्होंने कहा कि मृतकों में क्रमशः 10 महीने और 13 वर्ष की दो लड़कियां, 35-55 वर्ष की आयु वर्ग की पांच महिलाएं और चालक शामिल हैं। पांड्या ने कहा कि सभी शवों को पोस्टमार्टम के लिए सुरेंद्रनगर सरकारी अस्पताल ले जाया गया। दुर्घटना के कारण राजमार्ग पर भारी यातायात जाम लग गया।

महिला के रोने मात्र से दहेज उत्पीड़न का मामला नहीं बनता : दिल्ली हाईकोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी

- उच्च न्यायालय ने याचिका खारिज करते हुए की टिप्पणी

दिल्ली उच्च न्यायालय ने कहा है कि केवल इस तथ्य से कि एक महिला रो रही थी, दहेज उत्पीड़न का मामला नहीं बन सकता। न्यायमूर्ति नीना बंसल कृष्णा ने यह टिप्पणी एक व्यक्ति और उसके परिवार को क्रूरता एवं दहेज उत्पीड़न के आरोपों से मुक्त करने के खिलाफ दायर याचिका को खारिज करते हुए की।

अभियोजन पक्ष के अनुसार महिला का उसके पति और ससुराल वालों ने उत्पीड़न किया और दहेज की मांग की। महिला का विवाह दिसंबर 2010 में हुआ था। महिला के परिवार ने दावा किया कि उन्होंने शादी पर लगभग चार लाख रुपये खर्च किए थे लेकिन पति और ससुराल वालों ने मोटरसाइकिल, नकदी और सोने के कंगन की मांग की। महिला की दो बेटियां थीं, उसकी 31 मार्च 2014 को मौत हो गई थी। उच्च न्यायालय ने कहा कि मृतका की बहन का धारा 161 के तहत बयान दर्ज किया गया, जिसमें उसने यह भी कहा कि होली के अवसर पर उसने अपनी बहन को फोन किया था और उस दौरान उसकी बहन रो रही थी। हालांकि केवल इसलिए कि महिला रो रही थी, दहेज उत्पीड़न का कोई मामला नहीं बनता।

निचली अदालत ने यह कहते हुए अभियुक्तों को बरी कर दिया था कि मौत निमोनिया से हुई थी। उच्च न्यायालय ने इस बात पर भी जोर दिया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत का कारण निमोनिया बताया गया है, न कि क्रूरता।

यूट्यूबर एल्विश के गुरुग्राम स्थित घर के बाहर गोलीबारी

गुरुग्राम, एजेंसी

- दो नकाबपोश हमलावरों ने दो दर्जन से अधिक चलाईं गोलियां

यूट्यूबर एल्विश यादव के गुरुग्राम सेक्टर 57 स्थित आवास के बाहर रविवार सुबह दो नकाबपोश हमलावरों ने दो दर्जन से अधिक गोलियां चलाईं। यह घटना सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड हो गयी, जिसमें बाइक सवार दो नकाबपोश बदमाश घर के बाहर आते और दूर से गोलियां चलाते दिखाई दे रहे हैं।

कुछ सेकंड बाद, उनमें से एक मुख्य द्वार पर झुका और गोलियां चलाता रहा, फिर दोनों भाग गए। घटना सुबह साढ़े पांच बजे हुई और उस वक्त यादव घर पर नहीं थे। इस बीच, भाऊ गिरोह ने गोलीबारी की जिम्मेदारी ली है। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और फॉरेंसिक साक्ष्य एकत्र किए। सोशल मीडिया पर 'भाऊ गैंग' के सदस्य गैंगस्टर नीरज फरीदपुर और भाऊ रिटोलिया ने हमले की जिम्मेदारी ली। रिटोलिया ने लिखा, आज एल्विश के घर पर जो गोलियां चलाई गईं, वे हमारी ओर से चलाई गईं थीं। उसने सट्टेबाजी ऐप्स को बढ़ावा देकर कई घर बर्बाद कर दिए हैं। सट्टेबाजी को बढ़ावा देने वाले अन्य सोशल मीडिया हस्तियों को गोलियों या कॉल का सामना करना पड़ सकता है।

नाबालिग दुष्कर्म पीड़ितों की पहचान सुरक्षित न रखने पर महाराष्ट्र सरकार को फटकार

मुंबई, एजेंसी

- शीर्ष अदालत के निर्देशों को लागू करने में विफल रहने पर हाईकोर्ट ने की टिप्पणी

बॉम्बे हाईकोर्ट ने यौन उत्पीड़न की शिकार हुईं नाबालिग लड़कियों की पहचान को सुरक्षित नहीं रखने पर महाराष्ट्र सरकार को फटकार लगाई है। अदालत ने सुरक्षा के संबंध में शीर्ष अदालत के निर्देशों को लागू करने में विफल रहने पर महाराष्ट्र सरकार से कहा कि इस संबंध में राज्य सरकार ने मई 2024 के आदेश के बाद से बहुत कम काम किया है।

न्यायमूर्ति रविन्द्र घुगे और गौतम अंखड की खंडपीठ दो डॉक्टरों द्वारा दायर याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी, जिन्होंने आरोप लगाया था कि पुलिस ने उन्हें उस समय प्रताड़ित किया था जब उन्होंने उन नाबालिगों के नाम का खुलासा करने से इंकार कर दिया था जो गर्भावस्था की मेडिकल समाप्ति (एमटीपी) के लिए उनसे मिली थीं। सुनवाई के दौरान पीठ ने एक्स बनाम प्रमुख सचिव, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग (2022) में शीर्ष अदालत के 2022 के फैसले का हवाला दिया, जिसमें कहा गया था कि ऐसे नाबालिगों की पहचान गोपनीय रहनी चाहिए।

2024 में बॉम्बे हाईकोर्ट ने भी राज्य को पुलिस और अधिकारियों के लिए दिशानिर्देश तैयार करने का निर्देश दिया था ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि नाबालिग पीड़ितों की पहचान सुरक्षित रहे। पीठ ने कहा कि हमारा मानना है कि राज्य सरकार ने इस संदर्भ में बहुत कम काम किया है। इस न्यायालय द्वारा 7 मई, 2024 को दिए निर्देश को 15 महीने से ज्यादा हो गए हैं लेकिन दिशा-निर्देश अभी तक लागू नहीं हुए हैं।

बर्लिन में भारत परेड

भारत का 79वें स्वतंत्रता दिवस का उत्सव दुनिया के कई और देशों में भी मनाया गया। बर्लिन के ब्रैंडेनबर्ग गेटन में रविवार को भारतीय समुदाय के लोगों ने पूरे जोशोखरोश के साथ भारत परेड निकाली। एजेंसी

ट्रंप और पुतिन की मुलाकात

भारत के लिए संकेत

रूस और यूक्रेन के युद्ध मुद्दे पर अलास्का में हुई ट्रंप और पुतिन की मुलाकात के सिर्फ रूस-यूक्रेन के लिए ही नहीं बल्कि भारत, यूरोप, पाकिस्तान और चीन के लिए भी अलग-अलग महत्व माना जा रहा है। इन देशों के इस वार्ता से जुड़े भू-राजनीतिक निहितार्थों को अलग-अलग कोण से देखना जरूरी है। इस पूरे घटनाक्रम में सबसे महत्वपूर्ण यह है कि ट्रंप और पुतिन की वार्ता में रूस का पलड़ा भारी माना जा रहा है क्योंकि यूक्रेन युद्ध को लेकर अमेरिका और यूरोप की थकान अब स्पष्ट रूप से दिखने लगी है। अमेरिका साफ तौर पर यूक्रेन को पैसे और हथियारों की मदद से हाथ खींचने की घोषणा कर चुका है। भारत के लिए यह अवसर ऊर्जा सुरक्षा, रक्षा सहयोग और भूराजनीतिक संतुलन साधने में सहायक हो सकता है। बेशक यूरोप ट्रंप पर दबाव बनाएगा ताकि रूस को ज्यादा फायदा न मिले। उधर, पाकिस्तान और चीन दोनों की मौजूदा रणनीतियों को यह वार्ता अस्थिर कर सकती है।

रूस का पलड़ा भारी क्यों

- रूस ने डोनबास और काला सागर तटीय इलाकों पर स्थायी नियंत्रण मजबूत कर लिया है जबकि यूक्रेन की पलटवार क्षमताएं थकी हुई हैं।
- ट्रंप की विदेश नीति अमेरिका फर्स्ट है, इसलिए वह यूक्रेन में आगे सैन्य खर्च जारी रखने के इच्छुक नहीं है। इससे रूस को बढ़त मिलती है।
- आर्थिक लागत और ऊर्जा निर्भरता के कारण यूरोपीय देशों का भी उत्साह काफी कम हुआ है, इस वजह से रूस पर दबाव और घटा है।
- रूस के राष्ट्रपति पुतिन के पास चीन, ईरान और ग्लोबल साउथ देशों के साथ विकल्प मौजूद हैं मगर यूक्रेन अपेक्षाकृत अकेला दिख रहा है।

यूरोपीय देशों का दबाव

- सुरक्षा की चिंता प्रमुख है। यूरोप मानता है कि रूस का और आगे बढ़ना सीधे उनकी सुरक्षा के लिए खतरा है।
- शांति स्थापित करने के लिए ट्रंप रूस को ज्यादा छूट देते हैं तो नाटो की डिटरेंस पावर पर सवाल उठेगा।
- पोलैंड, बाल्टिक देश और जर्मनी जैसे राज्य अपनी जनता को दिखाना चाहते हैं कि वे रूस के खिलाफ हैं।
- यूरोपीय देश यह भी नहीं चाहते कि रूस एक बार फिर गैस और तेल के जरिए यूरोप पर दबाव बना पाए।
- भारत क्वाड और इंडो-पैसिफिक में अमेरिका का प्रमुख सहयोगी है। समझौते के बाद उसके लिए दोनों पक्षों को साधने की गुंजाइश बढ़ेगी।

समझौते से भारत को लाभ

- रूस से रियायती दर पर तेल और गैस की सप्लाई जारी रहेगी जिससे भारत की ऊर्जा सुरक्षा और सुदृढ़ होगी।
- रूस रक्षा उत्पादन और तकनीक में भारत का भागीदार है। इससे डिलीवरी और को-प्रोडक्शन सुचारु रहेगा।
- भू-राजनीतिक राहत मिलेगी और भारत पर पश्चिमी देशों का दबाव कम होगा क्योंकि वे भी युद्धविराम चाहेंगे।
- भारत शांति की स्थिति में विश्वसंतुलन और विकासशील देशों के प्रवक्ता के रूप में प्रभावी भूमिका निभा सकेगा।

पाकिस्तान-चीन के लिए संकेत

- रूस-भारत समीकरण मजबूत होने से पाकिस्तान को सैन्य और ऊर्जा सहयोग में सीमित विकल्प मिलेंगे।
- पाकिस्तान की यूक्रेन का समर्थन कर अमेरिका से नजदीकी बढ़ाने की रणनीति कमजोर पड़ सकती है।
- चीन रूस को मजबूत देखना चाहेगा लेकिन ट्रंप के समझौते से उसका रूसी कार्ड कमजोर हो सकता है।
- इसके बाद अमेरिका चीन पर अधिक सीधा दबाव डाल सकेगा, खासकर ताइवान और इंडो-पैसिफिक पर।
- भारत के लिए सकारात्मक यह होगा कि चीन-रूस धुरी कुछ हद तक कम मजबूत होती दिख सकती है।

वर्ल्ड ब्रीफ

ग्रेटर नोएडा: बीटेक के छात्र ने आत्महत्या की

नोएडा। ग्रेटर नोएडा स्थित एक निजी विश्वविद्यालय में इंजीनियरिंग के द्वितीय वर्ष के छात्र ने अपने छात्रावास के कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। अपने सुसाइड नोट में, शिवम डे ने अपनी मौत के लिए किसी को ज़िम्मेदार नहीं ठहराया और विश्वविद्यालय से फीस उसके माता-पिता को वापस करने का अनुरोध किया। पुलिस के एक प्रवक्ता ने बताया कि छात्र ने यह भी लिखा कि वह पढ़ाई का दबाव नहीं झेल पा रहा था। बिहार के मधुबनी जिले के पूर्णिया निवासी शिवम ग्रेटर नोएडा स्थित शारदा विश्वविद्यालय से कंप्यूटर साइंस में बीटेक कर रहा था।

बंधक इजराइलियों के परिजन ने की हड़ताल

यरूशलम। गाजा में बंधक बनाए गए इजराइल के लोगों के परिवारों ने राष्ट्रव्यापी हड़ताल के साथ अपना अभियान तेज कर दिया है। साथ ही पुलिस ने व्यवस्था में व्यवधान के आरोप में रविवार को 24 से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने कहा कि कानून का उल्लंघन करने वाले या सार्वजनिक व्यवस्था को खतरे में डालने वाले किसी भी व्यक्ति के खिलाफ सख्ती से कार्रवाई की जाएगी। ये गिरफ्तारियां ऐसे समय में हुई हैं जब कुछ व्यवसाय, थिएटर और रेस्तरां एकजुटता दिखाते हुए बंद किए गए हैं और इजराइल के नेता गाजा में नए हमले की योजना बना रहे हैं।

आईएस के ठिकानों पर इराक के हवाई हमले

बगदाद। इराकी सुरक्षा बलों ने इस्लामिक स्टेट (आईएस) के ठिकानों पर दो हवाई हमले कर वहां छिपे कुछ आतंकवादी मार गिराए हैं। इराकी संयुक्त अभियान कमान (जेओसी) ने ने एक बयान में कहा कि खुफिया जानकारी के आधार पर, पहला हमला मंगलवार को एफ-16 विमानों से सलाहुद्दीन प्रांत में आईएस के एक महत्वपूर्ण ठिकाने को निशाना बनाकर किया गया, जिससे वहां मौजूद आतंकवादी मारे गए। दूसरा हमला उत्तरी किरकुक प्रांत में आईएस के एक और ठिकाने को निशाना बनाकर गुरुवार को किया गया।

सूडान में आरएसएफ के हमले में 31 की मौत

खार्तूम। पश्चिमी सूडान के अल फशर शहर में रैपिड सपोर्ट फोर्सेस (आरएसएफ) के हमले में शनिवार को कम से कम 31 लोग मारे गए जिनमें सात बच्चे और एक गर्भवती महिला शामिल हैं। इस हमले में 13 अन्य लोग घायल हो गए। स्वयंसेवी समूह सूडान डॉक्टर्स नेटवर्क ने रविवार को एक बयान में कहा कि आरएसएफ ने अबू शौक विस्थापन शिविर को जानबूझकर तोपखाने से निशाना बनाकर जघन्य अपराध किया है।

वाशिंगटन में जेलेंस्की के साथ ट्रंप की बैठक में यूरोपीय नेता भी होंगे शामिल

यूरोपीय कमीशन की प्रमुख लेयेन, मैक्रों, मर्ज और मार्क रूटे जाएंगे बैठक में

कीव, एजेंसी

यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने रविवार को कहा कि यूरोपीय और नाटो नेता यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के साथ अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की महत्वपूर्ण बैठक में शामिल होंगे। सोमवार को व्हाइट हाउस में होने वाली महत्वपूर्ण बैठक के संबंध में यह कदम फरवरी में ट्रंप से मुलाकात के दौरान जेलेंस्की के साथ हुई तीखी झड़प की पुनरावृत्ति को रोकने का एक स्पष्ट प्रयास माना जा रहा है।

यूरोपीय संघ की कार्यकारी शाखा की प्रमुख वॉन डेर लेयेन ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, राष्ट्रपति जेलेंस्की के अनुरोध पर मैं कल व्हाइट हाउस में राष्ट्रपति ट्रंप और अन्य यूरोपीय नेताओं के साथ बैठक में शामिल होऊंगी। रविवार को एक के बाद एक कई यूरोपीय नेताओं ने भी घोषणा की कि वे वहां जा रहे हैं। इनमें फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों, जर्मनी के चांसलर फ्रेडरिक मर्ज और नाटो सैन्य गठबंधन के महासचिव मार्क रूटे शामिल हैं। ट्रंप और पुतिन के बीच शुक्रवार को अलास्का में हुई शिखर बैठक में यूक्रेन और रूस के बीच लंबे समय से जारी युद्ध को समाप्त करने संबंधी बातचीत की गई हालांकि इस बैठक का कोई ठोस परिणाम नहीं निकला। अब सोमवार को ट्रंप वाशिंगटन में यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की और यूरोपीय नेताओं से मिलेंगे और उन्हें पुतिन के साथ हुई बातचीत का ब्योरा देंगे।

ईयू मुख्यालय में उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की से बात की।

यूक्रेन में शांति के लिए ट्रंप की पत्नी मेलानिया का पुतिन को पत्र- बच्चों की मासूमियत की रक्षा करें

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की पत्नी मेलानिया ट्रंप ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के नाम एक पत्र लिखकर यूक्रेन में शांति का अनुरोध किया है। ट्रंप ने

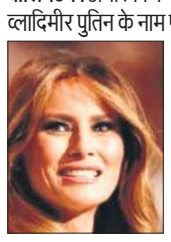

मेलानिया का यह पत्र पुतिन को अलास्का में सौंपा। मेलानिया ट्रंप के इस पत्र में यूक्रेन का नाम नहीं लिया गया लेकिन पुतिन से बच्चों और उनकी उस मासूमियत के बारे में विचार करने की अपील की गई और इसे भौगोलिक सीमाओं, सरकार और विचारधारा से परे बताया गया। अमेरिकी प्रथम महिला ने संघर्ष का उल्लेख किया, बस पुतिन से इतना कहा कि वे अपने प्रयास से उन बच्चों की हंसी वापस ला सकते हैं जो इस संघर्ष में फंस गए हैं। उन्होंने पत्र में लिखा, इन बच्चों की मासूमियत की रक्षा करके आप न सिर्फ रूस की बल्कि पूरी मानवता की सेवा करेंगे। इस पत्र की एक प्रति सबसे पहले 'फॉक्स न्यूज डिजिटल' को मिली और बाद में अमेरिकी राष्ट्रपति के समर्थकों ने इसे सोशल मीडिया पर पोस्ट किया जिनमें अटॉर्नी जनरल पाम बॉन्डी भी शामिल हैं।

पुतिन यूक्रेन को नाटो जैसी सुरक्षा गारंटी देने को सहमत: विटकॉफ

न्यूयॉर्क। विशेष अमेरिकी दूत स्टीव विटकॉफ ने रविवार को कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ शिखर वार्ता में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने अमेरिका और यूरोपीय सहयोगियों को यूक्रेन को नाटो जैसी सुरक्षा गारंटी देने पर सहमति व्यक्त की है। विटकॉफ ने कहा कि यह गारंटी नाटो की सामूहिक रक्षा प्रतिबद्धता के समान होगी और साढ़े तीन साल से जारी रूस-यूक्रेन युद्ध को समाप्त करने के लिए किसी भी संभावित समझौते का हिस्सा है। विशेष अमेरिकी दूत ने कहा कि उन्होंने पहली बार पुतिन को इस पर सहमत होते सुना है। विटकॉफ ने अलास्का में शुक्रवार को हुई शिखर बैठक का पहला ब्योरा देते हुए कहा कि यूक्रेन के किसी भी अन्य क्षेत्र पर कब्जा न करने के लिए रूस कानूनी प्रतिबद्धता जताएगा। इस बीच, अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने कहा कि अगर युद्ध-विराम नहीं हुआ, तो इसके नतीजे भुगतने होंगे, जैसा कि ट्रंप ने पुतिन से मुलाकात से पहले चेतावनी दी थी।

आठ यूरोपीय देशों ने कहा- यूक्रेन ही तय करेगा अपना भविष्य

रीगा। यूरोप के बाल्टिक और नॉर्डिक इलाके के आठ देशों ने शनिवार को एक संयुक्त बयान जारी यूक्रेन की संप्रभुता, स्वतंत्रता और क्षेत्रीय अखंडता के प्रति अपने अटूट समर्थन की पुष्टि की। संयुक्त बयान में कहा गया है कि केवल यूक्रेन ही अपना भविष्य तय कर सकता है। इन देशों में लातविया, डेनमार्क, एस्टोनिया, आइसलैंड, लिथुआनिया, नॉर्वे, फ़िनलैंड और स्वीडन शामिल हैं। इन देशों के नेताओं ने एक बयान में कहा कि यूक्रेन के बिना उस पर कोई निर्णय नहीं हो सकता और यूरोप के बिना यूरोप पर कोई फैसला नहीं हो सकता। उन्होंने यूक्रेन को अपने दृढ़ समर्थन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता पर जोर दिया। बयान में कहा गया है कि इंसाफ और स्थाई शांति के लिए युद्धविराम और यूक्रेन के लिए विश्वसनीय सुरक्षा गारंटी की जरुरत है। यूक्रेन को भविष्य में किसी भी हमले से बचाने के लिए मजबूत प्रतिबद्धताएं चाहिए।

हड़ताल : एयर कनाडा की 700 से ज्यादा उड़ानें रद्द

ओटावा। कनाडा की सबसे बड़ी एयरलाइन एयर कनाडा ने कहा है कि उसने अपने 10,000 फ्लाइट अटेंडेंट की हड़ताल के कारण एयर कनाडा और एयर कनाडा रूज के सभी परिचालन को फिलहाल रोक दिया है। कुल मिलाकर 700 से ज्यादा उड़ानें रद्द हुई हैं।

एयरलाइन ने कहा कि कैनेडियन यूनियन ऑफ पब्लिक एम्प्लॉइज के नेतृत्व में हड़ताल शनिवार को शुरू हुई। इसके बाद एयर कनाडा ने कहा था कि वह श्रमिक व्यवधान को प्रबंधित करने के लिए 700 दैनिक उड़ानें कम कर रहा है। एयरलाइन ने कहा कि हड़ताल से रोज लगभग 1,30,000 लोग प्रभावित होंगे। मुआवजे में वृद्धि, ग्राउंड वेतन, बेहतर पेंशन और लाभ तथा चालक दल के आराम संबंधी मुद्दों पर आठ महीने की बातचीत के बावजूद एयर कनाडा सीयूपीई के साथ समझौते पर पहुंचने में नाकाम रहा है।

आपसी संबंधों को मजबूत बनाने के लिए काम करेंगे भारत-नेपाल

काठमांडू, एजेंसी

विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने रविवार को नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली और राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल से मुलाकात के दौरान विभिन्न क्षेत्रों में द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने के तौर-तरीकों पर चर्चा की। मिसरी नेपाल के विदेश सचिव अमृत बहादुर राय के निमंत्रण पर सुबह काठमांडू पहुंचे।

प्रधानमंत्री कार्यालय में ओली के साथ मिसरी की बैठक के दौरान द्विपक्षीय संबंधों को और प्रगाढ़ बनाने के लिए आपसी हितों के मामलों पर चर्चा की गई। भारतीय दूतावास ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, मिसरी ने गहरे सभ्यतागत संबंधों और मजबूत भारत-नेपाल साझेदारी की पुष्टि की तथा विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग को और मजबूत करने के तौर-तरीकों पर चर्चा की।

नेपाल में भारतीय राजदूत नवीन श्रीवास्तव भी बैठक में उपस्थित रहे।

विदेशमंत्री आरजू राणा मिले विक्रम मिसरी।

- नेपाल के प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति से मिले विदेश सचिव विक्रम मिसरी

विदेश सचिव ने राष्ट्रपति पौडेल से अलग से मुलाकात कर भारतीय नेतृत्व की ओर से शुभकामनाएं दीं, साथ ही द्विपक्षीय संबंधों में प्रगति के बारे में जानकारी दी। मिसरी विदेश मंत्री आरजू राणा देउबा से भी मिले। वह नेपाल के विदेश सचिव राय के साथ द्विपक्षीय बैठक भी करेंगे। वह नेपाली कांग्रेस के अध्यक्ष शेरबहादुर देउबा और नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी-माओवादी सेंटर चेयरमैन पुष्प कमल दाहाल 'प्रचंड' सहित प्रमुख दलों के शीर्ष नेताओं से भी मुलाकात करेंगे।

अंडमान में सामरिक जरूरत के लिए अतिरिक्त बल तैनात

पोर्ट ब्लेयर, एजेंसी

अंडमान और निकोबार कमान के कमांडर इन चीफ (सीआईएनसीएएन) के लेफ्टिनेंट जनरल दिनेश सिंह राणा ने कहा कि इस द्वीपसमूह की रणनीतिक अहमियत को समझते हुए विभिन्न अतिरिक्त क्षेत्रीय बलों को यहां तैनात किया जा रहा है।

उन्होंने आतंकवाद सहित किसी भी खतरे को नाकाम करने के लिए द्वीपों की 24 घंटे निगरानी की आवश्यकता पर भी बल दिया।

- आतंकवाद समेत सभी खतरों के लिए 24 घंटे द्वीपों की निगरानी

सीआईएनसीएएन ने कहा कि अंडमान और निकोबार कमान अब सिर्फ एक द्वीप चौकी नहीं रह गई है, बल्कि यह एक रणनीतिक केंद्र बन रही है और आवश्यकता पड़ने पर सभी सैन्य जहाजों की निगरानी की जा रही है।

उन्होंने बताया कि अंडमान के निकट 90 डिग्री और 85 डिग्री रिज के आसपास कई अनुसंधान पोत लगातार मौजूद रहते हैं। उन्होंने कहा, ये रिज न केवल पॉलीमेटेलिक नोड्यूल्स से समृद्ध हैं, बल्कि हिंद महासागर क्षेत्र से आने वाले कई समुद्री केबल भी इनसे होकर गुजरते हैं, जो दक्षिण पूर्व एशियाई देशों को जोड़ते हैं।

'पॉलीमेटेलिक नोड्यूल्स' को 'मैंगनीज नोड्यूल्स' के रूप में भी जाना जाता है जो आलू के आकार के, चट्टान जैसे कंक्रीट होते हैं और गहरे समुद्र तल पर पाए जाते हैं। ये नोड्यूल्स मैंगनीज, निकल, कोबाल्ट और तांबे जैसी धातुओं से समृद्ध होते हैं।

सैन्य प्रशिक्षण के दौरान दिव्यांग कैडेटों का सुप्रीम कोर्ट ने लिया स्वतः संज्ञान

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने उन कैडेट्स के समक्ष आ रही कठिनाइयों का स्वतः संज्ञान लिया है, जिन्हें प्रशिक्षण कार्यक्रमों के दौरान दिव्यांग होने के बाद चिकित्सा आधार पर सैन्य संस्थानों से बाहर कर दिया जाता है।

न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना और न्यायमूर्ति आर महादेवन की पीठ सोमवार को इस मामले पर सुनवाई करेगी। यह मामला 12 अगस्त को तब दर्ज किया गया था जब एक मीडिया रिपोर्ट में इन कैडेट्स के मुद्दे को उठाया गया था। ये कैडेट कभी राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (एनडीए) और

- सैन्य संस्थानों से बाहर किए गए कैडेट्स की अनुग्रह राशि बेहद कम

भारतीय सैन्य अकादमी (आईएमए) जैसे देश के शीर्ष सैन्य संस्थानों में प्रशिक्षण का हिस्सा थे। रिपोर्ट के अनुसार, 1985 से अब तक लगभग 500 अधिकारी कैडेट्स को प्रशिक्षण के दौरान हुई दिव्यांगता के कारण न्य संस्थानों से बाहर कर दिया गया। रिपोर्ट के अनुसार अब ये लोग बढ़ते चिकित्सा बिलों का सामना कर रहे हैं और उन्हें दी जा रही मासिक अनुग्रह राशि बेहद कम है।

एक साथ चुनाव: संवैधानिक वैधता का मतलब वांछनीयता नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत के पूर्व प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) संजीव खन्ना ने एक साथ चुनाव कराने संबंधी विधेयक की समीक्षा कर रही संसदीय समिति से कहा है कि किसी प्रस्ताव की संवैधानिक वैधता यह नहीं दर्शाती कि उसके प्रावधान वांछनीय या आवश्यक भी हैं। न्यायमूर्ति खन्ना ने स्पष्ट किया कि किसी प्रस्ताव को संविधान के अनुरूप मान लेने का यह अर्थ नहीं है कि वह समाज या लोकतंत्र के लिहाज से उचित या जरूरी भी है।

समिति को दिए अपने लिखित

- संसदीय समिति के सामने पूर्व सीजेआई संजीव खन्ना का मत

मत में न्यायमूर्ति खन्ना ने कहा कि संविधान संशोधन विधेयक के बारे में देश के संघीय ढांचे को कमजोर करने संबंधी तर्क उठाए जा सकते हैं। उन्होंने इस अवधारणा के समर्थन और आलोचना में किए गए दावों को सूचीबद्ध भी किया।

भाजपा सांसद पीपी चौधरी की अध्यक्षता वाली संसदीय समिति के साथ अपने विचार साझा करने वाले अधिकांश विशेषज्ञों ने इस आरोप को खारिज कर दिया कि प्रस्ताव असंवैधानिक हैं, लेकिन उन्होंने विधेयक के वर्तमान प्रावधानों के साथ कुछ मुद्दों को उठाया है। पूर्व प्रधान न्यायाधीश ने समिति से कहा, 'यह खंड मनमाना होने और संविधान के अनुच्छेद-14 का उल्लंघन करने के आधार पर संविधान के मूल ढांचे का उल्लंघन करने तथा उस पर हमला करने के कारण प्रश्नगत होगा।

चुनाव आयोग की असीमित शक्तियों पर चिंता

न्यायमूर्ति खन्ना भारत के कुछ अन्य पूर्व मुख्य न्यायाधीशों के साथ मिलकर विधेयक में निर्वाचन आयोग को दी गई शक्तियों की सीमा पर चिंता जता रहे हैं। उन्होंने संसद की समिति को बताया कि प्रस्तावित विधेयक निर्वाचन आयोग को यह तय करने के मामले में असीमित विवेकाधिकार देता है कि किसी राज्य विधानसभा का चुनाव लोकसभा चुनाव के साथ नहीं कराया जा सकता। साथ ही, इस संबंध में राष्ट्रपति को सिफारिश करने का अधिकार भी आयोग को दिया गया है। इस प्रकार का असीमित अधिकार किसी एक संस्था को देना संतुलित लोकतांत्रिक प्रक्रिया के दृष्टिकोण से चिंताजनक हो सकता है।

- पूर्व प्रधान न्यायाधीश ने संसद की समिति को आगाह किया कि यदि निर्वाचन आयोग किसी राज्य में चुनाव स्थगित करता है तो इसका परिणाम अप्रत्यक्ष रूप से राष्ट्रपति शासन के रूप में हो सकता है। यानी केंद्र सरकार राज्य सरकार के कार्यों का नियंत्रण संभाल सकती है। यह स्थिति न्यायिक दृष्टि से सवालों के घेरे में आ सकती है, क्योंकि यह संविधान द्वारा कल्पित संघीय ढांचे का उल्लंघन मानी जा सकती है।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 18 अगस्त, सोमवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-भाद्रपद, पक्ष-कृष्ण पक्ष, दशमी 17.22 तक तत्पश्चात एकादशी।

आज का पंचांग

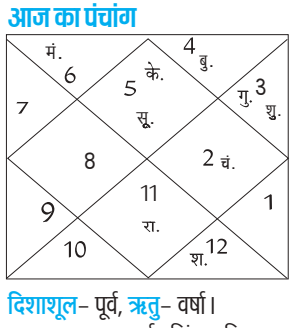

दिशाशूल- पूर्व, **ऋतु**- वर्षा। चन्द्रबल-वृषभ, कर्क, सिंह, वृश्चिक, धनु, मीन।

ताराबल-भरणी, रोहिणी, मृगशिरा, आर्द्रा, पुनर्वसु, आश्लेषा, पूर्वा फाल्गुनी, हस्त, चित्रा, स्वाति, विशाखा, ज्येष्ठा, पूर्वाषाढ़ा, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, रेवती। नक्षत्र-मृगशिरा 19 अगस्त 02.06, तक तत्पश्चात आर्द्रा।

मेष — आज आप घर की साज-सज्जा में आप धन खर्च कर सकते हैं। सामाजिक कार्यक्रम में आपकी सहभागिता बढ़ने वाली है। जीवनसाथी के प्रति आपके मन में काफी सम्मान का भाव रहेगा। अपनी सेहत को लेकर अत्यधिक सक्रिय हो सकते हैं।

वृष — आज सहकर्मी आपके लिए अत्यन्त अनुकूल रहेंगे। संतान को किसी महत्वपूर्ण कार्य के लिए सम्मान मिल सकता है। अपनी दिनचर्या को योजनाबद्ध रखने का प्रयास करें। घर में अतिथियों का आगमन होगा। जमा-पूंजी को किसी दूसरे प्रकल्प में खर्च कर सकते हैं।

मिथुन — आज जीवनसाथी के साथ संबंध रोमान्टिक रहेंगे। पुरानी स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से छुटकारा मिलेगा। अपने काम की गुणवत्ता बढ़ाने का प्रयास करेंगे। रेस्टोरेन्ट और होटल व्यवसायियों की आय में वृद्धि होगी।

कर्क — आज नैतिक मूल्यों के कारण लोगों से सम्मान प्राप्त होगा। पैतृक व्यवसाय में अच्छी उन्नति होगी। पहले किए गए श्रम का सार्थक परिणाम आपको मिलने वाला है। आयात-निर्यात के कारोबार में उत्तम धन लाभ प्राप्त हो सकता है।

सिंह — आज कार्यक्षेत्र में आपका यश बढ़ेगा। बीमार लोगों के स्वास्थ्य में सुधार होगा। आपकी सलाह लोगों के लिए अत्यंत सहायक सिद्ध होगी। व्यवसाय में आप बड़ा निवेश कर सकते हैं। समाज में महत्वपूर्ण व्यक्तियों के साथ आपके संबंध मजबूत होंगे।

कन्या — आज कार्यक्षेत्र में आपका वर्चस्व बढ़ेगा। दांपत्य जीवन में नजदीकियां बढ़ेंगी। महत्वपूर्ण विषयों पर आप चर्चा कर सकते हैं। शिक्षा में आ रही बाधाएं दूर होगी। धन की चिंता न करें लेकिन फिजूलखर्चों को लेकर भी सतर्क रहें।

तुला — आज आपको जीवनसाथी का काफी अच्छा सहयोग मिलेगा। बॉस का व्यवहार आपके प्रति अत्यन्त विनम्र रहेगा। व्यापार में अपने लक्ष्यों को समय से पहले ही पूर्ण कर लेंगे। नए रोजगार की शुरूआत हो सकती है।

वृश्चिक — आज आपके बोलचाल की विनम्रता से लोग काफी आकर्षित रहेंगे। भाई-बहनों के साथ संबंध और प्रगाढ़ होंगे। कामकाज और पारिवारिक जीवन में संतुलन बनाए रखें। आपके आइडियाज को प्रोत्साहन मिल सकता है।

धनु — आज आप काफी रोमान्टिक मूड में रहेंगे। जीवनसाथी या प्रेमी जन के साथ आपके संबंध बहुत ही अच्छे रहेंगे। छोटे भाई-बहनों से लाभ मिलेगा। आप उनकी आवश्यकताओं का पूरा ध्यान रखेंगे। स्वास्थ्य की समस्याओं पर आप काफी ध्यान देंगे।

मकर — आज शेयर मार्केट में निवेश से धन लाभ होगा। सरकारी काम काफी कम समय पर आसानी से पूर्ण हो जायेंगे। एकेडमिक जगत से जुड़े लोगों को बड़ी सफलता मिल सकती है। प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे छात्रों को उच्च शिक्षण संस्थानों में प्रवेश मिल सकता है।

कुंभ — आज आपका मन शांत रहेगा। झंझटों से दूर केवल अपने लिए समय निकालेंगे। परिवार से जुड़ा कोई मुद्दा हल हो सकता है। कार्यस्थल में आपकी मेहनत रंग लायेगी। नौकरी में परिवर्तन करने के लिए समय बहुत अच्छा है।

मीन — आज नौकरीपेशा लोगों को जॉब के नए मौके मिलेंगे। दांपत्य संबंध मधुर रहेंगे। आय में वृद्धि होने के योग बन रहे हैं। लोग आपके व्यवहार से अत्यधिक प्रसन्न होंगे। भौतिक सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी। माता-पिता के स्वास्थ्य की चिंता होगी।

सुडोकू-72

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

			8	7			1	
8	2			1		3		
	4					9		
5		7			3			1
	6		9		7		2	
9			6			4		8
		3		6			5	
		8		9			4	6
	1				2			

सुडोकू - 71 का हल

5	4	1	2	7	6	9	3	8
7	6	9	5	3	8	4	1	2
3	2	8	4	1	9	6	7	5
2	9	7	1	8	5	3	6	4
4	3	5	7	6	2	1	8	9
1	8	6	3	9	4	2	5	7
9	5	3	8	2	1	7	4	6
8	7	2	6	4	3	5	9	1
6	1	4	9	5	7	8	2	3

किसी ऐसे व्यक्ति के खिलाफ खेलना कभी आसान नहीं होता जिसके बारे में आपको पता हो कि वह पूरी तरह से स्वस्थ नहीं है। यह और भी मुश्किल हो जाता है जब यह पता हो कि वह शानदार खिलाड़ी है और कोर्ट के बाहर इतना अच्छा इंसान है।
-अल्काराज

स्टेडियम

हल्द्वानी, सोमवार, 18 अगस्त 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

सिनसिनाटी ओपन के फाइनल में अल्काराज

ओहियो (अमेरिका) : स्पेन के स्टार कार्लोस अल्काराज ने सिनसिनाटी ओपन में अस्वस्थ एलेक्जेंडर ज्वेरेव को हराकर लगातार सातवें टूर-लेवल फाइनल में जगह बना ली। शनिवार रात खेले गए सेमीफाइनल मुकाबले में अल्काराज ने जर्मनी के अस्वस्थ चल रहे ज्वेरेव पर 6-4, 6-3 से जीत दर्ज की। इस जीत ने यह तय कर दिया कि अल्काराज टूर्नामेंट के खिताबी मुकाबले में इटली के जैनिक सिनर से भिड़ेंगे। शुरुआती सेट का निर्णय अल्काराज के शानदार प्रदर्शन से हुआ, पर पसीने से लथपथ ज्वेरेव को दूसरे सेट में शारीरिक रूप से संघर्ष करना पड़ा।

डायमंड हार्बर डूरंड कप के सेमीफाइनल में

जमशेदपुर : डायमंड हार्बर ने डूरंड कप फुटबॉल टूर्नामेंट के अपने पदार्पण वर्ष को यादगार बनाते हुए क्वार्टर फाइनल में जमशेदपुर एफसी के खिलाफ बड़ा उलटफेर करते हुए अंतिम चार में अपनी जगह पक्की की। रक्षापंक्ति के खिलाड़ी सैरुआटकिमा के दो गोल की मदद से डायमंड हार्बर ने यहां जेआरडी टाटा खेल परिसर में इंडियन सुपर लीग की टीम को 2-0 से हराया। सैरुआटकिमा ने मैच के तीसरे और 41वें मिनट में गोल कर स्टेडियम में मौजूद घरेलू टीम के दर्शकों को सन्न कर दिया। अंतरिम कोच स्टीवन डायस के नेतृत्व में जमशेदपुर एफसी ने ब्रेक के बाद गेंद पर दबदबा बनाए रखा, लेकिन डायमंड हार्बर के गोलकीपर मिरशाद कूट्टप्पुन्ना और रक्षापंक्ति के खिलाड़ियों ने उन्हें गोल करने नहीं दिया।

आईसीसी ने सिम्पसन को याद किया

दुबई : अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने रविवार को पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान बॉब सिम्पसन के निधन पर शोक व्यक्त किया और 1990 के दशक में टीम के विश्व क्रिकेट में शिखर तक पहुंचने के दौरान एक खिलाड़ी, कप्तान और कोच के रूप में उनके योगदान पर प्रकाश डाला। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट के सबसे प्रभावशाली व्यक्तियों में से एक सिम्पसन का शनिवार को निधन हो गया। वह 89 वर्ष के थे। आईसीसी अध्यक्ष जय शाह ने एक बयान में सिम्पसन के योगदान की प्रशंसा की और कहा कि उन्हें लंबे समय तक याद रखा जाएगा। शाह ने बयान में कहा बॉब सिम्पसन खेल के महान खिलाड़ियों में से एक थे और उनके निधन से बहुत दुख हुआ।

अवसरों का फायदा उठाना चाहते हैं यश

नई दिल्ली : भारत के पूर्व अंडर-19 विश्व कप विजेता कप्तान यश ढुल शीर्ष स्तर की क्रिकेट में जगह बनाने के अपने सपने को पूरा करने के लिए मौकों का पूरा फायदा उठाना चाहते हैं, जैसा कि उन्होंने यहां दिल्ली प्रीमियर लीग में शानदार शतक जड़कर किया था। ढुल ने शनिवार को बारिश से प्रभावित इस मैच में शतक जमाया जिससे सेंट्रल दिल्ली किंग्स ने नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स को 15 रन से हराया। ढुल ने पीटीआई वीडियो से कहा मैं इस बारे में सोचता हूं कि मुझे जो अवसर मिला है उसका मैं कैसे फायदा उठाऊं। अगर आप भविष्य के बारे में बहुत ज्यादा सोचते हैं तो आप वर्तमान में अच्छा नहीं खेल सकते।

अपने अंतिम समय में भी मैक्सवेल जीत सकते हैं एक और विश्व कप

केर्न्स (आस्ट्रेलिया), एजेंसी

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ निर्णायक टी20 मैच से पहले, ग्लेन मैक्सवेल से पूछा गया कि क्या वनडे से संन्यास लेने के बाद उन्हें अपने अंतर्राष्ट्रीय करियर की समाप्ति तिथि पर विचार करने का मौका मिला है। उन्होंने उत्साह से कहा, 'नहीं।' अगर वह चाहें, तो अगले साल भारत और श्रीलंका में होने वाला टी20 विश्व कप इस प्रारूप के महान खिलाड़ियों में से एक के लिए एक उपयुक्त शुरुआती बिंदु होगा।

यह विश्वास करना मुश्किल है कि वह दो साल और खेल पाएंगे, जबकि 2028 का विश्व कप ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया जाएगा। शनिवार शाम को उन्होंने बल्ले से दिखाया कि वह अब भी क्या कर सकते हैं, 36 गेंदों में नाबाद 62 रनों की शानदार पारी खेलकर एक अनिश्चित लक्ष्य का पीछा करते हुए टीम को जीत की ओर ले गए। इससे पहले उन्होंने लॉन्ग-ऑन पर डेवाल्ड ब्रेविस की विनाशकारी पारी का अंत करने के लिए एक मैच-बदलने वाला कैच लपका था।

पिछले महीने सेंट किट्स में उन्होंने 18 गेंदों पर 47 रन की पारी खेली थी और इस सीरीज में उन्हें तीन अलग-अलग स्थानों पर इस्तेमाल किया गया। परिस्थिति के अनुसार थोड़ा लचीलापन तो हमेशा रहेगा, लेकिन विश्व कप के लिए छठा और सातवां नंबर उनके लिए सबसे उपयुक्त लग रहा है। बल्लेबाजी में कई बार मैक्सवेल असहज दिखते हैं और हमेशा की तरह, ऐसे पल भी आते रहेंगे जो उन्हें परेशान करते हैं: ओह, मैक्सी, तुमने ऐसा क्यों किया? शॉट। लेकिन फिर दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ निर्णायक मैच जैसे मौके भी आते हैं, जब वह सटीक निशाना साधते हैं और सब कुछ सही निकलता है। जिस तरह से उन्होंने लक्ष्य का पीछा करते हुए खुद को संभाला, वह एक शानदार दिमाग की झलक थी। सिंगल्स लेने में

● दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 36 गेंदों में नाबाद 62 रन बनाकर दिखाया उनमें अब भी है दम

नाकाम रहे - यहां तक कि थोड़े समय के लिए, जब बेन ड्वारशुइस जैसे बेहद काबिल आठवें नंबर के बल्लेबाज़ उनके साथ थे - और आखिरी ओवर में लुंगी एनगिडी की गेंदबाजी को भांपने की कोशिश करते हुए उन्होंने शॉर्ट थर्ड पर एक फुलटॉस को रिवर्स करके मैच जीत लिया, जबकि पिछली दो गेंदों पर उन्होंने रन नहीं बनाए थे और जरूरत के दो ओवरों में से चार रन बच गए थे।

मैक्सवेल ने कहा मैं शायद पिछली गेंद पर ऐसा करने के बारे में सोच रहा था। (लेकिन) मुझे लगा कि वह पहले वाली गेंद धीमी करने वाला था ताकि मैं उसे मिडविकेट पर दो रन के लिए मार सकूं। जैसे ही गेंद तेज हुई, मुझे एहसास हुआ कि मैंने शायद गेंद न मारकर गलती की है। मैंने गेंद को इतनी अच्छी तरह मारा कि दो रन नहीं मिल पाए, इसलिए मैंने सोचा, कोई बात नहीं, मैं आखिरी दो गेंदों में से एक पर चौका मारूंगा , उम्मीद है कि चौका लग जाएगा।

मुझे लगा कि वह धीमी गेंद नहीं डालेगा। हालांकि मैं पहले उससे एक रन ले पाया था, मुझे नहीं लगा था कि यह इतना आसान होगा। मुझे लगता है कि बात थोड़ी ज्यादा बारीक थी। मुझे लगा कि गेंद को वहां तक पहुंचाने के लिए मुझे तेज गति की ज़रूरत है।

अब बेहतर फार्म में हैं मैक्सवेल

- वनडे मैचों से संन्यास लेते समय, मैक्सवेल ने मैदान पर 50 ओवर नहीं टिक पाने का हवाला दिया था, लेकिन हाल ही में कुछ बाउंड्री कैचों से यह बात और पुख्ता हुई है कि वह शानदार पल बिताने में सक्षम हैं। ऑस्ट्रेलिया विश्व कप से पहले अच्छी फॉर्म में है और मैक्सवेल खेल के तीनों पहलुओं में, दूसरी बार खिताब जीतने की उनकी कोशिश का एक अहम हिस्सा होंगे। उनकी ऑफ स्पिन टीम के संतुलन का एक अहम हिस्सा है और विश्व कप में पावरप्ले में एक अच्छा विकल्प साबित हो सकती है। दक्षिण अफ्रीका और वेस्टइंडीज के खिलाफ पिछली दो सीरीज में मैक्सवेल ने अपने बल्लेबाजी क्रम में बदलाव किया है।

बीसीसीआई ने घरेलू क्रिकेट में समान चोट स्थानापन्न नियम लागू किया

इंग्लैंड में टेस्ट में ऋषभ पंत और क्रिस वोक्स की चोट के बाद उठाया कदम

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने अपनी खेल शर्तों में संशोधन करते हुए आगामी सत्र के लिए बहु-दिवसीय घरेलू टूर्नामेंटों में 'गंभीर चोटों के स्थानापन्न' खिलाड़ी का प्रावधान लागू किया है। यह कदम भारत और इंग्लैंड के बीच हाल में 2-2 से बराबर रही एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी टेस्ट श्रृंखला के दौरान ऋषभ पंत और क्रिस वोक्स के चोटिल होने के बाद- उठाया गया है। राज्य संघों को सूचित किए गए नए नियम में कहा गया है अगर किसी खिलाड़ी को संबंधित मैच के दौरान गंभीर चोट लगती है तो निम्नलिखित परिस्थितियों में स्थानापन्न खिलाड़ी की अनुमति दी जा सकती है। इसमें आगे कहा गया है यह गंभीर चोट खेल के दौरान और अनुच्छेद 1.2.5.2 में वर्णित खेल क्षेत्र के भीतर लगी होनी चाहिए। इसके अनुसार चोट किसी बाहरी झटके के कारण लगी होनी चाहिए और इसके परिणामस्वरूप फ्रैक्चर

या गहरा कट या 'डिस्लोकेशन' (खिसकना) आदि हुआ हो। इस चोट के कारण खिलाड़ी बचे मैच के लिए अनुपलब्ध हो जाना चाहिए।

इसमें कहा गया स्थानापन्न खिलाड़ी की पहचान करें जो गंभीर चोट वाले खिलाड़ी के लिए समान प्रतिस्थापन होगा। यह नियम सीनियर और जूनियर घरेलू टूर्नामेंटों के बहु-दिवसीय मुकाबलों में लागू होगा तथा 28 अगस्त से दलीप ट्रॉफी और अंडर-19 सीके नायडू ट्रॉफी में इसकी शुरुआत होगी।

नियम

- 1.2.8.1 : यदि किसी खिलाड़ी को संबंधित मैच के दौरान गंभीर चोट लगती है तो निम्नलिखित परिस्थितियों में गंभीर चोट प्रतिस्थापन की अनुमति दी जा सकती है।
- 1.2.8.1.1 : गंभीर चोट खेल के दौरान और ऊपर अनुच्छेद 1.2 .5 .2 में वर्णित खेल क्षेत्र के भीतर लगी होनी चाहिए। चोट किसी बाहरी झटके के कारण लगी होनी चाहिए और फ्रैक्चर या गहरा कट या 'डिस्लोकेशन' आदि के कारण हुई होनी चाहिए। चोट के कारण खिलाड़ी बचे हुए मैच में भाग के लिए अनुपलब्ध होना चाहिए।
- 1.2.8.1.2 : गंभीर चोट की सीमा और गंभीर चोट प्रतिस्थापन की अनुमति पर निर्णय लेने का अंतिम अधिकार मैदानी अंपायर का होगा। वे बीसीसीआई मैच रेफरी या मैदान पर उपलब्ध डॉक्टर से परामर्श कर सकते हैं।
- 1.2.8.1.3 : टीम मैनेजर बीसीसीआई मैच रेफरी को एक फॉर्म पर 'गंभीर चोट प्रतिस्थापन' अनुरोध प्रस्तुत करेगा जो : 1.2.8.1.3.1 : उस खिलाड़ी की पहचान करें जिसे गंभीर चोट लगी है।
- 1.2.8.1.3.3 : पुष्टि करें कि खिलाड़ी को गंभीर चोट लगी है और वह चोट के कारण मैच में आगे भाग नहीं ले पाएगा।
- 1.2.8.1.3.4 : अनुरोध किए गए खिलाड़ी की पहचान करें जो गंभीर चोट वाले खिलाड़ी का समान होगा।
- 1.2.8.1.3.5 इन सभी परिस्थितियों में गंभीर चोट प्रतिस्थापन खिलाड़ी को टॉस के समय नामित स्थानापन्नों में से चुने (कर्नल सी.के. नायडू ट्रॉफी के लिए खिलाड़ियों के नामांकन के समय से)। बस उस स्थिति में जब विकेटकीपर गंभीर रूप से चोटिल हो और उसे प्रतिस्थापन की आवश्यकता हो तब मैच रेफरी नामित प्रतिस्थापनों में से किसी अन्य खिलाड़ी को विकेटकीपर की अनुमति दे सकता है।

बाबर और रिजवान एशिया कप के लिए टीम से बाहर

लाहौर : पाकिस्तान के चयनकर्ताओं ने इस महीने के आखिर में संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में होने वाली त्रिकोणीय श्रृंखला और उसके बाद एशिया कप के लिए रविवार को 17 सदस्यीय टीम की घोषणा की जिसमें अनुभवी बल्लेबाज बाबर आजम और मोहम्मद रिजवान को जगह नहीं दी गयी। बाबर और रिजवान ने 2021 में यूएई में आईसीसी विश्व कप में पाकिस्तान को भारत पर पहली जीत दिलाने में मदद की थी। यह जोड़ी पिछले कुछ समय से इस प्रारूप की टीम का हिस्सा नहीं है। बाबर और रिजवान दोनों ने दिसंबर 2024 में अपना पिछला टी20 अंतर्राष्ट्रीय मैच खेला था।

पाकिस्तान की टीम

सलमान अली आगा (कप्तान), अबरार अहमद, फहीम अशरफ, फखर जमान, हारिस रऊफ, हसन अली, हसन नवाज, हुसैन तलत, खुशदिल शाह, मोहम्मद हारिस (विकेटकीपर), मोहम्मद नवाज, मोहम्मद वसीम जूनियर, साहिबजादा फरहान, सईम अयूब, सलमान मिर्जा, शाहीन शाह अफरीदी, सुफियान मोकिम।

पीएम मोदी के मिशन ओलंपिक को लेकर शुरू हुई तैयारी

राजेंद्र कुमार पांडेय, अयोध्या

- चीन में आयोजित होगी अंडर-15 वर्ल्ड स्कूल वॉलीबॉल चैंपियनशिप
- खेलों को लेकर अभी से खिलाड़ी तैयार किए जाने का लक्ष्य
- चैंपियनशिप को राज्य स्तरीय चयन ट्रायल लखनऊ में आज से

अमृत विचार: पीएम मोदी के मिशन ओलंपिक को लेकर खिलाड़ी तैयार करने की कोशिश शुरू कर दी गई है। इसकी शुरुआत अंडर-15 वर्ल्ड स्कूल वॉलीबॉल चैंपियनशिप से किए जाने की खबर है। यह चैंपियनशिप चीन के शांग्लुओ शहर में चार से 16 दिसंबर के बीच प्रस्तावित है। अंडर 15 स्कूली भारतीय वॉलीबॉल टीम चयन से इसके संकेत हैं।

भारतीय टीम के चयन की प्रक्रिया के प्रथम चरण में राज्य स्तरीय चयन ट्रायल बालक वर्ग का 18 व बालिका वर्ग का 19 अगस्त से लखनऊ के केडी सिंह बाबू स्टेडियम में होने जा रहा है। भारत वर्ष 2036 में आयोजित होने वाले ओलंपिक खेलों की मेजबानी चाहता है। इसके लिए प्रयास शुरू कर दिए गए हैं। इसके पहले वर्ष 2028 और वर्ष 2032 में होने वाले ओलंपिक की मेजबानी तय हो गई है। खेल विशेषज्ञों की मानें तो वर्ष 2036 में भारत में संभावित ओलंपिक के लिए खिलाड़ी तैयार करने पर ज्यादा फोकस है। इसीलिए 15 से 20 साल के खिलाड़ियों पर अंदर खाने में देश का खेल मंत्रालय और स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया ने फोकस बढ़ा दिया है। तब तक देश से बड़ी संख्या में अंतराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी तैयार करने का लक्ष्य है।

चीन में होने वाले अंडर 15 बालक/बालिका वॉलीबॉल पर फोकस इसी दृष्टि से बताया गया है। जल्द से जल्द चीन के शांग्लुओ में आयोजित वर्ल्ड स्कूल वॉलीबॉल चैंपियनशिप के लिए जाने वाली टीम का चयन कर उन्हें बेहतर प्रशिक्षण दिया जाएगा। राष्ट्रीय टीम के चयन ट्रायल के लिए बाले बाडी पुणे में 25 अगस्त को बालक और 28 अगस्त को बालिका खिलाड़ियों को बुलाया गया है। इसके पहले राज्यों से खिलाड़ी चयन किए जाएंगे। इसको लेकर डॉ. भीमराव अंबेडकर राज्य विद्यालयी क्रीड़ा संस्थान के प्राचार्य आरपी शर्मा ने संयुक्त शिक्षा निदेशक को पत्र भेजा है।

चयन ट्रायल के लिए आज पहुंचेंगे खिलाड़ी

- राज्य स्तरीय चयन ट्रायल के लिए 18 अगस्त से खिलाड़ी लखनऊ के केडी सिंह बाबू स्टेडियम पहुंचेंगे। 18 अगस्त को बालकों को बुलाया गया है। 19 अगस्त को बालिका खिलाड़ियों को बुलाया गया है।

वर्ल्ड स्कूल वॉलीबॉल चैंपियनशिप अंडर-15 चीन के शांग्लुओ शहर में चार से 16 दिसबंर के बीच आयोजित होगी। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदक जीतने के लिए खिलाड़ी तैयार करने के लिए खेल मंत्रालय भारतीय खेल प्राधिकरण और एसजीएफआई अच्छे खिलाड़ी तैयार करने की योजना पर काम कर रहे हैं। वर्ल्ड चैंपियनशिप की राष्ट्रीय टीम के लिए प्रदेश में चयन ट्रायल 18 अगस्त को शुरू हो रहा है। इसके लिए मंडल से वॉलीबॉल के सर्वश्रेष्ठ पांच बालक और पांच बालिका खिलाड़ी भेजे जा रहे हैं। चयन ट्रायल के प्रदेश से पांच बालक और पांच बालिका खिलाड़ी पुणे के चयन ट्रायल में भेजे जाएंगे।
-धर्मेंद्र सिंह, मंडलीय क्रीड़ा सचिव, अयोध्या

सैफ अंडर-17 महिला चैंपियनशिप के लिए टीम घोषित

नई दिल्ली : भारत अंडर-17 महिला टीम के मुख्य कोच जोकिम अलेक्जेंडरसन ने भूटान के थिम्पू में 20 से 31 अगस्त तक होने वाली सैफ अंडर-17 महिला फुटबॉल चैंपियनशिप के लिए रविवार को 23 सदस्यीय टीम की घोषणा की। सैफ अंडर-17 महिला चैंपियनशिप में चार टीमें भारत, भूटान, नेपाल और बांग्लादेश डबल राउंड-रॉबिन लीग में प्रतिस्पर्धा करेंगी। प्रत्येक टीम छह मैच खेलेगी और सबसे अधिक अंक हासिल करने वाली टीम चैंपियन बनेगी। सभी मैच चांगलिमिथांग स्टेडियम में खेले जाएंगे।

लियोनेल मेसी ने इंटर मियामी को जीत दिलाई

फोर्ट लॉडरडेल (अमेरिका), एजेंसी

लियोनेल मेसी ने चोट से उबरकर दशकों से भारी समर्थन के बीच एक गोल किया। जबकि एक गोल करने में मदद की जिससे इंटर मियामी ने मेजर लीग सॉकर (एमएलएस) फुटबॉल टूर्नामेंट में एलए गैलेक्सी पर 3-1 से जीत दर्ज की।

मेसी चोटिल होने के कारण पिछले दो मैच में नहीं खेल पाए थे। मैच के बाद मियामी के डिफेंडर मैक्सिमिलियानो फाल्कन ने मेस्सी की तारीफ करते हुए कहा हमें इसकी आदत हो गई है। आपने देखा होगा कि उसने क्या किया, गोल पर साफ़ नज़र रखते हुए गेंद हासिल की और गोल कर दिया। अर्जेंटीना के सुपरस्टार ने हमवतन रोड्रिगो डी पॉल की मदद से गोल करके दर्शकों को रोमांचित किया। मेस्सी को दो अगस्त को नेकाक्सा के खिलाफ लीग कप मैच में हैमस्ट्रिंग में चोट लग गई थी। इंटर मियामी उनके बिना लीग कप क्वार्टर फाइनल में पहुंच गया, लेकिन एमएलएस मुकाबले में उसे अपने राज्य के प्रतिद्वंद्वी ऑरलैंडो सिटी से 4-1 से हार का सामना करना पड़ा।

बार्सिलोना की जीत से शुरुआत

- **मैड्रिड :** बार्सिलोना ने स्पेनिश फुटबॉल लीग ला लिगा में अपने खिताब के बचाव की शुरुआत मालोर्का पर 3-0 की आसान जीत के साथ की। उसने मालोर्का को मिले दो रेड कार्ड का फायदा उठाया। पिछले सत्र में बार्सिलोना के शानदार आक्रमण का नेतृत्व करने वाले राफिन्हा और लामिने यामल को एक बार फिर अपना प्रभाव छोड़ने में सिर्फ़ सात मिनट लगे। यामल के कर्लिंग क्रॉस पर राफिन्हा ने टीम की तरफ से पहले गोल किया।

शॉट लगातीं एलिसा हीली। एजेंसी

एलिसा हीली का शतक, ऑस्ट्रेलिया ए ने अंतिम महिला वनडे में भारत को हराया

ब्रिस्बेन, एजेंसी

- तीन मैचों की श्रृंखला 2-0 से अपने नाम कर चुका है भारत

स्टार विकेटकीपर बल्लेबाज एलिसा हीली की नाबाद 137 रन की पारी की मदद से ऑस्ट्रेलिया ए ने रविवार को यहां भारत ए के खिलाफ तीसरे और अंतिम एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच में नौ विकेट से जीत दर्ज की। भारत ने शुक्रवार को दूसरे मैच में दो विकेट से जीत हासिल कर तीन मैचों की श्रृंखला 2-0 से अपने नाम कर ली थी। भारतीय टीम ने पहले मैच में तीन विकेट से जीत दर्ज की थी।

भारतीय टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा के 52 और विकेटकीपर यास्तिका भाटिया के 54 गेंदों में 42 रन की बदौलत 216 रन बनाए, लेकिन पूरी टीम 47.4 ओवर में आउट हो गई। ऑस्ट्रेलिया ए की कप्तान ताहलिया मैकग्रा ने आठ ओवर में 49 रन देकर तीन विकेट चटकाए। ऑस्ट्रेलिया की टीम ने केवल 27.5 ओवर में एक विकेट पर 222 रन बनाकर आसान जीत दर्ज की। हीली ने 84 गेंद की अपनी पारी में तीन छक्के और 23 चौके लगाए। इस विकेटकीपर-बल्लेबाज को ताहलिया विल्सन के रूप में अच्छी जोड़ीदार मिली, जिन्होंने 59 रन बनाए। इन दोनों ने पहले विकेट के लिए 137 रन जोड़े। भारतीय टीम की फील्डिंग अच्छी नहीं रही और उसने हीली को दो जीवनदान दिए। इससे पहले शेफाली ने अपनी पूरी लय में रहते हुए सात चौकों की मदद से अर्धशतक जड़ा।

विश्व कप में स्पिन की होगी चुनौती : हीली

- **ब्रिसबेन :** ऑस्ट्रेलिया की अनुभवी खिलाड़ी एलिसा हीली ने माना है कि रिकॉर्ड आठवीं बार विश्व कप जीतने के लिए उनकी टीम को भारतीय उपमहाद्वीप में स्पिन गेंदबाजों की चुनौती से बड़े पैमाने पर निपटना होगा। महिला विश्व कप का आयोजन अगले महीने भारत और श्रीलंका में होगा। इस विश्व कप में गत चैंपियन ऑस्ट्रेलिया की स्टार विकेटकीपर बल्लेबाज पर सबकी निगाहें होंगी। हीली ने भारत ए के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया ए का प्रतिनिधित्व करते हुए तीन मैचों की सीरीज के आखिरी वनडे में नाबाद 137 रन की पारी के साथ लय में वापसी की।

स्पष्टीकरण रविचंद्रन अश्विन बोले-आईपीएल अनुबंध की रकम के बारे में टिप्पणी नहीं की

ब्रेविस की बल्लेबाजी के बारे में बात कर रहा था

चेन्नई, एजेंसी

दिग्गज ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने चेन्नई सुपर किंग्स के डेवाल्ड ब्रेविस के साथ करार किए जाने के बारे में अपने बयान को स्पष्ट करते हुए कहा है कि इस मुद्दे पर उनकी मुख्य बात इस दक्षिण अफ्रीकी खिलाड़ी के बल्लेबाजी प्रदर्शन को लेकर थी न कि उस कीमत पर जिस पर उन्हें आईपीएल 2025 के बीच में खरीदा गया था।

अश्विन ने अपने यूट्यूब चैनल पर संकेत दिया कि चेन्नई सुपर किंग्स ब्रेविस की सेवाओं का लाभ उठाने के लिए अतिरिक्त भुगतान करने को तैयार थी जिसके बाद विवाद छिड़ गया। उनके इस बयान के बाद पांच बार की आईपीएल चैंपियन टीम को स्पष्टीकरण जारी करना पड़ा था।

अश्विन ने अपने यू - ट्यूब चैनल पर कहा पुराने वीडियो में मेरा इरादा ब्रेविस की बल्लेबाजी के बारे में बात करना था, ना कि उनके आईपीएल अनुबंध से जुड़ी रकम के बारे में। हमें यह समझना होगा कि आईपीएल में खेलने वाले हर खिलाड़ी का फ्रेंचाइजी और इस लीग के साथ एक अनुबंध होता है। इसके साथ ही फ्रेंचाइजी और आईपीएल के बीच भी बाध्यकारी अनुबंध होता है और अगर कुछ भी असामान्य होता है तो भी इसमें बदलाव नहीं होगा। अश्विन ने अपनी बात को साबित करने के लिए ब्रेविस को विशेष प्रतिभा वाला खिलाड़ी करार दिया। उन्होंने कहा आईपीएल में खिलाड़ियों के चोटिल होने पर उनकी जगह दूसरे खिलाड़ी को लेना बहुत आम है।

यह इस बात पर निर्भर करता है कि आप नियमों की लचीलता का कैसे इस्तेमाल करते हैं। यही मुख्य बात है। अगर आप चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) और दक्षिण अफ्रीका के प्रशंसक हैं तो आपको ब्रेविस को लेकर बहुत उत्साहित होना चाहिए। वह एक खास प्रतिभा के धनी हैं। अश्विन के इस मामले में शुरुआती बयान के बाद चेन्नई सुपर किंग्स ने शनिवार को एक स्पष्टीकरण जारी किया।

किसी की कोई गलती नहीं है

- अश्विन ने फिर अपने पहले के बयान पर स्पष्टीकरण जारी करने की आवश्यकता के बारे में बताया। उन्होंने कहा आज के समय में सही चीजों को भी स्पष्ट करने की आवश्यकता है। इस मामले में किसी की कोई गलती नहीं है। इस मामले पर स्पष्टीकरण इसलिए आया है क्योंकि बहुत से लोगों को संदेह है। उन्होंने कहा सच यह है कि फ्रेंचाइजी , खिलाड़ी और संचालन समिति से कोई गलती नहीं हुई है। भारत के इस पूर्व स्पिनर ब्रेविस के साथ टीम के अनुबंध को मास्टरस्ट्रोक करार दिया।